वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

• वर्ष 8 • अंक 151 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली शनिवार 8 अगस्त 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रूपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

केरल में एयर इंडिया का विमान क्रैश, 191 लोग थे सवार

दुबई से कोझिकोड आया विमान दुर्घटनाग्रस्त, हादसे में 16 की मौत, 123 घायल, 15 की हालत गंभीर

(विशेष संवाददाता)

कोझिकोड । केरल के कोझिकोड रनवे पर शुक्रवार की रात को एक बड़ा हादसा हुआ है। कोझीकोड के कारीपुर एयरपोर्ट पर एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान उतरते वक्त फिसल गया और फिसलने के बाद विमान एयरपोर्ट से सटी घाटी में चला गया। हादसे के बाद विमान दो हिस्सों में बट गया। इस घटना में विमान के पायलट की मौत हो गई जबकि कई यात्री घायल हुए हैं। घायल यात्रियों को निकाल कर अस्पताल भेजा जा रहा है।

कारीपुर विमान दुर्घटना को लेकर पीएम मोदी ने केरल के मुख्यमंत्री पी. विजयन से फोन पर बात की है। मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी को बताया कि कोझिकोड और मलाप्पुरम जिला कलेक्टर्स और आईजी अशोक यादव समेत एक अधिकारियों की टीम एयरपोर्ट पर पहुंच चुकी है और राहत कार्यों में मदद कर रही है।

डीजीसीए के मुताबिक एअर इंडिया एक्सप्रेस **AXB**1344, बोइंग 737 दुबई से कालीकट आ रहा था। विमान में 190 से ज्यादा लोग सवार थे। लेकिन, भारी बारिश के कारण विमान रनवे पर उतरने के बाद फिसल गया और घाटी में गिर गया। इसके बाद विमान दो टुकड़ों में टूट गया। विमान में 189 यात्री और 6 क्रू मेंबर सवार थे। इनमें 10 बच्चे भी शामिल थे। हादसे के बाद 10 से अधिक एंबुलेंस घटना स्थल पर पहुंचे हुए हैं।

डीजीसीए ने अपने बयान में आगे कहा, कारीपुर एयरपोर्ट के रनवे नंबर 10 पर लैंड करते वक्त दुबई से कोझिकोड आ रहा विमान फिसलकर घाटी में जा गिरा और उसके दो टुकड़े हो गए। लैंडिंग के वक्त दृश्यता 2000 मीटर थी।

सीआईएसएफ के महानिदेशक राजेश रंजन ने बताया कि हमारे कर्मी बचाव कार्य में सहायता कर रहे हैं। हमारे पास अभी तक हताहतों की संख्या नहीं है लेकिन हमारे कर्मी विमान में सवार यात्रियों को

निकालने में मदद कर रहे हैं।

वहीं हादसे के बाद हेल्पलाइन नंबर (0565463903, 054309057- 0543090572, 0543090575) भी जारी किए गए हैं। कोझिकोड में विमान के दो हिस्सो में टूटने की घटना पर गृह मंत्री अमित शाह ने दुख जाहिर किया है।

उन्होंने कहा कि मैंने एनडीआरएफ के निर्देश दिया है कि वे जल्द से जल्द मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में सहायता करें। राष्ट्रीय आपदा राहत बल (एनडीआरएफ) के महानिदेशक एस.एन. प्रधान ने कहा कि एनडीआरएफ की टीमें राहत एवं बचाव के लिए करिपुर हवाई अड्डे के लिए रवाना की जा रही हैं, जहां दुबई कोझीकोड फ्लाइट दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी।

केंद्रीय मंत्री रहे केजे अल्फोंस ने कहा कि हादसे में पायलट की मौत हो गई है, जबकि कई यात्री घायल हुए हैं।

उन्होंने ट्वीट किया, केरल में दूसरा हादसा। एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान कोझिकोड में रनवे पर फिसला। दुर्घटना में विमान का अगला हिस्सा टूट गया। पायलट की मौत हो गई है और कई यात्री घायल हैं। सभी यात्रियों को निकाल लिया गया है। खुशकिस्मती रही कि विमान में आग नहीं लगा।

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने बताया कि कोझिकोड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बचाव प्रयासों का नेतृत्व मंत्री ए.सी. मोइदीन करेंगे। एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट के दुर्घटना स्थल पर पुलिस और अग्निशमन बल के जवानों को तैनात किया गया है ।

पीएम मोदी ने की केरल सीएम से बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से करिपुर विमान दुर्घटना के बारे में फोन पर बात की। केरल सीएम ने पीएम को बताया कि कोझीकोड और मलप्पुरम जिला कलेक्टरों और **IG** अशोक यादव सहित अधिकारियों की एक टीम हवाई अड्डे पर पहुंची है और बचाव काम में जुटी है।

सरकार तभी हरकत में आती है जब कोर्ट आदेश पारित करता है: SC

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । तबलीगी जमात के मामले में कई मीडिया की गलत रिपोर्टिंग पर सवाल उठाने वाली जमीयत उलेमा ए हिंद की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार तब तक हरकत में नहीं आती जब तक कि कोर्ट उन्हें निर्देश नहीं देती। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एसए बोबडे की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि हमने ये अनुभव किया है कि सरकार एक्ट नहीं करती जब तक कि हम निर्देश जारी नहीं करते। अदालत ने ये टिप्पणी तक कि जब याचिकाकर्ता के वकील दुश्यंत दवे ने सुनवाई के दौरान कहा कि मरकज मामले में मीडिया ने गलत रिपोर्टिंग की थी और ऐसे में सिर्फ सरकार चाहे तो एक्शन ले सकती है। मीडिया में सेल्फ गवर्निंग बॉडी है लेकिन सरकार ही एक्शन ले सकती है। प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के वकील ने कोर्ट को बताया कि पीसीआई ने मामले में संज्ञान लिया है और गलत रिपोर्टिंग के 50 मामले सामने आए थे

और इस मामले में जल्द ही आदेश पारित होगा। जमीयत की अर्जी पर केंद्र सरकार से सुप्रीम कोर्ट ने जवाब दाखिल करने को कहा था। तब केंद्र सरकार की ओर से दाखिल जवाब में कहा गया था कि सरकार ने गलत खबर को रोकने के लिए कदम उठाए हैं। लेकिन मीडिया को रोकने के लिए आदेश पारित नहीं हो सकता। अगर ऐसा हुआ तो अभिव्यक्ति की आजादी खत्म हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट दो हफ्ते बाद सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई को उस याचिका पर प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा था जिसमें याचिकाकर्ता जमीयत उलेमा ए हिंद ने अर्जी दाखिल कर आरोप लगाया है कि कुछ टीवी चैनलों ने तबलीगी जमात के निजामुद्दीन मरकज की घटना से संबंधित फर्जी खबरें दिखाई। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एसए बोबडे की अगुवाई वाली बेंच ने मामले की सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल से कहा था कि वह कानून व्यवस्था के मामले में किसी को भड़काने की इजाजत नहीं होनी चाहिए।

योगी नोएडा में, आज कोरोना हॉस्पिटल का उद्घाटन

नोएडा । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को टाटा कंपनी के सहयोग से नोएडा के सेक्टर 39 में बने 420 बिस्तरों वाले कोविड 19 अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। पुलिस कश्मिनरेट के प्रकता एवं पुलिस उपायुक्त वृंदा शुक्ल ने इसकी जानकारी दी। इस कार्यक्रम के लिए सीएम योगी शुक्रवार शाम यूपी सरकार के चॉपर से नोएडा पहुंचे, जहां अधिकारियों ने उनकी अगवानी की। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री सुबह साढ़े 9 बजे सेक्टर 39 स्थित कोविड अस्पताल का उद्घाटन करने पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद करीब 10¬30 बजे सेक्टर 128 स्थित कोविड19 के लिए बनाए गए एकीकृत नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण करेंगे। यहीं पर सीएम योगी आदित्यनाथ कोविड19 को लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मंडलों के अधिकारीयों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। उसके बाद वहीं से वह गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के लिए प्रस्थान करेंगे।

ईडी के समक्ष पेश हुईं अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती

अभिनेता सुशांत राजपूत को आत्महत्या के लिए उकसाने की आरोपी हैं रिया

(विशेष संवाददाता)

मुंबई, 7 अगस्त । अभिनेता सुशांत राजपूत को कथित रूप से आत्महत्या के लिए उकसाने की आरोपी अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दर्ज धन शोधन मामले में केंद्रीय एजेंसी के समक्ष पेश हुईं। अभिनेत्री बलार्ड एस्टेट क्षेत्र में स्थित एजेंसी के कार्यालय में दोपहर से ठीक पहले पेश हुईं।

रिया अपने भाई शौविक के साथ आई थीं। चकवर्ती की कारोबारी प्रबंधक श्रुति मोदी भी एजेंसी द्वारा तलब किए जाने के शीघ्र बाद पेश हुईं। मोदी राजपूत के लिए भी काम करती थीं। अधिकारियों ने कहा कि चक्रवर्ती, मोदी और शौविक के बयान धनशोधन निरोधक अधिनियम के तहत दर्ज किये गए।

उन्होंने बताया कि राजपूत के दोस्त और उनके साथ रहने वाले सिद्धार्थ पिठानी को भी धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को पेश होने के लिए तलब

किया है। इन्हें भी अभिनेता के पिता द्वारा बिहार पुलिस को दी गई शिकायत के बाद दर्ज धनशोधन मामले के संबंध में तलब किया गया है।

पिठानी अभी मुंबई से बाहर बताए गए हैं। कई समाचार चैनलों को दिए गए साक्षात्कार में वह यह कह चुके हैं कि वह 14 जून को अभिनेता के बांद्रा स्थित फ्लैट में थे। अभिनेता ने 14 जून को फांसी लगा ली थी। ऐसा कहा जा रहा है कि आईटी पेशेवर पिठानी एक साल से राजपूत के साथ रह रहे थे। वह इस मामले में मुंबई पुलिस द्वारा दुर्घटनावश मौत रिपोर्ट (एडीआर) जांच में अपना बयान पुलिस में दर्ज करा चुके हैं।

राजपूत के पिता द्वारा खुदकुशी के लिए उकसाने का आरोप लगाए जाने के बाद चक्रवर्ती ने शुरू में यह कहते हुए एजेंसी के समक्ष पेश होने से इनकार कर दिया था कि उसकी याचिका उच्चतम न्यायालय के समक्ष लंबित है।

चक्रवर्ती के वकील सतीश मानशिंदे ने कहा,इस तथ्य के मद्देनजर कि ईडी ने मीडिया को सूचित किया है कि पेशी को टालने के अनुरोध को खारिज कर दिया गया है, रिया ईडी के अधिकारियों के समक्ष पेश हुई हैं।'' अधिवक्ता ने एक बयान जारी कर कहा कि चक्रवर्ती कानून का पालन करने वाली नागरिक हैं और जांच में सहयोग करेंगी।

चक्रवर्ती ने न्यायालय में याचिका दायर करके बिहार पुलिस द्वारा दर्ज मामले को स्थानांतरित कर मुंबई पुलिस को सौंपे जाने का अनुरोध किया था। इस याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई होगी। चक्रवर्ती ने अदालत में दी अपनी याचिका में कहा था कि वह राजपूत (34) के साथ लिवइन रिलेशन में थीं।

कप्तान मनप्रीत समेत 5 हॉकी खिलाड़ी कोविड पॉजिटिव

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 7 अगस्त । भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिह समेत पांच खिलाडियों को बेंगलुरू में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के राष्ट्रीय खेल उत्कृष्टता केंद्र में राष्ट्रीय हॉकी शिविर में रिपोर्ट करने के बाद कोविड19 जांच में पॉजिटिव पाया गया।

मनप्रीत के अलावा डिफेंडर सुरेंदर कुमार, जसकरण सिह और ड्रैग फ्लिकर वरूण कुमार पॉजिटिव पाये गए हैं । ये खिलाड़ी घर पर ब्रेक के बाद टीम के साथ शिविर के लिये पहुंचे थे। बाद में पता चला कि गोलकीपर कृष्णा बी पाठक भी कोरोना जांच में पॉजिटिव पाये गए हैं । उनकी रिपोर्ट के बारे में राज्य सरकार ने जानकारी दी । साइ को अभी तक उनकी रिपोर्ट मिली नहीं है

। मनप्रीत ने साइ द्वारा जारी बयान में कहा, मैं साइ परिसर में अकेला पृथकवास में हूं और जिस तरह से साइ अधिकारियों ने हालात को संभाला, उससे खुश हूं। मैं खुश हूं कि उन्होंने सभी खिलाड़ियों का परीक्षण अनिवार्य किया है। इस कदम से सही समय पर वायरस से संक्रमण का पता चल जायेगा। मैं ठीक हूं और जल्द ही उबरने की उम्मीद है।'' ये खिलाड़ी एक महीने से ब्रेक पर थे । इससे पहले लॉकडाउन के कारण दो महीने से अधिक समय तक बेंगलुरू के साइ केंद्र पर फंसे हुए थे । साइ की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, साइ ने शिविर में रिपोर्ट करने वाले सभी खिलाडियों का पहुंचने पर रैपिड कोविड19 परीक्षण कराना अनिवार्य किया है। पॉजिटिव आये इन सभी खिलाड़ियों ने एक साथ ही यात्रा की थी तो पूरी संभावना है कि घर से बेंगलुरू पहुंचते हुए उनसे वायरस फैला होगा।

'' विज्ञप्ति में कहा गया, सभी चार खिलाड़ियों को रैपिड परीक्षण में नेगेटिव पाया गया था। लेकिन मनप्रीत और सुरेंद्र में बाद में कुछ कोविड19 के लक्षण दिखायी दिये तो उन्हें और उनके साथ यात्रा करने वाले अन्य 10 खिलाड़ियों के साथ गुरूवार का आरटीपीसीआर परीक्षण कराया गया जिसमें ये चार कोविड19 पॉजिटिव निकले। '' उनके नतीजे हालांकि अभी साइ को सौंपे नहीं गये हैं लेकिन राज्य सरकार ने साइ अधिकारियों को इनके बारे में बता दिया और कुछ परीक्षण के नतीजों का अब भी इंतजार है।

शिविर के लिये रिपोर्ट करने वाले मनप्रीत सहित सभी खिलाड़ी स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार पृथकवास में रह रहे हैं और वायरस के संक्रमण की संभावना को रोकने के लिये उन्हें एहतियाती कदम के अनुसार अलग रखा गया था।

इन पृथक खिलाड़ियों ने शिविर में मौजूद अन्य खिलाड़ियों से बातचीत नहीं की थी। राज्य सरकार और साइ की मानक परिचालन प्रक्रिया का शिविरों में कड़ाई से पालन किया जा रहा है।

घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं को बेहतर जिंदगी दे रहीं IPS अफसर

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । कोरोना महामारी के बीच लागू लॉकडाउन में घरेलू हिंसा के मामलों में बहुत तेजी से बढ़ोतरी आई है। देश में 25 मार्च से लागू लॉकडाउन में लाखों मजदूरों और गरीब परिवारों का रोजगार छिन गया. इसका असर ऐसे भी दिखा कि घरेलू हिंसा की घटनाएं बढ़ गई. राष्ट्रीय महिला आयोग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, लॉकडाउन लागू होने के बाद से देश में घरेलू हिंसा की घटनाओं में दोगुनी तेजी आई है। ऐसे में एक आईपीएस अफसर इस मुश्किल वक्त में फंसी महिलाओं की मदद के लिए आगे आई हैं। तेलंगाना के महबूबनगर की पुलिस सुपरिटेंडेंट रेमा राजेश्वरी ने घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं के लिए एक पूरा इनीशिएटिव ही चलाया है. उन्होंने इन

महिलाओं के लिए मोबाइल सेफ्टी व्हीकल ही सेटअप किया है. फेसबुक पर **Humans of Bombay** पेज पर उन्होंने अपनी इस मुहिम की शुरुआत करने के पीछे की वजह बताते हुए कहा कि उन्हें एक कॉल आई थी, जिसने उनकी आंखें खोल दीं और इस दिशा में बड़ा कदम उठाने को प्रेरित किया।

उन्होंने बताया कि कानपुर की एक महिला ने उन्हें कॉल किया था. उसका कहना था कि उसकी बहन ने उसे पिछले तीन दिनों से कॉल नहीं किया है. महिला ने बताया कि उसकी बहन का पति उसे बहुत मारता है और उसे डर है कि फिर ऐसा कुछ हुआ है. आईपीएस राजेश्वरी ने बताया, हमने एक डिस्पैच टीम भेजी और उस महिला को हमने इतने दयनीय हालत में पाया कि मैं हिल गई।

शिक्षा नीति का क्रियान्वयन भविष्य बनाने का महायज्ञ: मोदी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत उच्च शिक्षा में रूपांतरकारी सुधारों पर आयोजित सम्मेलन

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 7 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति सिर्फ एक परिपत्र नहीं है बल्कि इसका क्रियान्वयन एक महायज्ञ की तरह है और इसके लिए सभी हितग्राहियों की मजबूत इच्छाशक्ति और सामूहिक प्रयास की आवश्यकता होगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को 21वीं सदी के नए भारत की नींव तैयार करने वाली करार देते हुए मोदी ने कहा कि अभी तक जो हमारी शिक्षा व्यवस्था है, उसमें क्या सोचना है पर ध्यान केंद्रित रहा जबकि नयी शिक्षा नीति में कैसे सोचना है'' पर बल दिया गया है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति सिर्फ एक सर्कुलर नहीं है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति सिर्फ सर्कुलर जारी करके, अधिसूचित करके क्रियान्वित नहीं होगी। इसके लिए मन बनाना होगा, आप सभी को दृढ़ इच्छाशक्ति दिखानी होगी। भारत के वर्तमान और भविष्य को बनाने के लिए आपके लिए ये कार्य एक महायज्ञ की तरह हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत उच्च शिक्षा में रूपांतरकारी सुधारों पर आयोजित एक सम्मेलन को वीडियो लिंक के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने उक्त बातें कही इस सम्?मेलन का आयोजन मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा किया जा रहा है। मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति की आज देश भर में व्यापक चर्चा हो रही है। अलगअलग क्षेत्र के लोग, अलग अलग विचारधाराओं के लोग, अपने विचार प्रकट कर रहे हैं और इसकी समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह एक स्वस्थ चर्चा है। यह जितनी ज्यादा होगी, उतना ही लाभ देश की शिक्षा व्यवस्था को मिलेगा। अब सब की निगाहें इसके क्रियान्वयन की तरफ हैं। इस चुनौती को देखते हुए, व्यवस्थाओं को बनाने में जहां कहीं कुछ सुधार की आवश्यकता है, वो हम सबको मिलकर ही करना है।'' उन्होंने कहा कि शिक्षा जगत से संबंधित लोगों की भूमिका बहुत

ज्यादा अहम है। जहां तक राजनीतिक इच्छाशक्ति की बात है, मैं पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं, मैं पूरी तरह से आपके साथ हूं।'' उन्होंने कहा, हर देश अपनी शिक्षा व्यवस्था को अपने राष्ट्रीय मूल्यों के साथ जोड़ते हुए, अपने राष्ट्रीय ध्येय के अनुसार सुधार करते हुए चलता है। मकसद यह होता है कि देश की शिक्षा प्रणाली अपनी वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तैयार रखे और तैयार करे।'' उन्होंने कहा, भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति का आधार भी यही सोच है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 21वीं सदी के भारत और नए भारत की नींव तैयार करने वाली है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते अनेक वर्षों से देश की शिक्षा प्रणाली में बड़े बदलाव नहीं हुए थे और इसका परिणाम ये हुआ कि समाज में जिज्ञासा और कल्पनाशक्ति जैसी जरूरतों को आगे बढ़ाने के बजाय भेड़ चाल'' को प्रोत्साहन मिलने लगा था। उन्होंने कहा कि तीन चार साल के व्यापक विचारविमर्श के बाद, लाखों सुझावों पर लंबे मंथन के बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति को स्वीकृत किया गया है। उन्होंने कहा, भारत को ताकतवर बनाने के लिए, विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए, भारत के नागरिकों को और सशक्त करने के लिए, उन्हें ज्यादा से ज्यादा अवसरों के उपयुक्त बनाने के लिए इस शिक्षा नीति में बल दिया गया है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी तक जो हमारी शिक्षा व्यवस्था है, उसमें क्या सोचना है'' पर ध्यान केंद्रित रहा है जबकि इस शिक्षा नीति में कैसे सोचना है'' पर बल दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, अब कोशिश ये है कि बच्चों को सीखने के लिए जिज्ञासा, खोज और चर्चा आधारित और विश्लेषण आधारित तरीकों पर जोर दिया जाए। इससे बच्चों में सीखने की ललक बढ़ेगी और उनके क्लास में उनकी भागीदारी भी बढ़ेगी।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बात में कोई विवाद नहीं है कि बच्चों के घर की बोली और स्कूल में पढ़ाई की भाषा एक ही होने से बच्चों के सीखने की गति बेहतर होती है। उन्होंने कहा, ये एक बहुत बड़ी वजह है जिसकी वजह से जहां तक संभव हो, पांचवीं कक्षा तक बच्चों को उनकी मातृभाषा में ही पढ़ाने पर सहमति दी गई है। इससे बच्चों की नींव तो मजबूत होगी ही, उनकी आगे की पढ़ाई के लिए भी उनका आधार और मजबूत होगा।'' उन्होंने कहा, यह खुशी की बात है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति आने के बाद देश के किसी भी क्षेत्र से, किसी भी वर्ग से यह बात नहीं उठी कि इसमें किसी तरह का भेदभाव है, या किसी एक ओर झुकी हुई है। यह संकेत है कि लोग वर्षों से चली आ रही शिक्षा प्रणाली में बदलाव चाहते थे।''

पीएम मोदी आज करेंगे राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र का उद्घाटन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 07 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को 'राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र' का उद्घाटन करेंगे। महात्मा गांधी को समर्पित राष्ट्रीय स्वच्छता केंद्र (आरएसके) की प्रधानमंत्री ने सबसे पहले घोषणा 10 अप्रैल 2017 को गांधीजी के चम्पारण 'सत्याग्रह' के 100 वर्ष पूरे होने के मौके पर की थी। यह स्वच्छ भारत मिशन पर एक परस्पर संवादात्मक (इंटरैक्टिव) अनुभव केंद्र होगा।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि राजघाट के समीप स्थित आरएसके का दौरा करने के बाद मोदी शारीरिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए आरएसके के सभागार में दिल्ली के 36 स्कूली छात्रों से बातचीत करेंगे जो 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसके बाद वह संबोधन देंगे। बयान के अनुसार आरएसके में स्थित सभागार में भावी पीढ़ियों को स्वच्छ भारत मिशन की सफल यात्रा से रूबरू कराया जाएगा। साथ ही स्वच्छता पर जागरूकता और शिक्षा दी जाएगी। बयान में कहा गया है कि सभागार नंबर एक में दर्शक 360 डिग्री का अनूठा ऑडियोविजुअल कार्यक्रम देखेंगे, जिसमें भारत की स्वच्छता की कहानी यानी दुनिया के इतिहास में लोगों की आदतों में बदलाव लाने वाले सबसे बड़े अभियान की यात्रा दिखाई जाएगी। सभागार नंबर दो में विभिन्न माध्यमों से स्वच्छ भारत के गांधी के सपने को हासिल करने के लिए किए गए कार्यों की कहानी बयां की जाएगी।

बयान में कहा गया है कि स्वच्छ भारत मिशन ने भारत में ग्रामीण स्वच्छता की सूरत बदल दी और 55 करोड़ से अधिक लोगों की खुले में शौच करने की आदत को बदल दिया और वे शौचालयों का इस्तेमाल करने लगे। भारत को इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से काफी सराहना मिली और हमने दुनिया के लिए एक नजीर पेश की। इसमें कहा गया है कि यह मिशन दूसरे चरण में है जिसका उद्देश्य भारत के गांवों को खुले में शौच से मुक्त करना है।

एक नजर

दिल्ली में अब एक घंटे अधिक खुलेंगी शराब की दुकानें

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने शहर में शराब की दुकानें अब एक घंटे अधिक खोलने का फैसला किया है। अधिकारी ने बताया कि इस कदम से सरकार के राजस्व में भी इजाफा होगा।आबकारी विभाग की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आदेश के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में अब शराब की दुकानें सुबह 10 से रात 10 बजे तक खुलेंगी। पहले दुकानें रात नौ बजे बंद हो जाती थीं। आदेश में कहा, ''दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की राज्य कार्यकरी समति के अध्यक्ष द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए दिल्ली सरकार ने 31 जुलाई 2020 से एल6, एल7, एल8, एल 9 और एल10 शराब की दुकानों को अब सुबह 10 से रात नौ की बजाय सुबह 10 से रात 10 बजे तक खोलने की अनुमति दी है। यह स्थिति तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक जारी रहेगी।''दिल्ली में 863 शराब दुकानें हैं, जिनमें से 475 का संचालन दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, दिल्ली टूरिज्म एंड ट्रांसपोर्टेशन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, दिल्ली स्टेट सिविल सप्लाइज कॉरपोरेशन और दिल्ली कंज्यूमर कोऑपरेटिव होलसेल स्टोर करते हैं। वहीं करीब 389 दुकानें निजी हैं।

अडानी इलेक्ट्रिसिटी ने यस बैंक में 202 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। अडानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड (एईएमएल) ने यस बैंक में 202 करोड़ रुपये मूल्य की अपनी हिस्सेदारी बेच दी है। एनएसई से प्राप्त आंकड़े के अनुसार, यह बिक्री गुरुवार को एक ओपन मार्केट ट्रांजक्शन के जरिए की गई। एईएमएल ने 15 करोड़ शेयर बेचे, जो यस बैंक में 1.19 प्रतिशत हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनका औसत मूल्य 13.45 रुपये प्रति शेयर रहा। दूसरी तरफ भारतीय जीवन बीमा निगम ने कहा था कि उसने ओपन मार्केट खरीददारी के जरिए अतिरिक्त शेयर खरीदे हैं। पिछले सप्ताह मूडीज इनवेस्टर्स सर्विस ने उस समय यस बैंक की दीर्घकालिक विदेशी मुद्रा इसुअर रेटिंग को एक बिंदु अपग्रेड कर सीएए1 से बी3 कर दिया था, जब यस बैंक ने जुलाई में एक फालोऑन पब्लिक ऑफर में 15,000 करोड़ रुपये जुटा लिए थे। मूडीज ने कहा कि यस बैंक द्वारा सफलतापूर्वक 50 अरब रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाने से इसकी सॉल्वेंसी मजबूत हुई है। और रेटिंग अपग्रेड का यह मुख्य कारण है।

दिल्ली हिंसा: हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर को दी क्लीन चिट

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर प्रवीर रंजन को उनके 8 जुलाई के उस आदेश के लिए क्लीन चिट दे दी है जिसमें जांच के दौरान एक समुदाय विशेष के आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर विशेष सावधानी बरतने का निर्देश दिया गया था। जस्टिस सुरेश कैत की बेंच ने कहा कि इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर वह आदेश पारित किया गया। कोर्ट ने 31 जुलाई को प्रवीर रंजन को निर्देश दिया था कि वह दो दिन के अंदर अपने पूर्ववर्ती अफसरों की ओर से जारी ऐसे पांच पत्रों को दिखाएं जो किसी इनपुट या शिकायत के आधार पर जारी किए गए हों। दिल्ली हिंसा के दौरान अपने पिता को खो चुके साहिल परवेज ने दायर की थी। याचिकाकर्ता की ओर से वकील महमूद प्राचा ने कोर्ट को बताया था कि याचिकाकर्ता के पिता मोहम्मद सईद सलामी को दंगाईयों ने उसके घर के पास मौत के घाट उतार दिया। उसके घर में घुसकर दंगाईयों ने उसकी बड़ी मां को पीटपीटकर मार डाला। याचिका में कहा गया था कि दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर प्रवीर रंजन ने 8 जुलाई को दंगे की जांच कर रही ।

2024 तक पंजीकृत होने वाले नए वाहनों में 25 प्रतिशत इलेक्ट्रिक होंगे

दिल्ली सरकार ने ईवी पॉलिसी लागू की, स्टेट ईवी बोर्ड और डेडिकेटेड ईवी सेल का गठन होगा

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली, 07 अगस्त । मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिल्ली सरकार ने इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स पॉलिसी2019 का आज नोटिफिकेशन जारी कर दिया। यह पॉलिसी अधिसूचना की तारीख से तीन साल के लिए वैध होगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि इस पॉलिसी का मुख्य उद्देश्य दिल्ली मॉडल के तहत दिल्ली की अर्थ व्यवस्था को गति देना और प्रदूषण को कम करना है। दिल्ली में 2024 तक जितने भी नए वाहन पंजीकृत होंगे, उसमें से 25 प्रतिशत नए वाहन इलेक्ट्रिक के होंगे। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन भी दी जाएगी। टू व्हीलर, ऑटो रिक्शा, ईरिक्शा व मॉल वाहक वाहन खरीदने पर 30 हजार रुपये और कार पर 1.5 लाख रुपये इंसेंटिव मिलेगा। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इसके लिए स्टेट ईवी फंड, स्टेट ईवी बोर्ड और डेडिकेटेड ईवी सेल का गठन किया जाएगा। स्टेट ईवी बोर्ड के चेयरमैन परिवहन मंत्री होंगे। मुझे विश्वास है कि आज से पांच साल बाद जब पूरी दुनिया के अंदर इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स की चर्चा की जाएगी, तो दिल्ली का नाम उपर रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डिजिटल प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि दिल्ली सरकार ने सभी लोगों, विशेषज्ञों और उपभोक्ताओं से चर्चा करके, पिछले दोतीन साल तक कड़ी मेहनत के बाद दिल्ली की इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स पॉलिसी तैयार की है। इस पॉलिसी को आज नोटिफाई कर दिया गया है। आज पूरी दुनिया में इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स की अगर चर्चा होती है, तो चीन को सबसे आगे रखा जाता है। लोग कहते हैं कि चीन के

अंदर इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स का बहुत अच्छा काम है। यह पॉलिसी ऐसी है कि मुझे उम्मीद और विश्वास है कि आज से पांच साल बाद जब पूरी दुनिया के अंदर इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स की चर्चा की जाएगी, तो दिल्ली का नाम उपर रखा जाएगा। मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि यह पॉलिसी देश की सबसे प्रोग्रेसिव पॉलिसी तो है ही, शायद दुनिया भर में जितनी इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स पॉलिसी हैं, उन सब में एक अच्छी पॉलिसी तैयार की गई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस पॉलिसी के जरिए हमारा दो उद्देश्य है। एक मकसद है, दिल्ली की अर्थ व्यवस्था को गति देना। कोरोना के समय दिल्ली ही नहीं, पूरी दुनिया के अंदर अर्थ व्यवस्था खराब हो गई है। पिछले कुछ दिनों में दिल्ली सरकार ने दिल्ली की अर्थ व्यवस्था को गति देने के लिए काफी सारे कदम उठाए हैं। हमने रोजगार वेबसाइट बनाई, हमने रेहड़ी पटरी वालों का काम शुरू कराया। हमने डीजल की कीमत में बहुत भारी कमी की और भी कई सारे कदम उठाए हैं। मुझे लगता है कि दिल्ली की अर्थ व्यवस्था को एक जबरदस्त धक्का देने में यह इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स पॉलिसी काम आएगी। दूसरा उद्देश्य दिल्ली का प्रदूषण कम करना है। पिछले पांच साल के अंदर दिल्ली के 2 करोड़ लोगों ने और हम सब ने मिल कर प्रदूषण को 25 प्रतिशत कम किया है। लेकिन हम इससे संतुष्ट नहीं है, हमें प्रदूषण को और भी कम करना है। अभी कोरोना के लॉकडाउन के समय में हमने देखा कि पीएम10 और पीएम2.5 का स्तर कितना कम हो गया था। आसमान शानदार दिखाई देता था और साफसुथरी हवाएं मिलती थीं। अब जब हम अपनी अर्थ व्यवस्था को खोल रहे हैं ।

इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर इंसेंटिव मिलेगा

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पॉलिसी के बारे में बताते हुए कहा कि इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स आज की तारीख में काफी महंगे हैं और आम आदमी की पहुंच से काफी दूर है। प्रदूशण करने वाले डीजल व पेट्रोल के वाहन सस्ते होते हैं, जबकि इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स महंगे होते हैं। इसलिए लोग इसे खरीदते नहीं हैं। इसलिए इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स को बढ़ावा नहीं मिल पाता है। ज्यादा से ज्यादा लोग इसे खरीदें, इसलिए सरकार इस पर वित्तीय प्रोत्साहन (फाइनेंशियल इन्सेंटिव) देने जा रही है। अगर आप इलेक्ट्रिक के टूव्हीलर खरीदते हैं, तो आपको अधिकतम 30 हजार रुपये तक सरकार की तरफ से इंसेंटिव मिल सकता है। कार पर 1.5 लाख रुपये तक इंसेंटिव मिल सकता है। ऑटो रिक्शा व ईरिक्शा पर 30 हजार रुपये तक इंसेंटिव मिलेगा और मॉल वाहनों पर भी 30 हजार रुपये तक इंसेंटिव मिलेगा। सीएम ने बताया कि केंद्र सरकार की भी एक योजना है। उसे फेम इंडिया फेज टू स्कीम कहते हैं। उस स्कीम में भी काफी इंसेंटिव मिलते हैं। मैने जो इंसेंटिव बताई है, वह केंद्र सरकार की स्कीम के अतिरिक्त हैं। इसलिए यदि आप इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स खरीदते हैं, तो केंद्र सरकार आपको इंसेंटिव देगी ही। हमने जो इंसेंटिव बताई है, यह इससे ज्यादा हैं।

भारत में कोविड से उबरने वालों की संख्या बढ़ रही, मृतक संख्या कम हो रही: केंद्र

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 07 अगस्त। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कोविड19 के प्रबंधन को लेकर भारत ने 'दो उल्लेखनीय उपलब्धियां' हासिल की हैं। कोरोना वायरस के संक्रमितों के स्वस्थ होने की दर लगातार बढ़ रही है और तीतथा संक्रमण से लोगों के मरने की दर वैश्विक औसत से बहुत नीचे बनी हुई है।मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना वायरस के मरीजों की स्वस्थ होने की दर 67.98 फीसदी के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई है जबकि संक्रमण के कारण मरने की दर घटकर 2.05 फीसदी रह गई है। मंत्रालय ने बताया कि 24 घंटे के भीतर 49,769 मरीज ठीक हुए और इसके साथ शुक्रवार को स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 13,78,105 हो गई। 15 जून को स्वस्थ होने वालों की दर 51.08 फीसदी थी जो सात अगस्त तक बढ़कर 67.98 फीसदी हो गई।

कोविड19 के कुल मामलों में से इलाज करवा रहे मरीजों की संख्या 46.06 फीसदी थी जो अब घटकर 29.96 फीसदी रह गई है। मंत्रालय ने कहा, ''भारत में, स्वस्थ हो चुके तथा इलाज करवा रहे मरीजों की संख्या में 7.7 लाख का अंतर है, जो बढ़ रहा है।''उसने बताया कि बीमारी से उबरने वाले लोगों का दैनिक औसत (सात दिन का मुविंग एवरेज) बीते दो हफ्ते में 26,000 मामलों से बढ़कर 44,000 हो गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि केंद्र, राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा व्यापक पैमाने पर जांच, पृथक वास के दौरान उचित देखभाल, प्रभावी उपचार आदि सतत प्रयासों के चलते उपचार करवा रहे मरीजों की संख्या में कमी आई है और स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़ी है। भारत में 24 घंटे के भीतर पहली बार कोविड19 के 60,000 से अधिक मामले आने के साथ ही संक्रमण के कुल मामलों की संख्या शुक्रवार को 20 लाख के पार चली गई जबकि इस बीमारी से उबरने वाले मरीजों की संख्या भी 13.78 लाख पर पहुंच गई।

ईडीएमसी ने शुरू किया अपना आधिकारिक यूट्यूब चैनल

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली की जनता के साथ संवाद को और बेहतर करने के उद्देश्य से पूर्वी दिल्ली नगर निगम (ईडीएमसी) ने शुक्रवार को अपना आधिकारिक यूट्यूब चैनल शुरू किया है। इस चैनल के माध्यम से निगम गतिविधियों, कार्यक्रमों और जागरुकता संबंधी कार्यक्रमों का प्रचारप्रसार किया जाएगा। साथ ही, विधायी और कार्यकारी पक्ष के संदेशों को भी इस चैनल पर प्रसारित किया जा सकेगा। ईडीएमसी आयुक्त डॉ. दिलराज कौर ने कहा कि सोशल मीडिया संचार का आसान और रचनात्मक माध्यम है और यूट्यूब वीडियो इसमें एक अहम टूल है। पूर्वी दिल्ली नगर निगम स्वच्छता, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रशंसनीय कार्य कर रहा है। इन क्षेत्रों में सरकारी निकायों की जितनी भूमिका है उतनी ही भूमिका जनसहभागिता की भी है। सरकारी अभियानों में जागरुकता से जनसहभागिता बढ़ाई जा सकती है।

सामाजिक अंतर को पाटने का सेतु बनें लोकसेवक: नायडू

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 07 अगस्त। उप राष्टपति एम. वेंकैया नायडू ने लोकसेवकों से धनी निर्धन, महिला पुरुष और शहरीग्रामीण अंतर को पाटने का सेतु बनने का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि उन्हें नये भारत के निर्माण कार्य में सक्रियता से जुटना चाहिए। नायडू ने लाल बहादुर शास्त्री राष्टीय प्रशासनिक अकादमी में वर्ष 2018 के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के द्विवर्षीय प्रशिक्षण के समापन समारोह को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि सामाजिकआर्थिक रुप से पिछड़े लोगों का उद्धार लोकसेवकों का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकसेवकों को गरीबी और भेदभाव को खत्म करने के लिए ईमानदारी, अनुशासन, सरलता, जिम्मेदारी, पारदर्शिता और उत्तरदायित्वता से

अथक परिश्रम करना चाहिए। उप राष्टपति ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आकाशवाणी पर मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के संस्करणों को समाहित करने वाली पुस्तक 'सिक्सटी फाइव कन्वर्सेशंस' का लोर्कापण भी किया। इसे अकादमी ने प्रकाशित किया है। उन्होंने कहा, 'मेरी आपसे अपेक्षा होगी कि आप अपने काम को अपने मिशन के रूप में लें।

ईमानदारी, समर्पण और संकल्प से राष्ट निर्माण का मिशन, देश में व्याप्त अनेक विषमताओं को समाप्त करने के मिशन, गरीब अमीर का अंतर, पुरुषमहिला में अंतर, शहरीग्रामीण के बीच का अंतर, इन सब को समाप्त करने का मिशन, सामाजिक आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों का उत्थान आपका लक्ष्य होना चाहिए।'

उन्होंने कहा कि लोकसेवकों को अपनी जानकारी हरदम बढ़ाते रहना चाहिए। नई तकनीकों को सीखना चाहिए और उनमें निपुणता हासिल करनी चाहिए।

दिल्ली सरकार का जॉब पोर्टल 'रोजगार बाजार' का नया मॉडल: गोपाल राय

नई दिल्ली, 07 अगस्त (वेबवार्ता)। देश की राजधानी में कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलाव में पिछले कुछ सप्ताहों में कमी आई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस सफलता को 'दिल्ली मॉडल' से जोड़ते हैं। इसके साथ ही केजरीवाल ने जॉब्स डॉट दिल्ली डॉट जीओवी डॉट ईन नाम से पोर्टल लॉन्च कर दिया। मुख्यमंत्री ने इस बाबत कहा था कि इस पोर्टल का नौकरी देने वाले और नौकरी की चाह रखने वाले दोनों ही फायदा उठा सकते हैं। दिल्ली के श्रम मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि कोरोना काल में दिल्ली में बहुत बड़ी संख्या में लोगों को बेरोजगारी का सामना करना पड़ा। वर्कर्स गांव चले गए थे। क्राइसिस शुरू हो गई, ऐसे में दिल्ली सरकार ने जॉब पोर्टल की शुरुआत की है। ये रोजगार बाजार में नया मॉडल है, अभी तक 22 लाख जॉब पोस्ट की गयी हैं। इनकी वेरिफिकेशन के लिए टास्क फोर्स बनाया और इनमें से साढ़े तीन लाख को कैंसिल किया गया। गोपाल राय ने बताया कि दस लाख लोगों को जॉब मिल गयी है। आज की तारीख में नौ लाख जॉब्स हैं, लेकिन जॉब सीकर्ज की संख्या इससे कम है। रोजगार बाजार के बारे में दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने हाल ही में बताया था कि वेबसाइट पर जाकर रजिस्टर कर लें। जिन्हें नौकरी चाहिए वो अपनी जानकारी इस पर डाल सकते हैं। जिनके पास वैकेंसी है, वे अपनी डिटेल्स डाल सकते हैं। इसके लिए कोई पैसे देने की जरूरत नहीं है। कोई दलाल इसके लिए पैसे मांगता है तो कोई पैसा देने की जरूरत नहीं है।

चिदंबरम का संदेह, रक्षा मंत्रालय में कोई चीनी जासूस तो नहीं

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 07 अगस्त। चीनी घुसपैठ को लेकर बीते दिन रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट पर डॉक्यूमेंट जारी करने और फिर हटाने को लेकर राजनीति शुरू हो गयी है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने रक्षा मंत्रालय की स्वीकारोक्ति को लेकर सवाल खड़े किये हैं। उनका कहना है आखिर क्या बात हो गयी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब घुसपैठ को नकार दिया तो रक्षा मंत्रालय इसे मान रहा है, वो भी इतना समय बीतने के बाद। उन्होंने कहा कि कहीं राजनाथ सिंह को रक्षा मंत्रालय से बाहर करने की कोई साजिश तो नहीं कर रहा। साथ ही उन्होंने रक्षा मंत्रालय में चीनी जासूस के होने पर संदेह भी जताया। पूर्व वित्तमंत्री पी. चिदंबरम ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा, 'कोई तो है जो राजनाथ सिंह को रक्षा मंत्रालय से बाहर करना चाहता है। अन्यथा रक्षा

मंत्रालय की वेबसाइट चीनी आक्रामकता और भारतीय क्षेत्र पर कब्जे के बारे में सच्चाई क्यों बताएगी? उन्होंने कहा कि मंत्रालय के उस एक बयान से राजनाथ सिंह को काफी नुकसान हुआ। लोग पूछने लगे हैं कि क्या मंत्रालय और सेना खुफिया सूचनाओं पर कार्रवाई करने में विफल रही। क्या चीनी सैनिकों और उपकरणों को लाने और एलएसी को पार करने की अनुमति दी गई? कांग्रेस नेता ने कहा कि मंत्रालय की उस स्वीकारोक्ति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस घोषणा का सच भी उजागर कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'भारतीय क्षेत्र में कोई घुसपैठ नहीं हुई। ना ही कोई भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर रहा है।' इतना ही नहीं, चीनी घुसपैठ को लेकर सामने आए बयान के आधार पर चिदंबरम ने संदेह जताया है कि कहीं रक्षा मंत्रालय में कोई चीनी जासूस तो नहीं है।

भाजपा ने की दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन की सदस्यता रद्द करने की मांग

नई दिल्ली, 07 अगस्त (वेबवार्ता)। दिल्ली दंगों की साजिश रचने की बात पुलिस के सामने स्वीकार करने के बाद आम आदमी पार्टी के सस्पेंडेड पार्षद ताहिर हुसैन को लेकर फिर से राजनीति गरमा गई है।

ताहिर हुसैन के मुद्दे को लेकर भाजपा नेता लगातार आम आदमी पार्टी (आप) पर हमलावर हैं. अब भाजपा ने पूर्वी दिल्ली नगर निगम से पार्षद ताहिर हुसैन की सदस्यता रद्द करने की मांग उठाई है. इसके लिए मेयर को पत्र लिखने की तैयारी है. भाजपा की दिल्ली यूनिट के मीडिया संयोजक (कन्वीनर) नीलकांत बख्शी ने कहा, 'दिल्ली पुलिस की इंटेरोगेशन रिपोर्ट के मुताबिक, दंगों की साजिश रचने में ताहिर हुसैन ने अपनी भूमिका स्वीकार कर ली है. मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह अपनी पार्टी के पार्षद का अब किस मुंह से बचाव करेंगे? दिल्ली को दंगों की आग में झोंकने को लेकर उन्हें जवाब देना चाहिए। ' भाजपा नेता नीलकांत ने कहा कि 'जनवरी, फरवरी से लेकर निगम (कॉर्पोरेशन) की लगातार चार बैठकों में ताहिर की मौजूदगी नहीं थी. जब फरवरी में दंगे हुए थे, तब निगम की बैठकों में ताहिर नहीं जाते थे, इससे साफ पता चलता है कि वह तब दंगे की साजिश रचने में लगे थे. नियम है कि अगर तीन बैठकों में लगातार कोई पार्षद बिना किसी उचित कारण के गायब रहता है तो सदस्यता रद्द करने की व्यवस्था है. अब भाजपा मेयर को पत्र लिखकर इस मामले में कार्रवाई करने की मांग करेगी ।

पूरी तरह खोखला है केजरीवाल सरकार का शिक्षा मॉडल: आदेश गुप्ता

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 07 अगस्त । दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने शुक्रवार को बयान जारी कर दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के सरकारी स्कूलों को लेकर किए गए दावों की पोल खोल कर रख दी। उन्होंने कहा कि सिसोदिया अखबारों को इंटरव्यू देकर कह रहे हैं कि सरकारी स्कूल इतने सक्षम हैं कि प्राइवेट स्कूल के बच्चों को लेने के लिए तैयार हैं, लेकिन हकीकत यह है कि लोगों का दिल्ली के सरकारी स्कूलों से भरोसा उठ रह रहा है।

इतना ही नहीं पिछले चार सालों में डेढ़ लाख बच्चे सरकारी स्कूलों से कम हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह सब केजरीवाल सरकार की गलत नीतियों का नतीजा है। केजरीवाल सरकार सिर्फ दो तीन स्कूलों की फोटो दिखाकर दिल्ली में शिक्षा क्रांति लाने का दावा करती रहती है, जबकि हकीकत से दिल्ली की जनता बखूबी वाकिफ है।

गुप्ता ने कहा दिल्ली के सरकारी स्कूलों की हालत किसी से छुपी नहीं है। हालत यह है कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों को छोड़कर लोग प्राइवेट स्कूलों का रुख कर रहे हैं। उन्होंने मनीष सिसोदिया के एक बयान का जिक्र करते हुए कहा कि वह कहते थे कि सरकारी स्कूलों में एडमिशन कराने के लिए लोग रिश्वत देने को तैयार हैं, लेकिन सरकारी आंकड़े की बताते हैं कि जहां पिछले 4 सालों में प्राइवेट स्कूलों में ढाई लाख बच्चे बढ़े

हैं वहीं सरकारी स्कूलों में डेढ़ लाख बच्चे कम हुए हैं। 2019 में आए इकॉनोमिक सर्वे के अनुसार दिल्ली में 2013 14 में 992 सरकारी स्कूल थे, जहां 16 लाख से अधिक बच्चें पढ़ते थे। 20172018 में 27 नए सरकारी स्कूल बनने के बावजूद बच्चों की संख्या 14 लाख पर आ गई। जबकि इस दौरान 558 प्राइवेट स्कूल बंद होने के बावजूद प्राइवेट स्कूलों में 2 लाख 68 हजार बच्चे बढ़ गए।

गुप्ता ने बताया कि 2019 इकॉनोमिक सर्वे की रिपोर्ट यह भी बताती है कि बीते 4 सालों में सरकारी स्कूलों की संख्या बढ़ने के बावजूद बच्चियों के नामांकन में जहां 33 हजार की कमी आई है वहीं प्राइवेट स्कूलों में की संख्या घटने के बाद भी बच्चियों के नामांकन में सवा लाख का इजाफा हुआ। गुप्ता ने यह भी बताया कि एक तरफ दिल्ली सरकार इस बार 12वीं के सीबीएसई रिजल्ट के बाद जहां ढेरों विज्ञापन देती है वहीं दसवीं के रिजल्ट आते ही सांप सूंघ जाता है और बिल में छिप जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि केजरीवाल सरकार ने 500 नए स्कूल बनाने का वादा दिया था, लेकिन एक आरटीआई में जवाब दिया गया कि 1 अप्रैल 2015 से 31 मार्च 2019 तक केजरीवाल सरकार ने सिर्फ 1 ही स्कूल स्वीकृत किया। गुप्ता ने कहा कि बीते 5 सालों में सिर्फ दोचार स्कूलों में ही स्विमिंग पूल, जिम बनवाकर सरकारी स्कूलों में सुविधाएं देने का दावा किया जा रहा है। मॉडल स्कूल प्रोजेक्ट के तहत भी सिर्फ 5 फीसदी स्कूलों में काम हुआ है। ऐसे में 95 फीसदी बच्चे आज भी जर्जर स्कूलों व पुरानी व्यवस्थाओं के तहत ही पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार सिर्फ झूठ बोलना जानती है।

पोंजी स्कीम से 130 लोगों को चूना लगाने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जिस पर 130 से अधिक लोगों के साथ पांच करोड़ रूपये की ठगी करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार आरोपी पोंजी योजनाओं के माध्यम से लोगों को उनके निवेश पर 200 प्रतिशत तक मासिक रिटर्न देने का वादा करता था। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने पश्चिम संत नगर निवासी 38 वर्षीय अरुण अग्निहोत्री को गिरफ्तार किया। वह अपने दोस्त संजीव उपाध्याय के साथ ग्रेट इंडिया एक्सपो नाम से कंपनी चलाता था। पुलिस फरार उपाध्याय की तलाश कर रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों ने मिलकर 130 से अधिक लोगों के साथ ठगी की है।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी—155370
सीआईएसएफ—22185555
दिल्ली पुलिस—1091
दिल्ली सरकार—181
कहीं भी—कभी भी—1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

बिजली क्षेत्र के इंजीनियर 18 अगस्त को विरोध प्रदर्शन करेंगे

नई दिल्ली। अखिल भारतीय बिजली इंजीनियर्स संघ (एआईपीईएफ) ने शुक्रवार को कहा कि बिजली इंजीनियर विद्युत संशोधन विधेयक, 2020 और बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के प्रस्तावित निजीकरण के विरोध में वह 18 अगस्त को विरोध दिवस मनाएगा। एआईपीईएफ के प्रवक्ता वीके गुप्ता ने कहा, ''बिजली क्षेत्र के इंजीनियर विद्युत (संशोधन) विधेयक, 2020 को वापस लेने और केंद्र शासित प्रदेशों, यूपी पूर्वांचल (वाराणसी) और ओडिशा (सीईएसयू) में बिजली वितरण कंपनियों के निजीकरण के विरोध में 18 अगस्त को देशव्यापी प्रदर्शन करेंगे।'' संघ ने एक बयान में कहा कि बिजली कर्मचारी और इंजीनियरों की राष्ट्रीय समन्वय समिति की ऑनलाइन बैठक में इस बारे में निर्णय लिया गया। यह बैठक अखिल भारतीय बिजली कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मोहन शर्मा की अगुवाई में चार अगस्त को हुई। बिजली मंत्रालय ने इस साल की शुरुआत में मसौदा बिजली संशोधन विधेयक, 2020 पर लोगों की प्रतिक्रिया मांगी थी। इसके अलावा सरकार ने केंद्र शासित प्रदेशों और कुछ राज्यों में डिस्कॉम के निजीकरण का फैसला भी किया। गुप्ता ने कहा कि बिजली मंत्रालय तीन जुलाई को आयोजित बिजली मंत्रियों के सम्मेलन में 11 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों को मनाने में विफल रहा।

भ्रष्टाचार के आरोपी आप नेता को पार्टी ने किया निलंबित

नई दिल्ली। राजधानी की बुराड़ी विधानसभा में भ्रष्टाचार में लिप्त आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता को उसके पदों से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही साथ उसकी पार्टी की सदस्यता भी रद्द कर दी गई है। नौकरी के नाम पर पैसे मांगने का ऑडियो सामने आने के बाद पार्टी के आला नेताओं द्वारा यह कार्रवाई की गई है। बता दें कि आम आदमी पार्टी के बुराड़ी विधानसभा के उपाध्यक्ष से संबंधित एक ऑडियो आया है जिसमें कुछ पैसों की डिमांड की जा रही है। उसको देखते हुए बुराड़ी विधानसभा से विधायक संजीव झा ने इस पर एक्शन लेते हुए उनको पार्टी से निलंबित कर दिया है। उनका कहना है कि आम आदमी पार्टी का जन्म भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए हुआ है यदि कोई भी व्यक्ति भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जाता है चाहे वह आम आदमी पार्टी का सदस्य ही क्यों ना हो उसका पार्टी से कोई भी संबंध नहीं होगा। इसलिए आम आदमी पार्टी के उपाध्यक्ष पद पर आसीन श्रवण यादव से संबंधित एक ऑडियो मिलने पर उसकी पार्टी की सदस्यता निरस्त कर दी गई है और उनको सभी पदों से निलंबित किया गया है। कुछ दिन पहले बुराड़ी हॉस्पिटल की शुरुआत गोविंद केयर सेंटर के तौर पर हुई है। 800 बेड का यह हॉस्पिटल फिलहाल साढ़े 400 बेड के कोविड19 सेंटर के तौर पर शुरू किया गया है जहां पर एक एजेंसी द्वारा लोगों की नौकरियां लगवाई जा रही हैं। अब इसी मामले में भ्रष्टाचार की बू भी आने लग गई है।

मध्याह्न भोजनः किसी को आंखों में धूल नहीं झोंकने देंगे

अदालत ने दिल्ली सरकार को लगाई फटकार, जताई नाराजगी

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 7 अगस्त। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गरीब बच्चों को दिये जाने वाले खाद्य सुरक्षा भत्तों के संबंध में 'भ्रामक' हलफनामा दाखिल करने पर आप सरकार से नाराजगी जताते हुए शुक्रवार को कहा कि वह खासतौर पर जबकि मध्याह्न भोजन की बात है तो किसी को अपनी आंखों में धूल नहीं झोंकने देगा'। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने कहा कि दिल्ली सरकार ने दावा किया था कि वह मध्याह्न भोजन योजना के तहत हर महीने प्रत्येक बच्चे को 540 रुपये का भुगतान करती है, लेकिन इस साल मार्च में उसके खुद के हलफनामे में कहा गया कि उसने अपने साथ पंजीकृत 8.21 लाख बच्चों को करीब सात करोड़ रुपये का भुगतान किया जो प्रति बच्चा 100 रुपये से भी कम है।

पीठ को बताया गया कि दिल्ली सरकार ने अप्रैल से जून के बीच कुल 8.25 लाख बच्चों में से करीब पांच लाख बच्चों को कुल करीब 27 करोड़ रुपये का भुगतान किया। करीब दो लाख मामलों पर प्रक्रिया चल रही है और 75,000 अन्य मामलों में बैंक विवरण बेमेल हैं। पीठ ने हलफनामे को देखने के बाद कहा कि अगर योजना के तहत केवल पांच लाख बच्चों को भुगतान किया गया है तो प्रत्येक बच्चे को 540 रुपये देने के लिए अप्रैल से जून तक हर महीने करीब 27 करोड़

रुपये का भुगतान किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, हलफनामा उलझाने वाला लगता है। यह जानबूझकर गुमराह करने वाला बनाया गया है।

यह हलफनामा हमारी आंखों में धूल झोंकने की कोशिश कर रहा है। जहां तक गरीब बच्चों के मध्याह्न भोजन की बात है तो हम निश्चित रूप से किसी को भी हमारी आंखों में धूल नहीं झोंकने देंगे।'' दिल्ली सरकार के वकील जवाहर राजा ने विसंगतियों को समझाने का प्रयास करते हुए कहा कि मार्च महीने के बाद कक्षा आठवीं के अधिकतर बच्चों ने स्कूल छोड़ दिये होंगे और अनेक मामलों में बैंकों का ब्योरा उपलब्ध आंकड़ों से नहीं मिला।

उन्होंने पीठ से विसंगतियों का कारण पता लगाने के लिए और समय मांगा। पीठ ने दिल्ली सरकार को विसंगतियों के बारे में समझाने के लिए समय तो दिया, लेकिन राजा की दलीलों को स्वीकार नहीं किया। पीठ ने कहा, आपको अपना खुद का हलफनामा पढ़ना चाहिए। आप बिना तैयारी के दलीलें रख रहे हैं। आप क्या दलील दे रहे हैं, सोच लीजिए।'' पीठ एनजीओ महिला एकता मंच की एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसने दिल्ली सरकार को कोविड19 के लॉकडाउन में स्कूलों के बंद रहने के दौरान पात्र बच्चों को पका हुआ मध्याह्न भोजन या खाद्य सुरक्षा भत्ता देने का निर्देश देने का अनुरोध किया।

इससे पहले केंद्र सरकार ने अदालत को बताया था कि उसने वित्त वर्ष 2020-21 के लिए मध्याह्न भोजन योजना के तहत केंद्रीय सहायता के तौर पर दिल्ली सरकार को 27 करोड़ रुपये से अधिक जारी किये थे।

फर्जी दस्तावेज पर जारी कर दिए 23 करोड़ के लोन पकड़ा गया जालसाज

नई दिल्ली। फर्जी दस्तावेजों पर करोड़ों रुपये के लोन जारी करने वाले एक जालसाज को आर्थिक अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। आरोपी अमृत मान ने अलगअलग प्रॉपर्टी पर लगभग 23 करोड़ रुपये के लोन जारी कर दिए थे।

लोन देने वाली कंपनी की शिकायत पर इस बाबत मामला दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी की गई है। इस मामले में कुछ अन्य आरोपी भी शामिल हैं, जिनकी तलाश में पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है। संयुक्त आयुक्त ओपी मिश्रा के अनुसार एक फाइनेंस कंपनी ने आर्थिक अपराध शाखा में शिकायत की थी। इसमें बताया गया कि अमृत मान, नीलांजन मजूमदार और नितेश कुमार ने मिलकर फर्जी दस्तावेजों पर उनकी कंपनी से 23 करोड़ रुपये के लोन जारी किए हैं। सात संपत्तियों को गिरवी रखकर यह लोन दिया गया है।

उच्च न्यायालय ने ओपन बुक परीक्षा कराने के डीयू के फैसले को बरकरार रखा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कुछ दिशा निर्देशों के साथ 10 अगस्त से अंतिम वर्ष के स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन ओपन बुक परीक्षा कराने की दिल्ली विश्वविद्यालय को शुक्रवार को मंजूरी दे दी।न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने कहा कि छात्रों को ईमेल और विश्वविद्यालय के पोर्टल के जरिए प्रश्नपत्र उपलब्ध कराए जाएं और उन्हें उत्तर पुस्तिका अपलोड करने के लिए अतिरिक्त समय दिया जाए।उच्च न्यायालय ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए दिए फैसले में कहा कि विश्वविद्यालय को छात्रों को ऑटो जेनरेटेड ईमेल भेजने का निर्देश दिया जाता है जिसमें यह जानकारी हो कि उनकी उत्तर पुस्तिका मिल गई है। ''मैं छात्रों और दिल्ली विश्वविद्यालय को परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं देती हूं।''अदालत ने उस याचिका पर यह फैसला दिया जिसमें विश्वविद्यालय के यूजीसी के दिशा निर्देशों के अनुसार, अंतिम वर्ष के स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन ओपन बुक परीक्षा कराने के फैसले को चुनौती दी गई थी।

हरसिमरत कौर बादल द्वारा मामला को उठाने पर हुई कार्रवाईः सिरसा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 7 अगस्तः दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष स. मनजिंदर सिंह सिरसा ने मध्यप्रदेश में ज्ञानी प्रेम सिंह ग्रंथी व अन्य सिखों पर बेरहमी से अपमानजनक हमला करने के दोषी दो पुलिस वालों को निलंबित करने पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान व कन्द्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल का धन्यवाद किया है।

यहां जारी किए एक बयान में सिरसा ने कहा कि यह मामला केन्द्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया था और बताया था कि कैसे इन दो पुलिस मुलाज़िमों ए.एस.आई सीताराम भटनागर व हैडकांस्टेबल मोहन जामरे द्वारा ज्ञानी प्रेम सिंह ग्रंथी एवं अन्य सिखों पर बेरहमी से हमला किया गया जो अमानवीय व्यवहार है और किसी तरह से स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने बताया कि देश के लिए कुरबानी देने वाले सिखों के साथ ऐसा नफरत भरा व्यवहार करने वाले लोगों के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि अन्यों के लिए सबक बन सके क्योंकि ऐसे गुनाह के लिए कोई माफी नहीं है।

स. सिरसा ने बताया कि हरसिमरत कौर बादल द्वारा मामले को उठाने के बाद दोनों पुलिस मुलाज़िम निलंबित कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि जब भी सिख भाईचारे की बात आती है तो हरसिमरत कौर बादल हर मुद्दा उठाती हैं। उनके द्वारा मुद्दे को उठाए जाने के कारण ही मध्यप्रदेश सरकार कार्रवाई के लिए मजबूर हुई व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने स्वंय इस कार्रवाई की जानकारी हरसिमरत बादल को दी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी इस कार्रवाई के लिए चैहान और बादल का धन्यवाद करती है।

उन्होंने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को यह भी अपील करते हुए कहा कि केवल निलंबन ही काफी नहीं है बल्कि इन दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर इन्हें सलाखों के पीछे पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिख कौम दुनिया की सब से बहादुर व दिलेर कौम है और दुनिया भर में कहीं भी किसी को भी सिखों के साथ दुर्व्यवहार करने की इजाज़त नहीं दी जा सकती।

मध्यप्रदेश में सिखों के खिलाफ पुलिस बर्बरता पर जागो ने लिखा पत्र

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली(7 अगस्त 2020) मध्यप्रदेश में सिखों पर पुलिसिया बर्बरता की सामने आ रही घटनाओं पर जागो पार्टी ने राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा है। पार्टी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके ने मध्यप्रदेश में सिखों के खिलाफ पुलिसिया सोच को बदलने के लिए न्याय की अपेक्षा करते हुए चौहान को अनुरोध किया है कि मध्यप्रदेश को पुलिस राज्य बनाने से रोकने के लिए दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करें तथा सभी को नौकरी से बर्खास्त करें। साथ ही सिख समाज के लोगों में कानून के राज की स्थापना का संदेश पहुँचाए।

जीके ने चौहान को पत्र में बताया है कि मुझे दिल्ली में रहते सिकलीगर समुदाय से संबंधित सिखों ने जानकारी दी है कि मध्यप्रदेश पुलिस लगातार प्रदेश में रहते सिकलीगर समुदाय से संबंधित सिखों को तंग कर रही है। ऐसी शिकायतें मध्यप्रदेश पुलिस के खिलाफ पिछले लंबे समय से आ रही है। हाल ही में हुई 2 घटनाओं से पता चलता है कि

मध्यप्रदेश पुलिस को मानवाधिकार तथा मानवीय मूल्यों की समझ देना बहुत जरूरी है। सिख सिकलीगर वेलफेयर सोसायटी की तरफ से मेरे पास आई शिकायत में बताया गया है कि जिला बरवानी की तहसील राजपुर के गांव पलसूद के सरदार प्रेम सिंह ज्ञानी को 6 अगस्त 2020 को थाना नागलवाड़ी से आए पुलिसकर्मी भटनागर, कनिका तथा कनिशका ने सरेराह पीटा तथा पगड़ी उतार कर केशों से घसीटने का अपराध भी किया है। जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

इसी प्रकार थाना परवाड़ी के पुलिसकर्मी बंटी पाटिल तथा बंसी लाल रावत ने 6 अगस्त को निशान सिंह, बबलू सिंह तथा सिकंदर सिंह को थाने में ले जाकर बड़ी बेरहमी से पिटाई की है।

चीन के साथ कांग्रेस के समझौते पर सोनिया दें जवाबः जेपी नड्डा

नई दिल्ली, 07 अगस्त (वेबवार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस और चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी के बीच हुए समझौते का मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचने पर मुख्य न्यायाधीश ने इस मामले पर हैरानी जताई है। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी जवाब दें। नड्डा ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, चीन सरकार के साथ कांग्रेस पार्टी द्वारा साइन किए गए एमओयू पर सुप्रीम कोर्ट भी हैरान है। गांधी और उनके बेटे, जिन्होंने एमओयू समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर का नेतृत्व किया, उन्हें अब यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या राजीव गांधी फाउंडेशन को दान के बदले में चीन के लिए भारतीय बाजार खोला गया, जिससे भारतीय व्यवसाय प्रभावित हुए। दरअसल, हालिया चीन विवाद के दौरान जब कांग्रेस केंद्र सरकार पर मुखर हुई थी तो भाजपा ने साल 2008 में उसके और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ हुए एमओयू साइन पर सवाल उठाए थे। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचने पर शुक्रवार को प्रधान न्यायाधीश एस.ए. बोबडे ने सवाल उठाते हुए कहा कि कोई राजनीतिक दल किसी सरकार के साथ किस तरह समझौता कर सकता है, हालांकि बाद में वकील ने स्पष्ट किया कि ये एमओयू दो राजनीतिक दलों के बीच था। इस पर सीजेआई बोबडे ने याचिका में इस बात का जिक्र न होने की बात कही। वहीं सीजेआई ने इस मामले को हाईकोर्ट ले जाने को कहा। याचिकाकर्ता ने कांग्रेस और चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ हुए समझौते को देश की राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ते हुए इसकी केंद्रीय एजेंसियों से जांच कराने की मांग की थी।

भाजपा और कांग्रेस के बीच है रुमानी रिश्ताः राघव चड्ढा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 07 अगस्त। बीते दिन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दरिंदों का शिकार बनी बच्ची से मिलने एम्स पहुंचे थे। जहां दिल्ली कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उनका घेराव किया था। अब इस पूरे घटनाक्रम पर आम आदमी पार्टी ने कड़ा ऐतराज जताया है।

आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता और विधायक राघव चड्ढा ने कहा कि कांग्रेस का पतन उसकी इसी तरह की हरकतों के कारण हो रहा है। आम आदमी पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता राघव चड्ढा ने कहा कि कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच रूमानी रिश्ता है। यह एक ऐसा रिश्ता है जो पर्दे के पीछे छिपा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नन्हीं बच्ची से मिलने एम्स पहुंचे जहां कांग्रेसी कार्यकर्ताओं

ने उनका विरोध किया। हैरानी की बात यह है कि दिल्ली पुलिस गृह मंत्रालय के अधीन है। उसमें दिल्ली सरकार का कोई दखल नहीं है। तो ऐसे में यह समझ नहीं आता कि कांग्रेस मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का विरोध क्यों कर रही है। अगर उन्हें विरोध करना ही था तो भाजपा का करना चाहिए क्योंकि केंद्र की सत्ता में भाजपा बैठी है। राघव चड्ढा ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस नकारात्मक राजनीति कर रही है। अगर उन्हें विरोध करना है तो सकारात्मक रूप से करें। कई ऐसे मौके आए जब उन्हें भाजपा के खिलाफ विरोध करना चाहिए लेकिन उन्होंने विरोध नहीं किया। दिल्ली सरकार द्वारा गठित वकीलों के पैनल का फैसला उपराज्यपाल और केंद्र सरकार ने पलट दिया लेकिन दिल्ली कांग्रेस ने इसका कोई विरोध नहीं किया। नगर निगम ने प्रोफेशनल टैक्स लागू किया लेकिन सदन में कांग्रेस दल के पार्षदों ने कोई विरोध नहीं किया जिस कारण यह बिल पास हो गया।

ट्विटर पर होगा सरकारी अकाउंट्स को लेबल करने का काम शुरू

नई दिल्ली, 07 अगस्त (वेबवार्ता)। ट्विटर ने ऐलान किया है कि वह राज्य द्वारा नियंत्रित मीडिया संगठनों के ट्वीट्स को एम्पलीफाई नहीं करेगा और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य देशों: चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका के सरकारी मीडिया संगठनों व प्रमुख सरकारी अधिकारियों के अकाउंट्स को लेबल करेगा। ट्विटर ने कहा कि उनकी लेबलिंग की नई नीति में इन पांच देशों से प्रमुख सरकारी अधिकारियों के अकाउंट्स शामिल होंगे जैसे कि विदेशी मंत्री, संस्थागत संस्थाएं, राजदूत, आधिकारिक प्रवक्ता और प्रमुख राजनयिक नेता इत्यादि। कंपनी ने गुरुवार को एक बयान में कहा, 'इस वक्त हमारा ध्यान उन वरिष्ठ अधिकारियों और संस्थाओं पर है जो विदेशी राज्यों की आधिकारिक आवाज हैं।' इस कदम से जो अकाउंट्स प्रभावित होंगे, वे नोटिफिकेशंस या सर्च रिजल्ट में कम दिखाई देंगे। ट्विटर राज्य से संबद्ध मीडिया संस्थाओं, उनके संपादकों और उनके वरिष्ठ कर्मचारियों के खातों को भी लेबल करेगा। इस कदम के तहत रूस के आरटी और चीन की सिन्हुआ समाचार एजेंसी जैसे राज्य नियंत्रित मीडिया संगठनों को भी लेबल किया जाएगा।

ट्विटर ने साल 2019 में सभी राज्य समर्थित मीडिया विज्ञापनों और राजनीतिक विज्ञापनों को ट्विटर से प्रतिबंधित कर दिया था। कंपनी ने कहा, 'पारदर्शिता और व्यावहारिकता के लिए हम भविष्य में कई अन्य देशों में विस्तार करने से पहले स्पष्ट रूप से परिभाषित एक सीमित समूह के साथ इसकी शुरुआत कर रहे हैं।' कंपनी ने कहा कि फिलहाल उनकी तरफ से राज्य प्रमुखों के पर्सनल अकाउंट्स को लेबल नहीं किया जा रहा है क्योंकि इनसे लोग पहले से ही वाकिफ हैं।

पिलाटस विमान धनशोधन मामले में कई शहरों में ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली, 07 अगस्त (वेबवार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2009 में भारतीय वायु सेना के लिए 75 पिलाटस प्रशिक्षण विमानों की खरीद में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े धनशोधन मामले में शुक्रवार को विभिन्न शहरों में कई परिसरों पर छापे मारे। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी दिल्ली में कई और गुरुग्राम एवं सूरत में एकएक स्थान समेत कम से कम 14 परिसरों पर छापे मार रही है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने सौदे की जांच के लिए धनशोधन का मामला दर्ज किया है और वह यह कार्रवाई धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत साक्ष्य एकत्र करने के लिए कर रही है। यह मामला फरार चल रहे हथियार 'कंसल्टेंट' संजय भंडारी से जुड़ा हुआ है जो देश विदेश में कथित तौर पर अघोषित संपत्ति रखने और भ्रष्टाचार के मामले में पहले से ही सीबीआई और ईडी की अलगअलग जांच का सामना कर रहा है। समझा जाता है कि भंडारी फिलहाल ब्रिटेन में है और ईडी उसके खिलाफ प्रत्यर्पण की कार्रवाई शुरू करने वाला है। सीबीआई ने पिछले साल जून में 2,895 करोड़ के पिलाटस सौदे में आपराधिक मामला दायर किया था। ईडी ने इस शिकायत का संज्ञान लिया और वह धनशोधन तथा आरोपियों पर कथित तौर पर अवैध संपत्ति बनाए जाने की दृष्टि से जांच कर रही है। सीबीआई ने स्विट्जरलैंड की कंपनी पिलाटस एयरक्राफ्ट लिमिटेड, रक्षा मंत्रालय व भारतीय वायु सेना के अज्ञात अधिकारियों और भंडारी के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

2009 में हुए इस करार के लिए स्विस कंपनी बोली लगाने वाली कंपनियों में से एक थी।सीबीआई ने आरोप लगाया कि पिलाटस ने ऑफसेट इंडिया सॉल्यूशन प्रा. लिमिटेड के निदेशकों भंडारी और बिमल सरीन के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र रचा और जून 2010 में भंडारी के साथ सेवा प्रदाता समझौते पर फर्जी तरीके से हस्ताक्षर किए जो रक्षा खरीद प्रक्रिया, 2008 का उल्लंघन था। यह भारतीय वायु सेना को 75 ट्रेनर विमान की आपूर्ति के लिए करार हासिल करने की खातिर कथित तौर पर किया गया। एजेंसी ने आरोप लगाया कि कंपनी ने अगस्त और अक्टूबर, 2010 में दो बार में ऑफसेट इंडिया सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक खाते में 10,00,000 सीएचएफ (स्विस मुद्रा) का भुगतान किया।

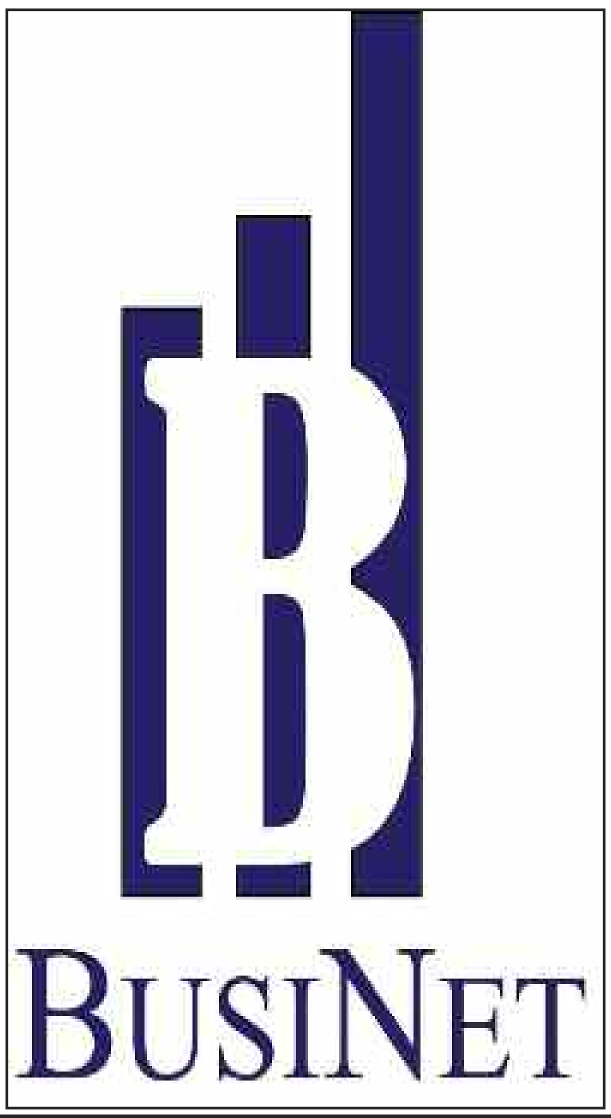

संपादकीय

मनोज सिन्हा का इस बार किस्मत ने दिया साथ जम्मू-कश्मीर को मिले सौम्य स्वभाव वाले LG

2017 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिले शानदार बहुमत के बाद उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनतेबनते रह जाने वाले और 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत नहीं हासिल कर पाने के कारण केन्द्रीय मंत्री पद गंवाने वाले पूर्व केन्द्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता मनोज सिन्हा के साथ अब किस्मत ने किसी तरह का कोई मजाक नहीं किया, जिसके चलते मनोज सिन्हा जम्मूकश्मीर के नए उपराज्यपाल बन गये हैं। उन्हें गिरीश चंद्र मुर्मू की जगह जम्मूकश्मीर का नया उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। गिरीश ने उपराज्यपाल पद से अचानक इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद मनोज सिन्हा को जम्मूकश्मीर का नया उपराज्यपाल बनाया गया है। जम्मूकश्मीर के पुनर्गठन होने के बाद बीते साल 31 अक्टूबर को मुर्मू ने पहले उपराज्यपाल के रूप में यह पद संभाला था। मनोज सिन्हा जम्मूकश्मीर पुनर्गठन के बाद के दूसरे उपराज्यपाल होंगे। मनोज सिन्हा को जम्मूकश्मीर का उपराज्यपाल बनाए जाने से कुछ लोगों का आश्चर्यचकित हो जाना स्वाभाविक है, क्योंकि उपराज्यपाल की रेस में जिन लोगों का नाम चल रहा था, उसमें मनोज सिन्हा शामिल नहीं थे।

जम्मूकश्मीर के उपराज्यपाल बनाए गए बीजेपी नेता मनोज सिन्हा की पहचान की बात की जाए तो वह उत्तर प्रदेश के जिला गाजीपुर से आते हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में मनोज सिन्हा गाजीपुर संसदीय सीट से सांसद चुने गए थे। सिन्हा, मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में रेल राज्यमंत्री और फिर स्वतंत्र प्रभार वाले संचार मंत्री रह चुके हैं। पिछले साल 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में भी उन्होंने गाजीपुर संसदीय सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन वह जीत नहीं सके थे। महागठबंधन के तहत बहुजन समाज पार्टी उम्मीदवार अफजाल अंसारी से उन्हें 119,392 वोटों से हरा दिया था, लेकिन हार के बाद भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मनोज सिन्हा के प्रति विश्वास कम नहीं हुआ था। बात 2017 के विधानसभा चुनाव के बाद मनोज सिन्हा के उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनतेबनते रह जाने की कि जाए तो उस समय जो हालात थे, उसको देखते हुए भाजपा आलाकमान ने मनोज की जगह योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बनाना ज्यादा बेहतर समझा था। दरअसल, मनोज सिन्हा का सौम्य स्वभाव का होना ही उनके सीएम बनने की राह में सबसे बड़ी बाधा बन गया। बीजेपी आलाकमान को लगता था कि अगर कड़क छवि वाले किसी नेता को सीएम नहीं बनाया गया तो प्रदेश की कानून व्यवस्था संभालना आसान नहीं होगा। इसीलिए अंत समय में योगी का नाम तय कर दिया गया, जबकि मनोज सिन्हा शपथ ग्रहण करने से पूर्व मंदिर में माथा टेक आए थे और उनको मुख्यमंत्री को मिलने वाली सुरक्षा भी मुहैया करा दी गई थी। कहा यह भी गया था कि मनोज सिन्हा को इसलिए भी मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया क्योंकि वह जाति से भूमिहार हैं और उत्तर प्रदेश में भूमिहार कोई वोट बैंक नहीं है, जबकि बीजेपी योगी को सीएम बनाकर क्षत्रियों और साधुसंतों दोनों को लुभाना चाहती थी। मनोज सिन्हा के उपराज्यपाल पद पर नियुक्ति के बाद आया जम्मूकश्मीर के पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला का ट्वीट काफी सटीक रहा।

उन्होंने कहा, 'कल रात एक या दो नाम थे, जिनके नाम सामने आए थे और इनका नाम उनके बीच नहीं था। आप इस सरकार पर हमेशा भरोसा कर सकते हैं कि ये स्त्रोतों से पहले लगाए गए किसी भी कयास के विपरीत अप्रत्याशित नाम सामने आता है। जम्मूकश्मीर से अनुच्छेद370 के हटाए जाने की पहली वर्षगांठ पर बुधवार देर शाम, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल गिरीश चंद्र मुर्मू ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। मुर्मू के इस्तीफे की खबर से प्रशासन खेमे से लेकर सियासी पार्टियों में हड़कंप मंच गया था। मुर्मू ने देर रात राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को इस्तीफा भी सौंप दिया था।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : मनोज श्रीवास्तव
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : सत्य प्रकाश
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

इलाहाबाद कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइनस।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

जन आंदोलन से हिल उठी थी अंग्रेज सरकार

अंग्रेजों भारत छोड़ो के नारे के साथ 9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी के आह्वान पर शुरू हुए आंदोलन ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिलाने का काम किया था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में निर्णायक भूमिका निभाने वाले इस आंदोलन में पूरे देश के लोगों की व्यापक भागीदारी रही थी। इस आंदोलन ने देखते ही देखते ऐसा रूप ले लिया था कि अंग्रेजी सत्ता को दमन के सभी उपाय नाकाफी साबित होने लगे थे। क्रिप्स मिशन की विफलता के बाद गांधीजी ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ अपना तीसरा बड़ा आंदोलन छेडने का फैसला लिया था। अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के शुरू होने के कुछ समय बाद ही गांधीजी को गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकर्ताओं ने हड़तालों और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन को जिंदा रखा। 1942 का अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन 1920, 1921, 1930, 194041 के आंदोलनों से काफी भिन्न था। इसी कारण सुभाष बाबू ने कहा था कि 1942 में पेसिव रजिस्टेन्स के युग का अंत होकर एक्टिव रजिस्टेन्स का सूत्रपात हुआ। राजनारायण मिश्र, महेंद्र चैधरी, लेना प्रसाद, मांतिगिनी, हाजरा, चाफेकर बंधुओं, खुदीराम बोस, कन्हाईलाल, करतार सिंह, रामप्रसाद बिस्मित, अशफकाउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों के अविस्मरणीय योगदान ने आजादी की राह काफी सरल बना दी थी। गांधीजी का 'करो या मरो' अत्यन्त ही शक्तिशाली मंत्र था। बापू के इस मंत्र का भी देशव्यापी असर पड़ा और यह नारा बाद में आजादी पाने का ध्येय मंत्र बन गया। 9 अगस्त 1942 को दिन निकलने से पहले ही कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सभी सदस्य गिरफ्तार हो चुके थे और कांग्रेस को गैरकानूनी संस्था घोषित कर दिया गया। गांधी जी के साथ भारत कोकिला सरोजिनी नायडू को यरवदा पुणे के आगा खान पैलेस में, डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पटना जेल व अन्य सभी सदस्यों को अहमदनगर के किले में नजरबंद किया गया था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस जनान्दोलन में 942 लोग मारे गये, 1630 घायल हुए, 18000 डीआईआर में नजरबंद हुए तथा 60229 गिरफ्तार हुए। जयप्रकाश नारायण, अरूणा आसफ अली व मदनलाल बागड़ी का इस क्रांति में अविस्मरणीय योगदान रहा था। 9 अगस्त 1942 के दिन इस आंदोलन को लालबहादुर शास्त्री ने एक बड़ा रूप दे दिया था। लालबहादुर शास्त्री ने 1942 में मरो नहीं मारो का नारा दिया। जिसने क्रान्ति की ज्वाला को पूरे देश में प्रचण्ड किया। 19 अगस्त 1942 को शास्त्री जी

गिरफ्तार हो गए। इस आंदोलन की व्यूह रचना बेहद तरीके से बुनी गई थी। चूंकि अंग्रेजी हुकूमत दूसरे विश्व युद्ध में पहले ही पस्त हो चुकी थी और जनता भी आंदोलन की ओर झुक रही थी। लिहाजा 8 अगस्त 1942 की शाम को बम्बई में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के बम्बई सत्र में अंग्रेजों भारत छोड़ो का नाम दिया गया था। हालांकि गांधी जी को फौरन गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकर्ता हड़ताल और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन चलाते रहे। 6 अगस्त 1925 को ब्रिटिश सरकार का तख्ता पलटने के उद्देश्य से बिस्मिल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान प्रजातंत्र संघ के दस जुझारू कार्यकर्ताओं ने काकोरी कांड किया था। जिसकी यादगार ताजा रखने के लिए पूरे देश में हर साल 9 अगस्त को काकोरी काण्ड स्मृति दिवस मनाया जाता था। इस दिन बहुत बड़ी संख्या में नौजवान एकत्र होते थे। गांधी जी ने एक सोचीसमझी रणनीति के तहत 9 अगस्त 1942 का दिन चुना था। दूसरे विश्व युद्ध में इंग्लैंड को बुरी तरह उलझता देख जैसे ही नेताजी सभाषचंद्र बोस ने आजाद हिन्द फौज को दिल्ली चलो का नारा दिया। गांधी जी ने मौके की नजाकत को भांप लिया और 8 अगस्त 1942 की रात में ही बम्बई से अग्रेजों को भारत छोड़ो व भारतीयों को करो या मरो का आदेश जारी किया। अगस्त क्रांति आन्दोलन में महिलाओं के योगदान को कम तर नहीं आका जा सकता। अरूणा आसफ अली, सुचेता कृपलानी ने आंदोलन में खूब साथ दिया। अच्युत पटवर्धन, रासबिहारी, मोहन सिंह सरीखे क्रांतिकारियों ने अमूल्य योगदान दिया। सारा देश मानो हिल गया। 8 अगस्त 1942 को जिस क्रांति का सूत्रपात हुआ उसने यह जाहिर कर दिया कि अब अंग्रेजी हुकूमत टिक नहीं सकती। दरअसल सन् 1942 की क्रांति पिछ्ले सत्तावन वर्ष से राष्टीय कांग्रेस जो आंदोलन चला रही थी उसका उफान था। इस उफान ने अंग्रेजों की आंखें खोल दी। इस उफान की पृष्ठभूमि में लोकमान्य तिलक और उनके बाद महात्मा गांधी ने व्यापक जनजागृति उत्पन्न की थी। भारत छोड़ो आंदोलन को 76 साल पूरे हो रहे हैं। ऐसे में भारत के हर नागरिक को देश के इस बड़े आंदोलन के बारे में अवश्य जानना चाहिये। देखा जाए तो यह सही मायने में एक जन आंदोलन था। जिसमें अमीर, गरीब, ग्रामीण, शहरी का भेद भुलाकर लाखों की संख्या में आम हिंदुस्तानी शामिल हुये थे। इस आंदोलन की सबसे बड़ी खासियत थी कि इसने युवाओं को बड़ी संख्या में अपनी ओर आकर्षित किया था। नवयुवक कॉलेज छोड़कर जेल जा रहे थे। इस आंदोलन का प्रभाव इतना ज्यादा था कि अंग्रेज हुकूमत पूरी तरह हिल गई थी। अंग्रेजों को इस आंदोलन को दबाने के लिए ही साल भर से ज्यादा का समय लगा था। जून 1944 में जब विश्व युद्ध समाप्ति की ओर था तो महात्मा गांधी को रिहा कर दिया गया। इस तरह आंदोलन ने ब्रिटिश हुकूमत पर व्यापक प्रभाव डाला और इसके कुछ साल बाद ही भारत आजाद हुआ। हमारे देश को अंग्रेजो की गुलामी से तो आजाद हुये काफी साल हो गये। मगर देश आज भी भ्रष्टाचार, भेदभाव, जातिवाद की गुलामी में जकड़ा हुआ है। देश में भ्रष्टाचार, जातिवाद का जहर लोगो की रगरग में बस चुका है। भ्रष्टाचार के चलते देश के लोगों में अलगाववाद, आंतकवाद, साम्प्रदायिकता, विघटनकारी भावना घर कर गयी है। जो देश की तरक्की की राह में एक बड़ी रूकावट बन चुकी है। जब तक देश में भ्रष्टाचार पर रोक नहीं लग पायेगी तब तक देश विकाश पथ पर समुचित गति से आगे नहीं बढ़ पायेगा। भारत छोड़ो आंदोलन की ही तरह एक बार देश की जनता को नये सिरे से एकजुट होकर भ्रष्टाचार मिटाओ देश बचावो आन्दोलन चलाना होगा तभी देश सही मायने में आजाद हो पायेगा।

रमेश सर्राफ झुंझुनू
राजस्थान ।
www.womenexpress.in

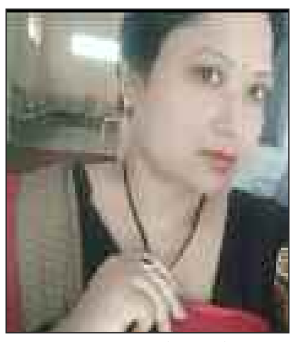

इंटरनेट के नशे का शिकार होती देश की तरुणाई?

वर्तमान समय में सबसे ज्यादा उपयोग होने वाली यदि कोई वस्तु है तो वह इंटरनेट है, जिस पर बच्चे औरतें और युवा वर्ग अधिक से अधिक समय व्यतीत करते हैं। यद्यपि इंटरनेट पहली बार चलन में 1969 में आया था। तथा 1990 शताब्दी में इसे लोगों को उपलब्ध कराया गया था। इंटरनेट अर्थात इंटरनेशनल नेटवर्क, जो एक दूसरे से जुड़े कंप्यूटर नेटवर्क की एक वैश्विक संरचना है।

स्मार्टफोन शहरों से लेकर गांव तक आसानी से उपलब्ध होने के कारण इंटरनेट यूजर्स की संख्या में इजाफा हुआ है। अब सिस्को ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि साल 2023 तक भारत में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 907 मिलियन यानी करीब 90.7 करोड़ हो जाएगी जो कि देश की आबादी का 64 फीसदी है। वहीं करीब 50 करोड़ के ऊपर फिलहाल इंटरनेट इस्तेमाल कर रहे हैं। पिछले समय में व्यक्ति इसका उपयोग केवल मेल भेजने और कुछ सरकारी कार्यों में ही करता था। किंतु वर्तमान में इंटरनेट के प्रयोग का स्वरूप पूरी तरह से बदल चुका है। कहते हैं कि, हर सिक्के के दो पहलू होते हैं अर्थात किसी भी चीज के दो स्वरूप होते हैं एक अच्छा और एक बुरा। यह मनुष्य के ऊपर निर्भर करता है कि वह किस पहलू या स्वरूप को अपनाता है। ऐसा ही कुछ इंटरनेट के विषय में है इसका सदुपयोग और दुरुपयोग दोनों ही हम पर निर्भर करता है। कि हम इस तकनीक का प्रयोग कैसे करते हैं। इंटरनेट ने मानव की जीवन शैली के स्तर को बहुत ही ऊपर उठा दिया है। कुछ घंटों और कुछ दिनों का काम कुछ सेकेंड में ही पूरा हो जाता है कई कार्यो को बहुत ही सरल और आसान बना दिया है। अगर हम इंटरनेट के सदुपयोग की बात करें तो इसकी सूची बहुत ही लंबी है,जैसे ऑनलाइन बिल, सूचना भेजना और प्राप्त करना ऑनलाइन ऑफिस,ऑनलाइन शॉपिंग, व्यापार को बढ़ावा, ऑनलाइन नौकरी की जानकारी और आवेदन, मनोरंजन, फ्रीलासिंग (अर्थात इंटरनेट पर अपने कौशल का इस्तेमाल करके कुछ पैसा कमाना), जो कि आजकल बहुत चलन में में आजकल बहुत चलन में में है।

अगर इसके सबसे बड़े सदुपयोग की बात करें तो शिक्षा के क्षेत्र में इसका बहुत ही सदुपयोग हुआ है। बच्चों के लिए शिक्षा उतनी मुश्किल नहीं रही जितनी पहले थी।क्योंकि इंटरनेट में कुछ फीचर्स ऐसे हैं जिनसे छात्र पढ़ने सुनने के साथसाथ उन चीजों को देख भी सकता है, उनके बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है, किसी भी समस्या का समाधान आसानी से ढूंढ सकता है जो कि पहले संभव नहीं था।

वर्तमान में कोरोना काल के दौरान भी शिक्षा के क्षेत्र में इसका

सदुपयोग देखने में आया है ।बहुत से शिक्षक, विद्वान कई तरह के ज्ञानार्जक इंटरनेट का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इसके ज्यादा उपयोग से हम इसके एडिक्ट हो जाते हैं अर्थात हमें इसकी ऐसी लत लग जाती है, जिसके बिना हम नहीं रह सकते और यह कोई नशे की लत से कम नहीं क्योंकि जिस प्रकार नशे का हमारे शरीर पर दुष्प्रभाव पड़ता है।उसी प्रकार इंटरनेट के ज्यादा प्रयोग का भी हमारे शरीर पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। जैसे, विशेषज्ञों के अनुसार इंटरनेट की लत के शिकार लोग मानसिक रूप से इतने विचलित हो जाते हैं कि उन्हें अपने दैनिक कार्यों को करने में भी समस्या आती है। इस कारण इसका कारण यह है कि बच्चे बड़े शारीरिक और मानसिक रूप से उतना विकसित नहीं हो पाते जितना होना चाहिए।इसलिए स्कूल और कॉलेजों में प्रत्येक गतिविधि का एक निश्चित समय और स्थान होता है। इंटरनेट के ज्यादा उपयोग से इनसोम्निया अर्थात अनिद्रा नामक बीमारी फैलती है। इसकी वजह से बच्चे बड़े उतनी नींद नहीं ले पाते जितनी एक स्वस्थ शरीर के लिए आवश्यक है। और एक समय पर यह बीमारी इतनी बढ़ जाती है कि हम सोना भी चाहे तो नींद नहीं आती। इंटरनेट के अत्यधिक इस्तेमाल से व्यक्ति आसपास घटित हो रही घटनाओं के प्रति सचेत रहता है वह अपनी ही दुनिया में व्यस्त होता है।.जिसका सीधा असर उसके शारीरिक, मानसिक और व्यवहारिक जीवन पर पड़ता है जिसके चलते व्यक्ति डिप्रेशन का शिकार भी हो जाता है।

हाल ही में शोधकर्ताओं के अनुसार इंटरनेट पर अत्यधिक इंटरनेट के अत्यधिक प्रयोग पर किए गए अध्ययन से यह बात सामने आई है, कि इंटरनेट का ज्यादा प्रयोग करने वाले लोगों में डिप्रेशन (अवसाद) की चपेट में आने का खतरा ज्यादा होता है और यह खतरा ज्यादातर विद्यार्थियों और किशोरों में होने की स्थिति पाई गई है। अत्यधिक डिप्रेशन आत्महत्या जैसे अपराधों को भी जन्म देती है। जहां एक ओर इंटरनेट ने हमें इतनी ऊंचाइयों पर पहुंचाया है,कि हमारी छोटी से छोटी जरूरतों को भी चंद सेकेंड में पूरा किया है, वहीं दूसरी ओर इंटरनेट ने धीरेधीरे समाज को अंदर ही अंदर से खोखला भी किया है। हम सब को यह समझने की जरूरत है, कि हमें इसका सदुपयोग खुद की, समाज की और देश की भलाई में करना है। विश्व में देश के स्तर को और ऊंचा उठाना है। न कि इसके दुरुपयोग से पतन की स्थिति को पैदा करना है। यह विषय सबके लिए आवश्यक और सोचनीय है। सच कहा जाए तो आज देश का युवा इंटरनेट के नशे का शिकार हो गया है।

लक्ष्मी सैनी
अम्बाह, मुरैना, मध्यप्रदेश।
www.womenexpress.in

ऐसी है दोस्ती

चाय की चुस्की,सुबह कि
मस्ती है दोस्ती
शकर की मिठास,पानीपुरी की
खटास है दोस्ती
सर्दी में धूप,गर्मी की ठंडक
का एहसास है दोस्ती
सूरज की चमक,चूड़ियों की
खनक है दोस्ती
गुलाब की खुशबू,माटी की
महक है दोस्ती
दुःख में साथ दे,सुख में मौज
मनाएँ दोस्ती
समंदर में नाव,आसमान में
जहाज है दोस्ती
चांद की चाँदनी,सितारों की
बारात है दोस्ती
सपनों की उड़ान,मंजिल की
कुंजी है दोस्ती
प्रेम की मूरत,सच्चाई की
सूरत है दोस्ती
नई पहल,नईनई सौगात है दोस्ती
उम्मीद की किरण,सफलता
की कुंजी है दोस्ती
सूरज की लालिमा,शिव का
चंद्रमा है दोस्ती

प्रीतम गिरधारी राठौड़
बड़वानी, मध्यप्रदेश।

कोरोना

प्यारे कोरोना !
क्यों आए हो यहाँ जरा ये तो कहोना !

क्या तुम्हें आती नहीं दया हम
मानवों पर?
आए करने जो नाश सृष्टि पर ।

क्या देखी नहीं तुमने मजदुरों
की दशा ?
करके रोज काम मिटती उनकी भूख,
तुम्हारे कारण गरीबों के हाड़
मांस गए सूख ।

छाले परे पैरों में बचने को
तुमसे लेकर आस ,
बस इसी डर से पाने छुटकारा, दौड़
चले गरीब अपने घर के पास ।

है कोरोना !
क्यों आए हो तुम यहां ,
छाया मौत का वातावरण है इस जहां ।

सारे स्कूलों में लटक रहा अब ताला
सारे जहां में केवल तुम्हारा ही
बोलबाला ।

युवा इस चिंता में बिता रहे हैं जीवन,
नहीं मिलेगी नॉकरी,क्या
गुजरना होगा जीवन यूँही वनवन ।

है कोरोना !
क्या बिगाड़ा था मानव ने
तुम्हारा ज़रा ये तो बोलोना ,
या फ़िर;
मानव के फैलाए पापों का ही
है नतीजा ,
कि सब कररहे एक दूजे से घृणा
ना निभ रहा कोई रिश्ता,
ना पहचान रहे एक दूजे को,
हों चाहे चाचा या भतीजा ।

देखो तुम्हारे आतंक ने ,
मानव पर कैसा कहर फैलाया ।
एक मनुष्य दूजे को देख दूर से
ही भगाया ।

सब दूर से ही कहने लगे
जाओ जी ,
ऐसे हमारे करीब आकर ना
महामारी फैलाओ जी ।

कितने मर रहे लोग आज
आकर तुम्हारे सम्पर्क में ।
जिसे ना सुध बोलने की आज
वो भी तुम्हारे सम्पर्क में।

कहो और कितना डराओगे,
बोलो कब वापस जाओगे ।

कब जाओगे तुम इस धरती
को छोड़ कर ,
क्या कसम खाई है तुमने
जाओगे सबको मार कर ।

नहीं रहा कोई देश अछूता ,
कोई छूता भी तो, उसे कोरोना
रोग है होता ।

पर तुम यूँ ना इठलाओ ,
भूलो मत हम हैं मानव ,
हमसे ही है हर काम सम्भव ।

करेंगे तुम्हारा नाश हम,
माहमारी पर जीत पाएंगे हम ।

पूर्णिमा रॉय
बर्द्धमान, पश्चिम बंगाल ।
www.womenexpress.in

जोग लगन ग्रह बारतिथि

अयोध्या का जन्मभूमि स्थल त्रेता युग से ही आस्था का केंद्र रहा है। क्योंकि यहां किसी सामान्य शिशु का जन्म नहीं हुआ था,प्रभु ने यहां स्वयं अवतार लिया था। हजारों वर्षो से अनवरत पूजा अर्चना चलती रही होगी। बाबर के काल में मंदिर का विध्वंस तो मात्र पांच सौ वर्षो की बात है। प्रभु के इस स्थान पर अवतार कितने हजार या लाख वर्ष पहले हुआ,इस पर अलग अलग विचार है। मनुष्य की क्षमता सीमित है। लोग जहां तक आकलन कर सके,उसी का अलग अलग उल्लेख किया गया। किन्तु इसमें संदेह नहीं कि अवतार का समय विलक्षण था। मान्यता है कि गोस्वामी तुलसीदास को हनुमान जी की कृपा प्राप्त थी। वह भावपूर्ण चित्रण करते है

भए प्रगट कृपाला, दीनदयाला,
कौसल्या हितकारी।
हरषित महतारी,मुनि मन हारी,
अद्भुत रूप बिचारी॥

विलक्षण अवसर था। प्रभु ने मानव रूप में अवतार लिया था। लेकिन इस रूप में भी तेजस्विता अद्भुत थी

श्री रामचन्द्र कृपालु भजुमन
हरण भवभय दारुणं ।
नव कंज लोचन कंज मुख
कर कंज पद कंजारुणं

श्री राम जन्म के पूर्व की स्थिति का गोस्वामी जी सुंदर चित्रण करते है

जोग लगन ग्रह बार तिथि सकल भए अनुकूल।
चर अरु अचर हर्षजुत राम जनम सुखमूल॥

वर्तमान परिस्थिति पर विचार करें तो अवतार जैसी तो नहीं,कुछ अनुकूलताएं अवश्य दिखाई देती है। केंद्र और उत्तर प्रदेश में जिनको आमजन ने जनादेश दिया,उनके कारण भी अनुकूलता हुई। अन्यथा अंतिम समय तक राम मंदिर पर न्यायिक निर्णय को रुकवाने या टालने के प्रयत्न किए जा रहे थे। ये बात अलग है कि इसमें सफलता नहीं

मिली। नकारात्मक प्रवृत्ति के लोग यहीं तक सक्रिय नहीं थे। जब भूमि पूजन का समय निर्धारित हुआ,तो उसमें भी व्यवधान डालने का प्रयास किया गया। स्पष्ट है कि कुछ समय पहले तक जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण कार्य अनेक बढ़ाएं दिखाई दे रही थी। लेकिन गत वर्ष सभी बाधाओं का निवारण हो गया। तब ऐसा प्रतीत हुआ कि सकल भये अनुकूल। सभी बाधाओं का निवारण हुआ। सामाजिक सौहार्द के साथ श्री राम लला जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन सम्पन्न हुआ। भूमि पूजन अभिजीत नक्षत्र में हुआ। वैसे प्रभु राम का नाम ही कल्याणकारी है। उनको युवराज बनाने के लिए राजा दशरथ ने मुनि वशिष्ट से शुभ मुहूर्त बताने का आग्रह किया। मुनि वशिष्ट त्रिकाल दर्शी थे। उन्होंने कहा

बेगि बिलंबु न करिअ नृप साजिअ सबुइ समाजु।
सुदिन सुमंगलु तबहिं जब रामु होहिं जुबराजु।।

अर्थात शुभ दिन और सुंदर मंगल तभी है, जब श्रीरामचंद्रजी युवराज हो जाएं। उनके राज्याभिषेक के लिए सभी दिन शुभ और मंगलमय हैं। यहां तो रामलला पहले से विराजमान है,गर्भगृह है,इसलिए मंदिर तो अस्तित्व में था। उसको जनभावना के अनुरूप भव्य बनाने के लिए भूमिपूजन किया गया। भाद्रपद माह को देवालय के जीर्णोद्धार में स्वीकार किया जाता है। श्री राम मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन के साथ ही अयोध्या में नया अध्याय जुड़ा। वस्तुतः पिछले तीन वर्षों में यहां हुए भव्य दिव्य दीपोत्सव व विकास कार्यो से नई संचेतना का विकास होने लगा था। इसी बीच न्यायिक निर्णय से जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्राचीन गौरव के अनुकूल अयोध्या के विकास की कार्ययोजना बना चुके थे। विश्व के अनेक देशों की अर्थव्यवस्था में पर्यटन व तीर्थाटन का विशेष योगदान रहता है। इसके लिए इन देशों ने योजनबद्ध ढंग से प्रयास किया। अपनी आध्यात्मिक, ऐतिहासिक व प्राकृतिक धरोहरों को सजाया सँवारा,वहां विश्व स्तरीय सुविधाओं व संसाधनों का विकास किया। इसके कारण अनेक स्थानों को विश्व स्तरीय प्रतिष्ठा मिली। स्वतंत्रता के बाद भारत के लिए भी ऐसा करने का अवसर था। लेकिन कतिपय मध्यकालीन इमारतों के अलावा अन्य ऐतिहासिक स्थानों के विकास पर उचित ध्यान नहीं दिया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब काशी को क्वेटो जैसा विकसित करने की बात कही थी, तब इसका प्रतीकात्मक महत्व था। क्वेटो को विश्वस्तरीय बनाने में वहां की अनेक सरकारों ने प्रयास किया था। जबकि हमारे यहां इस प्रकार के विजन का अभाव रहा है। नरेंद्र मोदी सरकार ने तीर्थाटन व पर्यटन पर अत्यधिक जोर दिया। इस विषय को प्राथमिकता में शामिल किया। अनेक सर्किट का निर्माण चल रहा है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस दिशा में प्रभावी कदम उठा रहे है। उन्होंने कहा भी ये पिछली सरकार तीर्थाटन की बात अलग अयोध्या का नाम लेने से डरती थी। योगी पिछले तीन वर्षों में दर्जनों बार अयोध्या गए।

प्रत्येक बार वहां विकास योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। दीपोत्सव को भी उन्होंने विकास से जोड़ दिया। पिछले दीपोत्सव पर उन्होंने अयोध्या में करीब ढाई सौ करोड़ रुपये की योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया था। इसी क्रम को आगे बढ़ाया गया।

डॉ दिलीप अग्निहोत्री
www.womenexpress.in

वर्तमान समय में लोगों की मानसिकता

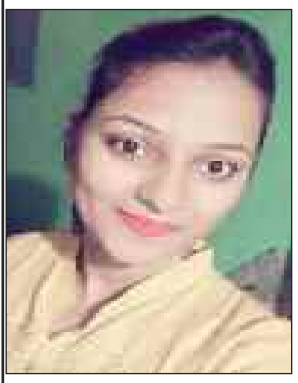

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में लोगों की समस्याएं तो अनगिनत है किन्तु कुछ ऐसी भी समस्याएं है जिनका कोई निवारण नहीं है ।

आज वर्तमान समय में लोगों की समस्याएं गंभीर होती जा रही है। हर किसी की तकलीफ़ अलग अलग रूप लिए हुए हैं। कोई किसी को छलता है तो कोई किसी के द्वारा छला जाता है। लोगों की मानसिकता कुछ इस प्रकार होती जा रही है जिससे वह केवल अपने को श्रेष्ठ और सामने वाले को तुच्छ समझते हैं। कुछ लोग अपनी गलतियों को दूसरे के माथे मढ़ना पसंद करते हैं, वह यह भी नहीं देखते की इससे सामने वाले को कितनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। कभी कभी लोगों की मानसिकता इतनी सिकुड़ जाती है कि वह यह भी नहीं देखती की वह किसे ठेस पहुंचाने वाले है, अपनो को या पराए को।

कुछ मनुष्य ऐसे भी देखने को मिलते हैं जो दूसरों की तरक्की को देखकर जल के राख हो जाते हैं और फिर उन पर गलत गलत लांछन लगाते हैं .....कभी किसी का नाम किसी शिक्षक के साथ जोड़ देते हैं, तो कभी उसके तरक्की को पैसे के साथ तौलते हैं। कुछ मनुष्य कभी भी अपनी गलती को स्वीकार नहीं करते, कहा जाता है न गलती पीठ के समरूप होती है जो केवल दूसरे की दिखती है अपनी नहीं ठीक ऐसे ही कुछ लोग होते हैं जो अपनी गलतियां दूसरों पर थोपना जानते हैं। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता की किसी के तरक्की के पीछे उसकी मेहनत कितनी लगी होगी, बल्कि वह स्वयं जैसे होते हैं वैसे ही सोच सामने वाले के लिए रखते हैं।

लोगों के सोच को कभी बदला नहीं जा सकता। उनकी पारिवारिक माहौल जैसी होती है वह केवल उसी को सिखते हैं एवं उसी का अनुसरण करते हैं , इससे चाहे वह कुछ अच्छा सिखे या बूरा, यह केवल उनके इर्ध गिर्ध के माहौल पर निर्भर करता है।

निष्कर्ष- हमें इन सब बातों से केवल यह सिख लेनी चाहिए कि हमें दूसरों को देखकर कभी बुरा बोलना या सोचना नहीं चाहिए। यदि हम बच्चों को बचपन से अच्छी शिक्षा देंगे तो वह आगे चलकर कभी किसी दूसरे के बारे में गलत नहीं सोचेंगे। बच्चों को सदैव अपने से बड़ो का सम्मान करना चाहिए, चाहे वह उसके माता पिता हो या शिक्षक हो ..... सदैव उनका सम्मान करना चाहिए कभी उनका मजाक नहीं बनाना चाहिए।

काजल सिंह
बर्दवान, पश्चिम बंगाल ।
www.womenexpress.in

बेरुत महा विस्फोट

बड़ा भयानक संकट आया
।सकल विश्व में उसकी ।
चर्चा छाई, क्षण भर में बेरुत
बारूद के ढेर में परिवर्तित
हो गया ।

हे ! ईश्वर यह कैसी ।
विडंबना है,एक तरफ ।
कोरोना संकट,दूसरी ओर ।
बेरुत में असुरक्षित,अमोनिया नाइट्रेट
रखने से हुआ बड़ा धमाका ।

जिससे बड़ीबड़ी ।
अट्टालिका हुई एक ।
क्षण में ध्वस्त ।
परिवर्तित हो गई । मलबे में ।

जिस अमोनिया ।
नाइट्रेट को बेरुत में ।
अपने भविष्य और विकास के
लिए सुरक्षित रखा था ।
वही बेरुत को ध्वस्त ।
करने का माध्यम बना ।

बेरुत का साराअंबर ।
विस्फोट के धुँए में छा गया ।
चारों ओर चीखपुकार मच रही ।
अनेकों मनुष्यों के प्राण ।
पखेरू उड़ गए ।
अनेकों घायल हुए ।
अनेकों मानव अपाहिज बने ।

संगीता सूर्यप्रकाश
भोपाल, मध्यप्रदेश।
www.womenexpress.in

मेरी जन्नत है मां

मुझे मुझ से ज्यादा
समझती है वो।
मेरे जीवन का हर रहस्य
जानती है वो
मुझे मेरे बचपन का का
एहसास दिलाती है वो।
मुझे मेरी गलतियों से सबक
लेना सीखा ती हैं वो

मेरे हर सपने में रंग भरती है वो,
मेरी हल्कीसी चोट में, रो जाती हैं वो।
मेंरे बिगड़े काम,संवार देती हैं वो।
भीष्ण तपिश में,रिमझिम
बरसात हैं वो
मेरा साया बनकर,मेरे साथ
चलती है वो।

डांटना, प्यार करना आदत
है,उसकी
फूल बनकर परिवार के
गुलशन को महकाती है वो,
मुझे गिर कर उठना,
उठकर चलना सिखाती है वो,
कभी सहेली,कभी बच्ची बन
जाती है वो।

वो है मेरी जन्नत,मेरा
इन्द्रधनुष,मेरी प्रार्थना।
मेरी माँ,मेंरी माँ,मेरी माँ!!!

ललिता पाण्डेय
नई दिल्ली।
www.womenexpress.in

कल सड़क किनारे पड़ा जो शरीर लाचार था

कल सड़क किनारे पड़ा जो
शरीर लाचार था।
मेरा यकीन करो उसने पहना
सूट सलवार था।।

छोटे कपड़े सदा बलात्कार का
कारण नहीं होते।
अब वहां इस विषय पर ज़िक्र
करना बेकार था।।

जितनी नज़र थी वहां उतने ही
वहां नज़रिए थे।
दुपट्टा नहीं ओढ़ा होगा, यह
उनका विचार था।।

जरूर अपने आप ही घर से
निकल आई होगी।
एक आदमी जो दिखता ज़्यादा
तमीज़दार था।।

माथे पर बिंदी तो नहीं लगाई,
कुंवारी लगती हैं।
लगता है अपने यार से इसका
कुछ तकरार था।।

नौजवान ने कहा टू फिंगर टेस्ट
करके देख लो।
ये नई नई कली थी या यह
इसका व्यापार था।।

पूरा गांव नगर उसे देखने को
एकत्रित हो गया।
लग रहा था मनाया जा रहा
कोई त्यौहार था।।

वहां महज नारी की एक लाश
ही नहीं पड़ी थी।
औरत की इज्ज़त का जीता
जागता बाज़ार था।।

किसी को नहीं पता उसकी
अस्मत गई या नहीं।
किंतु लोगों ने नज़रों से कर
दिया बलात्कार था।।

सच्चाई यह है कि उसका
बलात्कार नहीं हुआ था।
क्योंकि जिंदगी से ज़्यादा उसे
इज्ज़त से प्यार था।।

पूजा सिसोदिया साधना
पानीपत, हरियाणा।
www.womenexpress.in

ढलता सूरज उगता सूरज

ढलता सूरज इस बात का
प्रतीक है कि
जीवन में तमस की रात भी
दस्तक देगी
उगता सूरज इस बात का
प्रतीक है कि
जीवन के रजनी में प्रकाश
आएगा एक दिन
ढलता सूरज ले आता है दिन
भर के मेहनत के बाद आराम
उगता सूरज नई ताज़गी के साथ
लक्ष्य को पूरा करने का साहस देता है
डूबता सूरज यादों के तूफ़ानों
में भटका देता है
उगता सूरज गलतियों को सुधार
का मौका देता है
डूबता सूरज ले आता है अपने
संग उदासी का मौसम
उगता सूरज नए संकल्प को
सिद्ध करने का बढ़ावा देता है
डूबता सूरज ले आता है
मयखाने के चौखट पर
उगता सूरज मंदिरों के घंटियों
में रस्वादन कराता है
डूबता सूरज बढ़ावा देता है
शैतानी ताकतों को
उगता सूरज ईश्वर आराधना
सिखाता है

शिवम् मिश्रा, गोविंद
मुंबई, महाराष्ट्र ।
www.womenexpress.in

एक सपना

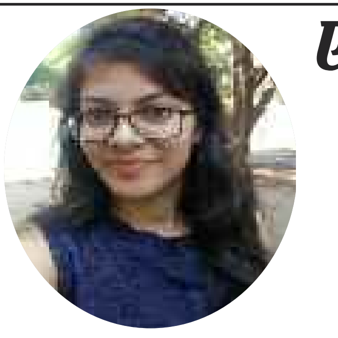

शुरू हुआ किस्सा ये ऐसे
अभी अभी हुआ है जैसे
उसकी नजरों का मिलना था
जैसे सूरज का खिलना था
आंखें थीं वो मयखाने सी
कभी तो उनमें खोना था
सूरत पे हया का पहरा था
जैसे कोई समंदर गहरा था ।
पर रुको ..
ये भी भला क्या बात हुई
दिन ही दिन में मानों रात हुई
इतने में एक शुरूआत हुई
धीरे धीरे मुलाकात हुई
रूख समय का बस में था
अरे आज तो वो भी बेबस था
तभी शक की इक लहर चली
जो ढाने थी इक कहर चली
मुस्कुराना तो जरूरी था
आखिर जीना ही मजबूरी था
न जाने कहां खोये थे हम
जगते जगते सोये थे हम
एक झटके से निद्रा टूटी
सारी कल्पनाएं छूटी ...
वाह क्या सपना था
जिसमें कोई तो अपना था

सौम्या अग्रवाल
अम्बाह, मुरैना, मध्यप्रदेश।
www.womenexpress.in

भीगे नयन

ये अश्रु भी ना
बड़े ही भावुक होते है
कभी खुशी कभी गम में
अपनी अंखिया भिगोते है

जरा सी खुशी मिली नहीं
बस टप टप नयनों से
छलक जाते है मोती बनके
बहुत खूबसूरत अंदाज़ से
अपनी बात इन नयनों से
किया करते हैं मत पूछें
प्रेम की यहीं भाषा बिन
कहे अपनी बातें समझा
जाते है अपने इन सुंदर

नयनों से भीगे भीगे पलक
दो नयनों के भावों के मोती
इंतज़ार में भी अपने नयन
भिगोते है हम, वो कहते है

पगली है तू थोड़ी सी सब्र
रखा कर मेरा ये दो मोती
मेरे लिए दो हीरे है जिन्हें
मैंने बहुत किस्मत से पाया है ।

भवना गौड़
ग्रेटर नोएडा(उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

राधा की व्यथा

वो गाँठ कैसे टूटेगी मोहन
वो प्रीत कैसे छूटेगी मोहन
बचपन की सब कला तुम्हारी
बाँसुरी की वो ताल तुम्हारी
मेरे लिए वो छुप कर आना
यमुना किनारे रास रचाना
कैसे सब भूल जाऊँगी
बिन तुम्हारे कैसे रह पाऊँगी
जा रहे हो न मुझे भँवर में छोड़कर
छलिया हो न ये साबित कर।
कहती थी मेरी सब सखियाँ मुझसे
कभी न विश्वास करना इसपे
ये तो है ही छलिया साथ न निभाएगा
बीच रास्ते राधे तुझको छोड़ जाएगा
तुमने आज सबको सच कर दिया
हमारे रिश्ते को जो यूँ तोड़ दिया
अब सबके ताने मुझको सतायेंगे
सारे गोकुल वाले मुझे चिड़ायेगे
जाओ मोहन! अब तुम जाओ
खुश रहो बस इतनी सी
ख्वाईश ले जाओ ।

शुभम पांडेय गगन
अयोध्या ।
www.womenexpress.in

रूह का रिश्ता

समन्दर के मोती हो जैसे,
फ़लक के चाँद हो जैसे,
धूप में छाँव हो जैसे,
मेरे यार ,मेरी जिन्दगी के
कोहिनूर हो जैसे।

ना खून का नाता है,
ना ही कोई झूठा वादा है,
अपना तो साथ बिल्कुल सादा है,
बस ताउम्र साथ रहने का इरादा है।

दोस्त न हों तो जिन्दगी गमगीन है,
इनकी मौजूदगी हर त्योहार से हसीन है,
इनके साथ से ही जिन्दगी रंगीन है,
वरना तो हर एक दिन उदासीन है।

डूबती कश्ती का सहारा है दोस्ती,
दर्द में सुकून का किनारा है दोस्ती,
सुखदुख के हर मोड़ पर
बिन कहे जो साथ निभाए,
वो रिश्ता है दोस्ती।
जातिमज़हब से ऊपर उठकर,
रूह का रिश्ता है दोस्ती।।

मीनू कुमारी
आसनसोल, पश्चिम बंगाल।
www.womenexpress.in

वो छाया रहता हैं

अक्सर मेरी इन राहों में कोई
साथ रहता हैं.
मेरी जिंदगी का मसीहा वो इक
छाया रहता हैं।
मेरी पलकों के हर ख्वाब
उसकी इक तमन्ना है.
मांगी दुआ हर मुश्किल वक्त में
छाया रहता हैं।।
उसी ने मुझे जीने का सलिखा
सिखाया है वो.
मेरी सादगी वो फरिश्ता मेरे पे
छाया रहता हैं।
जिस्म के धड़कते इस दिल की
ख्वाहिश भी.
जाने अपनी बंदगी समझ वो
छाया रहता हैं।।
मेरी मंजिल दिखानेके लिये
चिराग बन खड़ा.
मेरी दिवानगी पर वह खूशबू
बन छाया रहता हैं।
भारती तुम्हें सच कहताहूं मैंने
जिंदगी में न देखा.
सिर्फ दिल्लगी उससेकी जो मुझ
पर छाया रहता हैं।।

मंगल व्यास भारती
चूरु, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

फूल मायके के

छोटी सी तेरी गुड़िया माँ
अंगना में माँ संग तेरे
खेल,नाच,कूद,दौड़
जाने कैसे कब हुई बड़ी।
हाथ छुड़ाया बचपन ने
नाज़ों से पाला माँ,बाबुल ने।।
घड़ी जीवन की बेहद अनमोल
वो भी दहलीज़ पर आयी।
छोड़ पीहर की बगिया,
और फ़ूल मायके के।
थामा हाथ जीवनसाथी का
चल दिए संग पिया के।
बगिया का तेरे हर फ़ूल
करती हूँ रोज़ महसूस।
ख़ुशबू से, उस महक से
सरोबार हो जाती हूँ।
महफ़ूज़ है मुझमें
हर फ़ूल मायके के।
फूलों से तेरे सिखा हमने
ख़ुशबू ही बिखेरना।।
कितने ही काँटे हो
पतझड़ हो या हो बहार ही
हर मौसम में ,तालमेल बैठा
ख़ुद को हर साँचे में
सिखा ढालना।।
सजाऊँ तेरे प्यार की
एक प्यारी बगिया मैं
महक हो जिसमें, अहसास हो जिसमें
महक हो,ख़ुशबू हो
और सखि लगे जिसमें खिले हो
फ़ूल, मायके के ।।

सुनीता अग्रवाल
राँची, झारखंड ।
www.womenexpress.in

मेरी कलम

मेरी कलम ने दी मुझे
अपनी पहचान
मुझे याद दिलाई हमसे
अपनी पहचान

जब अपने और गैर
मुझे त्रासने लगे
तब कलेजे से निकली
एक विरह की हूक

तो चलने लगी सत्य
कलम कल्याणी
गर त्रास जाऊँ हद तो
भस्म ना बन जाऊँ
भस्म होने से पहले गले की
हार क्यूँ ना बन जाऊँ
तर्क करूँ नर्क जाऊँ
क्यूँ ना कलम को स्वर्ग बनाऊँ

जब छपने लगी तो दिलाई
अपनो ने अपनो की एहसास
क्यूँ ना लिखूँ विश्व मानवता
का भाईचारा

क्यूँ ना दिलाऊँ इस कलम से
छात्रों को अक्षरों की पहचान
दुख सुख की संगिनी रही
मेरी कलम ही अपनी पहचान

मेरी कलम ने मुझे दी
अपनी पहचान
मुझे याद दिलाई वो
हमसे अपनी पहचान

प्रियंका रानी
बहादुरगढ़, हरियाणा।
www.womenexpress.in

दर्द भरी चीख...

आजकल बहुत यहाँ...
हो रही हैरानी हैं ।
ज़िन्दगी जैसे यहाँ...
कोई बेईमानी हैं ।
मायावी नगरी में...
छिपे कई दरिंदे हैं ।
राज कई दफ़्न यहाँ...
सत्ता की बोली हैं ।
कुर्सी के चक्कर में...
खून बस माफ़ी हैं ।
इस सियासत के चाहत में...
प्यार की कुर्बानी हैं ।
हुकूमत है ताज की...
धोखा बस कहानी हैं ।
पैसों से तौल रहे हैं...
कुछ लोगों को यहाँ ।
खत्म होगा तंत्र तेरा...
मंत्र हमने भी जान लिया ।
जनता की आवाज़ में...
दर्द बहुत ही गहरे हैं ।
क्या तुम समझ रहे हो..?
बस तुम ही यहाँ के तोप हो ।
पर यहाँ की मिट्टी में भी...
भरा इंकलाबी जोश हैं ।
लाल पड़े हैं दाग जिसपे...
सबको सामने अब लायेगें ।
इतिहास के पन्ने पे...
नया रूप अब दिखायेंगें ।

प्रिंस राज
भागलपुर (बिहार)।
www.womenexpress.in

श्री राम की कृपा बनी रहें

श्री राममय हुई आयोध्या नगरी
हर्ष खुशी छाई रहे ।
मंदिर बनेगा हद भारी श्री राम
की कृपा बनी रहे ।।

श्री राम जी बँधा हुआ है संसार
आपके हाथों में ।
आप सारे जगत के रखवाले
कारोबार तेरे हाथों में ।।
यह सांसें चल रही हैं मेरी, यह
मेहरबानी है श्रीराम तेरी ।
हर मानव के जीवन का करो
भलो यह अर्ज है मेरी ।।

आप ही जीवन देने वाले हो,
आप मरते हुए को बचाए ।
है बेहद मुश्किल काम, मेरे
करतार लाज आपके हाथों में ।।

आप दर्शन हमे दिखाये
सुखमय हो सभी आस मन में ।
मेरी हर इक साँस में रामराम,
है तार आपके हाथों में ।।

गर्ग! जब तक तू जीवन देगा,
तेरे नाम का जाप करूँगा ।
है रावत की कश्ति जीवन की,
श्री राम आपके हाथों में ।।

सूबेदार रावत गर्ग उण्डू
बाड़मेर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

हे नारी! तू नारी नहीं..

हे नारी! तू नारी नहीं,
तू देवों की प्यारी हो।
तू ही गौरी, तू ही सीता,
तू ही तो काली हो।
तेरे प्रताप से होता सभी काम,
तू तो पालनहारी हो।
सती अनुसुइया बनकर भी,
कभी न तू हारी हो।
तेरे बिना है जग सूना,
तू ममता की हो नमूना।
तू लक्ष्मी बाई बनके,
बनी फिर चिंगारी हो।
मनु के लिए बनी तू श्रद्धा,
जगत जननी उजियारी हो।
हे नारि! तू नारी नहीं,
तू देवों की प्यारी हो।
असंख्य कष्ट सहकर भी,
राम की बलिहारी हो।
मानव के रक्षार्थ तू,
बनी तू पूजारी हो।
पुरूषों से श्रेष्ठ हो तुम,
तुझमें समाहित ममता है।
हे नारि! तू नारी नहीं,
तू देवों की प्यारी हो।

पुनीत साव
www.womenexpress.in

मुझे लिखना हैं

महीने के पच्चीस दिन लिखी
जाती हैं, कविताएं,
उस लड़की के प्रेम पर ।

और माहवारी के उन पांच दिनों में,
लिखी जाती हैं कविताएं,
उसे त्याग कर,
समाज़ और सत्ता पर ।

मैं लिखना चाहता हूँ,
उन पाँच दिनों में, उस लड़की पर ।

मुझे मापना हैं अपने शब्दों से,
उन दिनों में बहाये गए,
आँसुओ का प्रवाह ।

मुझे लिखनी हैं,
उसकी झूठी मुस्कान के पीछे
की, उदासी ।

मुझे लिखना हैं,
उन दिनों में निकली,
उसकी हर आह को ।

मुझे लिखना हैं,
उसके मन की प्रत्येक,
सवेंदना को ।

मुझे लिखना हैं,
केवल उस लड़की पर ही नही,
समस्त स्त्रियों पर ।

मुझे लिखनी हैं, उन बहाये गए,
रक्त के हर कतरे की कीमत ।

मुझे लिखनी हैं, उन दिनों में जगी,
उसके पति की बेकाबू हवस को ।।

मुझे लिखना हैं, उसके प्रेम को पर,
उसकी पीड़ा को भी लिखना हैं ।

रविदान चारण
नोखा, बीकानेर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

इंसानियत कब लौटेगी?

जब काम क्रोध और लोभ मोह
सत्ता का नशा त्याग दोगे
जब निर्दयता क्रूरता पाप और
ईर्ष्या द्वेष त्याग दोगे,

जब जाति भेद और धरम भेद
वासना कामना त्याग दोगे
जब भ्रष्टाचार नशाखोरी और
दुर्भावना त्याग दोगे,

जब ज्ञान इंद्रियों का होकर
फिर प्रेम और सदभाव बढे
जब भाईचारा परोपकार और
विश्व बन्धुत्व का भाव बढे,
जब धर्म राह पर चलकर
मानव ईश्वर मे विश्वाव करे
जब प्रकृति को अपनाये और
प्रकृति का गुणगाण करे
इज़्ज़त सम्मान सभी समझे
रिस्तो की कद्र हर इंसान करे,

अपनापन, प्यार, बढे और
दुर्भावो से बचकर रहना
जब शर्म लाज और इज़्ज़त को
सब समझेंगे अपना गहना,

जब जीव जन्तु और सभी प्राणी
को अपना अधिकार मिले
जब कदमकदम पर नेकी हो
अपयश दुर्भाव का मान घटे
जब कर्म को पूजा समझेंगे
कर्मो की
महानता का मान बढे,

तब जाकर विश्व प्रेम की आशा
उम्मीद की किरण लौटेगी
एसी कठोर तपस्या से ही
इंसानियत वापस लौटेगी।

संजय सिंह मीना
करौली (राजस्थान)।
www.womenexpress.in

जय श्री राम

राम मंदिर नही इमारत देश का
स्वाभिमान है,
भारत माँ के मस्तक पर बिंदी
सा अभिमान है।
रघुपति राघव श्रीराम आये
पधारे निज धाम,
पाँच सौ वर्षो का अधूरा पूरा
हुआ अरमान है।
घट घट वासी,मनवासी को गृह
में वास मिला,
सबकी आँखें तरस गईं अवध
बसी मुस्कान है।
युद्ध में न हारी अयोध्या वो
अपनों से थी हारी,
समय चक्र हैं घूम रहा निकला
वह बलवान है।
राम सत्य हैं,राम धर्म हैं,राम हैं
मर्यादा बेशक,
राम जन्मभूमि का मंदिर ही
उनका सम्मान है।
मानस तुलसी,रामायण,चालीसा
हनुमंत कहे,
हिंदुस्तान से राम नही है, राम
से हिंदुस्तान है।

संजय कुमार भारद्वाज
www.womenexpress.in

किनारे

किनारे तो किनारे हैं
यूं तो किस्मत के मारे हैं,
मिल न सकेंगे कभी
न होंगे कभी एक,
रंजो गम नहीं
खुशी भी कुछ कम नहीं,
ये सोच कर कि
कभी होंगे न जुदा,
नमी, ठंडक सेतु संवेदना से ,
चलेंगे साथसाथ इक दूजे के सदा
दरिया के पानी की
छुअन के अहसास को,
आलिंगन कर आत्मसात
करेंगे इक दूजे को,
दूर रह कर भी पास
होने का सा आभास
न मिल कर भी मिलन का
सा अहसास रहेगा सदा
सर्वदा....

हरविंदर कौर
www.womenexpress.in

मजदूर हूँ

मजदूर हूँ
पैदल चल पड़ा घर की ओर
विपदा आयी
सबने छोड़ दिया मौत की ओर
आशावादी हूँ
खुद ही जीत लूँगा यह युद्ध भी
तुम कौन हो?
समाज या शासन
बोलो खुद ही
बन निष्ठुर हमे ढ़केल दिया
काल की ओर...!!

अभिषेक शुक्ला
सीतापुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

युवा खिलाड़ियों के लिए शुरूआत में सही तकनीक सिखना जरूरी: भरत छेत्री

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

बेंगलुरु, 07 अगस्त । भारत के पूर्व हॉकी कप्तान भरत छेत्री का मानना है कि खिलाड़ियों को सफलता के लिए कम उम्र में सही तकनीक सीखना जरूरी है। उन्होंने युवाओं से बेसिक्स पर काम करने का आग्रह किया।भारत के लिए 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीतने वाले इस खिलाड़ी ने कहा, ''एक पूर्व खिलाड़ी के रूप में आप जानते हैं कि इस खेल में सफल होने के लिए सही तकनीक का होना कितना महत्वपूर्ण है।''

छेत्री ने कहा, ''मैं एक गोलकीपर था और हमारे लिए वास्तव में यह महत्वपूर्ण था कि हम बुनियादी तकनीक को सीखें।''उन्होंने कहा, ''हमारे समय में हमें सही चीजों के बारे में बाद में पता चला जब हमने दुनिया भर में खेलकर अनुभव हासिल किया। देश में मौजूदा दौर के युवा खिलाड़ियों के लिए फायदे की बात है कि उनके पास सुविधाओं और कोचिंग का बढ़िया स्तर भी मौजूद है।''हॉकी दुनिया भर में विकसित हुई है और छेत्री ने कहा कि वह 'वास्तव में खुश हैं कि भारत में खेल से जुड़े लोग भी व्यापार को अच्छी तरह से सीख रहे हैं'। उन्होंने कहा, ''इसमें बहुत सारे कारक शामिल हैं, जैसे कि युवा खिलाड़ियों के लिए अधिक मौके और खेल के सभी मूल सिद्धांतों पर उन्हें जानकारी देना।''उन्होंने कहा, ''यह वास्तव में महत्वपूर्ण है कि देश में युवा अपने संबंधित करियर से जुड़ी चीजो में जल्दी सही तकनीक सीखे क्योंकि इससे वह दूसरे खिलाड़ियों से बेहतर होंगे।''पूर्व गोलकीपर ने कहा कि वह अपने करियर में बहुत कुछ हासिल नहीं कर सके लेकिन वह युवा खिलाड़ियों को उनके सपनों को साकार करने में मदद करना चाहते हैं। भारतीय टीम की लंदन 2012 ओलंपिक में अगुवाई करने वाले छेत्री ने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो जब भी मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो मुझे लगता है कि मैं जो हासिल करना चाहता था उसके मुताबिक सफल करियर नहीं बना पाया।'' एफआईएच अकादमी हॉकी इंडिया कोचिंग एजुकेशन से 'एक' स्तर के इस प्रमाणित पूर्व गोलकीपर ने कहा, ''इसलिए जब मैंने खेल छोड़ने का फैसला किया, तब मैंने युवा खिलाड़ियों के जरिए अपने सपनों को पूरा करने के लिए कोचिंग देने का फैसला किया था।''

घास खा लूंगा लेकिन पाकिस्तानी सेना का बजट बढ़ाऊंगा- शोएब अख्तर

नई दिल्ली। दुनिया के दिग्गज तेज गेंदबाजों में शुमार पाकिस्तान के पूर्व पेसर शोएब अख्तर ने अपने देश की सेना के बजट को लेकर बयान दिया है। उन्होंने पाकिस्तान के एक न्यूज चैनल से कहा कि वह पाकिस्तानी सेना का बजट बढ़ाने के लिए घास तक खाएंगे। 44 साल के अख्तर ने एआरवाई न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'अगर अल्लाह कभी मुझे अधिकार देता है, तो मैं खुद घास खाऊंगा लेकिन सेना का बजट बढ़ा दूंगा।' उन्होंने यह भी कहा कि नागरिकों को सशस्त्र बलों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। पूर्व पेसर ने कहा, 'मैं अपने सेना प्रमुख को अपने साथ बैठने और निर्णय लेने के लिए कहूंगा। यदि बजट 20 प्रतिशत है, तो मैं इसे 60 प्रतिशत करूंगा। यदि हम एकदूसरे का अपमान करते हैं, तो नुकसान हमारा ही है।' इससे पहले उन्होंने दावा किया था कि उन्होंने नॉटिंघमशायर के लिए काउंटी क्रिकेट खेलने के लिए 175,000 पाउंड के अनुबंध को ठुकरा दिया था ताकि वह कारगिल युद्ध में लड़ सकें।

सुशांत सिंह मामले को सुलझाने में जुटी सीबीआई, मामला एसआईटी को सौंपा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 07 अगस्त। सीबीआई ने 2020 के सबसे हाई प्रोफाइल केस सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले को आखिरकार अपने हाथ में ले लिया है। इस मामले में महाराष्ट्र और बिहार सरकार के बीच कई राजनीतिक विवाद हुए हैं और साथ ही दोनों राज्यों की पुलिस आमनेसामने आ गई थी।

केंद्रीय जांच ब्यूरो(सीबीआई) ने इस मामले की जांच एंटी करप्शन यूनिट 6, नई दिल्ली से करवाने के बारे में निर्णय लिया है, जिसने पहले 3600 करोड़ रुपये के अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर मामले और विजय माल्या ऋण धोखाधड़ी मामले की जांच की है।

सीबीआई सूत्रों के अनुसार, एजेंसी ने एसीयू6 (एसआईटी) को जांच सौंपी है, जिसका गठन सीबीआई के पूर्व निदेशक राकेश अस्थाना ने किया था।

यह निर्णय निदेशक आर.के. शुक्ला समेत सीबीआई के अन्य अधिकारियों द्वारा घंटों माथापच्ची करने के बाद लिया गया। इसके बाद यह मामला एसीयू6 (एसआईटी) को सौंप दिया गया। सीबीआई ने गुरुवार शाम बिहार सरकार की अनुशंसा पर केस दर्ज कर लिया और

इसमें रिया चक्रवर्ती, उसके पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती, उसकी मां संध्या चक्रवर्ती, उसके भाई शोविक चक्रवर्ती, श्रुति मोदी, हाउस मैनेजर सैम्युल मिरांडा और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

सुशांत को 14 जून को मुंबई के बांद्रा स्थित उनके फ्लैट में मृत पाया गया था। सुशांत के पिता के.के. सिंह के आग्रह पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सीबीआई जांच की अनुशंसा की थी। इसके अलावा कई राजनेताओं ने सीबीआई जांच की मांग की थी। के.के सिंह की शिकायत पर बिहार पुलिस ने 25 जुलाई को रिया के खिलाफ मामला दर्ज किया था। सुशांत के पिता ने उसके खिलाफ धोखाधड़ी और उनके बेटे को धमकाने का आरोप लगाया था।

एसआईटी की टीम में 1994 बैच के गुजरात कैडर के आईपीएस अधिकारी, संयुक्त निदेशक मनोज शशीधर, गुजरात कैडर की आईपीएस अधिकारी डीआईजी गगनदीप गंभीर और पुलिस अधीक्षक नुपूर प्रसाद शामिल हैं।

गंभीर का जन्म बिहार के मुजफ्फरपुर में हुआ है। उन्होंने अपनी शिक्षा पंजाब विश्वविद्यालय से पूरी की है। सीबीआई सूत्रों के अनुसार, गंभीर ने गत वर्ष समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के खिलाफ कथित कोल घोटाले में जांच की थी। बाद में उन्हें सृजन घोटाले और पत्रकार उपेंद्र राय मामले में शिफ्ट कर दिया गया। एसआईटी ने विजय माल्या मामले में भी सफलतापूर्वक जांच की है।

सूत्र ने कहा कि सघन जांच की वजह से सीबीआई किंगफिशर एयरलाइन के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ प्रत्यर्पण मामले में जीत दर्ज करने में सक्षम रही। एसआईटी ने 36,00 करोड़ रुपये के अगस्ता वेस्टलैंड मामले में भी जांच की थी और इसने ब्रिटेन के नागरिक और मुख्य बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल जेम्स को गिरफ्तार करने में सफलता पाई थी और उसे दिसंबर 2018 में भारत प्रत्यर्पित किया गया था।

मुसकाती धूप

खिड़की से नित झांक झांक कर,
सुबहसुबह मुस्काती धूप।

घूमघूम वन पर्वत घाटी,
हमें जगाने आती धूप।
रिमझिमरिमझिम पड़ें फुहारें,
इंद्रधनुष बन जाती धूप।
नीले नभ में छाते बादल,
यहां वहां छुप जाती धूप।

गर्मी में बन आग बरसती,
मन को बहुत सताती धूप।

रहे ठंड में सिकुड़ीसिकुड़ी,
आने में शरमाती धूप।

प्रमोद दीक्षित मलय
शिक्षक, बांदा (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

फरियाद

भेद भरी सृष्टि में तेरा क्या
जिक्र करुं
करुणा भरी सिसकारी से कैसे
फरियाद करूँ !
दस्तूर एइत्तिफ़ाक़ भी है
अजीबोगरीब फरियाद में
हैवानियत की दहलीज पर
बलात्कार के दर्द का जिक्र भी
कचोटता है हर पल
ये उल्फतों का शहर भी नयाब
है तभी तो हर स्त्री की चीख पर
रावण भी शर्म से रो पड़ा।
खामोशियों में दर्द को समेटा
तो वाहवाही का लूफ्त
देखने को मिला
जब दर्दनाकएदास्ताँ बयाँ हो
गए तो कईयों के होश उड़ गए।

रश्मि राजपूत
www.womenexpress.in

मरते सभी हैं

अपनीअपनी जिंदगी में काम ये
करते सभी हैं
मौत है मकसद जहां का ,इससे
पर डरते सभी हैं
है ये ऐसी चीज जिसको , रोक
न पाया कोई भी
चाहता मरना न कोई , पर यहां
मरते सभी हैं

काम कुछ ऐसे करें कि, काम
हो दुनिया में जिंदा
ऐसा हो आगाज कि, अंजाम
हो दुनिया में जिंदा
अपने कर्मों के बदौलत, छाप
हम छोड़ें जहां में
हम रहें या ना रहें पर, नाम हो
दुनिया में जिंदा

रीतियां लेकर नई अब , चल
रहा है जग ये सारा
अपने हाथों से ही खुद को,
छल रहा है जग ये सारा
कोई जब भूखा मरे तब ,
पूछता कोई नहीं है
पर कोई आगे बढ़ा तो , जल
रहा है जग ये सारा

धार हो जिस ओर की, उस
ओर तो बहते सभी हैं
अपनी अपनी ताक में , हरदम
यहां रहते सभी हैं
लग रहा है कि, रहा न अब
भलाई का जमाना
कर भला तो हो भला, बात ये
कहते सभी हैं

विक्रम कुमार
मनोरा, वैशाली ।
www.womenexpress.in

इंसाफ मांगे संगीता

दर्द भरी खबर आज पाथेड़ी की
याद दिला जाती है उन दरिंदों की
मर गई है इंसानियत उन दरिंदों की
मगर हिंदुस्तान में इंसान जिंदा है
प्रियंका रेडी की एक घटना वो
रोज हिंदुस्तान में बना दी जाती है
अखबार में रोज एक निर्भया
छपती है
देखो इंसान में अभी भी रावण जिंदा है
सोचा नहीं ईश्वर ने इदरिंदों को
बनाते वक्त
उनके गिद्धो पर हुआ होगा अब पछतावा
अब चुप बैठना नाकामी है हमारी
आज सुनीता की खबर है कल
आपकी होगी
आज बलात्कार कर हत्या उस
बेटी की हुई है
कल वहीं घटना आपकी बेटी पर होगी
आज वह परिवार न्याय मांग रहा है
कल तुम ठोकरें खाकर नए मांगोगे
अभी वक्त है बहन न्याय देने का
उठो जागो और चल पड़े उस
राह पर
जब तक न्याय उस बेटी को
ना मिल जाए
जगा लो अपने अंदर की
इंसानियत को
सविधान के बलबूते पर बेटी
को न्याय दिलाओ
फांसी, एनकाउंटर होगा तभी
न्याय मिलेगा बेटी को

उमा राम
हरमू, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

बोली

मीठी वाणी बोलकर
जीत लें हम जग सारा
मीठा बोलने वाला
लगता है, सबको प्यारा

भाषा कोई भी हो
कोई फर्क नहीं पड़ता
पर बोलें कडवें बोल तो
ये कोई सह नहीं सकता
बोल के मीठा कोयल की तरह
मन को जीत लो सबके
यही है बोली, जिससे हम
सब दोस्त बन जाएँगे

दुश्मनों का क्या है
वो तो पल में बन जाएँगे
मीठे बोलों से हम
दिलों को जीतते जाएँगे
बोली की ताकत को
अपना हथियार बनाएंगे

करमजीत कौर,
शहर मलोट
श्री मुक्तसर साहिब, पंजाब ।
www.womenexpress.in

वो रूपसी मन भावनी

मोहिनी मूरत लिए नव यौवना
मन को हरे ।
चाँदनी सी देह धवल अरु
लाज से नैना भरे ।।
सोलह कलाएं चन्द्र की ,वो
रूपसी मन भावनी ।
पायली रुन झुन करे जब पग
धरे गज गामिनी ।।
मुख मदिर मुस्कान शोभित
कल्पना से भी परे ।
स्वर्ग से आ अप्सरा श्रृंगार गौरी
का करे ।।
घुल रही मिश्री डली सम उर
उदर में कामिनी ।
पुष्प गन्ध मकरन्द सी करती
सुवासित यामिनी ।।
चंचला चित्त को चुराती
उपवनों में डोलती ।
मौन रहती कंठ से पर नैन से
कुछ बोलती ।।
केश की लट हो दिवानी
उँगलियों में घूमती ।
जब चले ठंडी हवा झट गौरी
का मुख चूमती ।।
सुरसरि उन्मुक्त बह पौधे मधु
हृद रोपती ।
मान सागर को पिया सर्वस्व
अपना सौंपती ।।

रीना गोयल
(सरस्वती नगर) हरियाणा।
www.womenexpress.in

दो दिलों का पवित्र बन्धन है दोस्ती

क्यों मिलते हो आजकल जरा कम से।
खोयेखोये से रहते हो कहाँ
गुमसुम से।।
माना कम बोलना मिज़ाज है हमारा।
पर तुम तो बातें हज़ार करते थे
हम से।।
ये फूल सी दोस्ती यूँ ही मुरझा
न जाए।
तुम इनकी शोखियाँ न चुराओ
शबनम से।।
फाँस गर दिल में हो कोई तो
शिकवा करो।
रिश्तों को ऐसे तोड़ा नहीं करते
एकदम से।।
मैत्री एक बार जो टूटी तो फिर
नहीं जुड़ेगी।
ये कोई रस्सी नहीं ये तो धागे
हैं रेशम से।।
प्यार के खातिर दोस्ती का दम
तोड़ते हो।
पर यार भी कम नहीं होते
किसी सनम से।।
दोस्ती तो दो दिलों का पवित्र
बन्धन है।
इसका ताल्लुक नहीं जन्मओ
जनम से।।
हम याद जब भी बीते दिनों
को करते हैं।
तस्वीर धुँधला जाती हैं आँखों
के नम से।।
बिन बताये दूर जाकर जो
इतना सताया है।
ए यारा! अब हम गिला करते
हैं तुम से।।
कभी याद आये तो मिलने
जरूर आना।
मेरे दोस्त तुम बेहद अज़ीज़ हो
कसम से।।

सोनल ओमर
कानपुर, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

स्कूलों का कुछ ऐसा ही हाल है

खिलखिलाते प्रसूनो की जगह
सर्वत्र सूखे पात है !
मासूम किलकारियों की जगह
बेरुख़ी सी वात है !
आजकल सरकारी स्कूलों का
कुछ ऐसा ही हाल है !!
गुनगुनाते सुमनो की जगह
खामोश सी आहट है !
नटखट कोलाहल की जगह
पक्षियों की चहचहाहट है !
आजकल सरकारी स्कूलों का
कुछ ऐसा ही हाल है !!
भँवरों की गुंजन की जगह
कीटकरकटो का मनोरंजन है !
सितोलिया, कब्बडी की जगह
काले कुत्ते की भागदौड़ है !
आजकल सरकारी स्कूलों का
कुछ ऐसा ही हाल है !!
MDM में बच्चों की जगह
चींटियों की कतारे है !
नीरव इस माहौल में रव हेतु
मोर, चिड़िया, कबूतर ही
हम शिक्षकों के सहारे है !
अब और क्याक्या कहु
आजकल सरकारी स्कूलों का
कुछ ऐसा ही हाल है !!

नीतु झारोटिया
अजमेर (राजस्थान)।
www.womenexpress.in

मैं औरत हूं

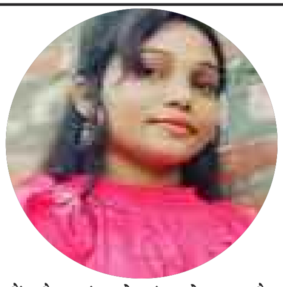

मैं औरत हूं, मुझे संभलने आता है
कमजोर नहीं हूं मै,मुझे
संभालने भीआता है।
ऐ जमाने तु ठहराया ना कर
मुझे गलत,
मुझे दुनिया को झुका के
जमाने को बदलने भी आता है।
मैं औरत हूं, मुझे संभलने
आता है
मैं औरत हूं , महाभारत की
द्रौपदी भी मैं हूं।
रामायण की सीता भी मैं हूं ।
मुझे दुर्योधन के सिंहासन का
लोभ का भी ज्ञान हुआ।
मुझे रावण के अहंकार का
भी ज्ञान हुआ।
कोशिश ना करना मुझे बुरी
नजर से देखने का,
क्यो कि दुर्गा भी मैं, काली भी
मैं , विधा की देवी सरस्वती भी मैं
जब भी कभी आंच आए ,
मेरी आबरू पर। मुझे पापियों से
लड़ के , बच के निकलना भी
आता है।
मैं औरत हूं मुझे संभलने आता है।
मैं चाहु तो आबरू के भूखे
लोगों को बर्बाद भी कर दूं ,
लेकिन मेरा आंचल ममता
और प्यार से भरी हुई है।
क्योकि इसी धरती पर मेरा
नाम मां भी है
प्यार करने वाली पत्नी और
स्नेह में डुबी बहन भी है।
इसी धरती पर मैंने श्री राम
और लक्ष्मन को जन्म दिया।
यही पर मैंने श्री कृष्ण और अर्जुन
जैसे धनुर्धर को जन्म दिया।
मेरे ही सोभागय से धरती पर
दानवीर कर्ण जैसे योद्धा
का जन्म हुआ।
इसी लिए मेरा दिल
पत्थर नहीं होता।
जो गलती मैंने कभी करी ही नहीं
उसके ताने सुन सुन के जीना
भी आता है।
मुझे इन टेड़ी मेंडी गलियों से
गुजरना आता है,
मैं औरत हूं, मुझे संभलने आता है।

डोली अनुप्रिया
पुर्णिया, बिहार ।
www.womenexpress.in

अजीब सी जंजीरें

इस धरा पर, गज़ब का प्राणी
है इंसान !
सदियों से, मन की जंजीरों से
जकड़ा है !!
इस धरा पर,एक समान सा
प्राणी है इंसान !
फिर भी, भेदभाव की जंजीरों
से जकड़ा है!!
इस धरा पर , बुद्धिमान
प्राणियों में है इंसान !
फिर भी, अछूत की जंजीरों से
जकड़ा है !!
इस धरा पर , गज़ब का प्राणी
है इंसान !
सदियों से , मन की जंजीरों से
जकड़ा है !!
इस धरा पर , सबका परममित्र
है इंसान !
फिर भी , स्वार्थ की जंजीरों से
जकड़ा है !!
इस धरा पर , प्रेम का प्रिय
रूप है इंसान !
फिर भी , ईर्ष्या की जंजीरों से
जकड़ा है !!
इस धरा पर , गज़ब का प्राणी
है इंसान !
सदियों से , मन की जंजीरों से
जकड़ा है !!
इस धरा पर , सदैव श्रेष्ट
कर्मशील है इंसान !
फिर भी , निठल्ले की जंजीरों
से जकड़ा है !!
इस धरा पर , समझदारी का
नाम है इंसान !
फिर भी , कुकर्मो की जंजीरों
से जकड़ा है !!
इस धरा पर , गज़ब का प्राणी
है इंसान !
सदियों से , मन की जंजीरों से
जकड़ा है !!
इस धरा पर , सहयोग कार्य में
श्रेष्ट है इंसान !
फिर भी , एकांत की जंजीरों
से जकड़ा है !!
इस धरा पर , सद्व्यवहार में
श्रेष्ट है इंसान !
फिर भी , दुश्मन की जंजीरों
से जकड़ा है !!

कुमार जितेन्द्र
बाड़मेर, राजस्थान
www.womenexpress.in

हार मानूँगा नहीं

ये हार एक विराम है ,
जीवन महासंग्राम है
तिल तिल जिऊंगा ,
पर कभी मैं भीख मांगूंगा नहीं
हार मानूंगा नहीं ,

स्वाभिमान ही सम्मान है ,
नहीं जीवन मरण समान है ,
हर पल रखूंगा पक्ष सच का ,
रार ठानूँगा नहीं ,
हार मानूंगा नहीं ,

माना कठिन है रास्ते ,
पर सर्वहित के वास्ते ,
हर दिन प्रयत्न करता रहूंगा ,
चुपचाप बैठूंगा नहीं ,
हार मानूंगा नहीं ,

चाहे मुझे संताप दो ,
चाहे मुझे आघात दो ,
कुछ भी करो कर्तव्य पथ से ,
किंतु भागूँगा नहीं ,
हर मानूंगा नहीं ,

तम से निकल प्रकाश में ,
यूं खुले आकाश में ,
अन्याय के भय से कभी ,
मैं ध्येय त्यागूंगा नहीं ,
हार मानूँगा नहीं ,

यह हार एक विराम है ,
जीवन महासंग्राम है ,
तिल तिल जिऊंगा पर कभी ,
मैं भीख माँगूंगा नही ,
हार मानूंगा नहीं ,

हनुमानसिंह राठेड़
बीकानेर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

कुछ अनकहा सा

सावन की बूंदों में भीगना
अच्छा लगता,,
तुम्हारे सँग चलना अच्छा लगता।
कभी तेज धूप कभी वो छाया,,
बादलों में सूरज का छिपना
अच्छा लगता।
वो मेरी तुम्हारी बाग की परछाई,,
तुम्हारा वो तस्वीर लेना अच्छा लगता।
वो मेरे केशुओ को रुख़सारो से हटाना,
तुम्हारा वो मुझे निहारना अच्छा लगता।
बारिश की बौछार का थमना
बुरा लगता,,
सावन के ये मौसम तुम संग
अच्छा लगता।
तेरा वो भीगते रहने की मनुहार करना,,
सच मे वो पल खूबसूरत सा लगता।
इंद्र धनुषी से वो खूबसूरत
लम्हो को,,
की यादों को सहेज कर रखना
अच्छा लगता।
वो मेरा मंद मंद मुस्कुराना और,,
तेरा वो चुपके चुपके देखना
अच्छा लगता।
आ जाओ फिर से वही
खुशनुमा मौसम,,
तुझे देखने को अब मन बेचैन
सा लगता।

अंजू जांगिड़
पाली(सोजतरोड), राजस्थान।
www.womenexpress.in

उन्मुक्त रहे हमारी स्वतंत्रता

महत्वाकांक्षा की धूमिल काली बदरी,
खोज रहे लाल, नीयत जिनकी गुदड़ी,
चतुराई की बिसात ओढ़े
सरलता की चुनड़ी,
दिखाए चंडी का रूप, जिनका
अंतर्मन घमंडी,

उन्मुक्तता जिनका राग, उन्मुक्त
जिसकी जिंदगी,
आंख बन्द करते जिनपर
विश्वास साथी संगी,
शिकंजे में बांधने की कोशिश,
देखना स्वप्न सतरंगी,
कैसे बने काफ़िला, आदमी
जब खुद हो मतलबी,

त्याग की बंशी, सहयोग का
सुर ताल,
निज स्वार्थ की ओट में नहीं
करना बबाल,
चालाकियों के कोष से रहे
बिल्कुल कंगाल,
नतमस्तक होते वहीं, हम जैसे
कई कंगाल,

शान शौकत, ऐशन फ़ैशन से
नहीं हमारा वास्ता,
हमें भाये सर्वजन हित, चाहे
दुर्गम हो रास्ता,
दौलत शोहरत के बुंलदियों की
ख्वाहिश नहीं,
उमनुक्तता हमारी पहचान,
उन्मुक्त रहे हमारी स्वतंत्रता...

बिपिन कुमार चौधरी
कटिहार, बिहार।
www.womenexpress.in

इश्क समंदर नैनों अंदर

इश्क समंदर नैनो अंदर,
डूब सके तो डूबे कोई ?
बाहर आना मुश्किल
होता,निकले वही अजूबे कोई।।

गहरायी जाने की इच्छा,
लेती सबकी रोज परीक्षा ।
पर हिम्मत ना बनती जल्दी,
मुश्किल होती इसकी शिक्षा।
आज तक नर कर नहीं पाया ,
पूरे मन मनसूबे कोई ।
बाहर आना मुश्किल होता,
निकले वही अजूबे कोई।।

जो भी कूदा, कह महबूबा ,
करके सच्चा प्यार कभी भी।
इन नैनों की गहरायी का ,
पाया ना विस्तार कभी भी।
बाहर ना कोई आ पाया ,
बेशक हो पनडुब्बे कोई।
बाहर आना मुश्किल
होता,निकले वही अजूबे कोई।।

आए बहुत समाने इसमें ,
पर कूदा ना कोई डरकर।
सफल हुए बाहर जाने में ,
भाग गए पलकों से झरकर।
आज तलक हिम्मत ना देखी ,
तैर किनारा छूदे कोई ।
बाहर आना मुश्किल होता,
निकले वही अजूबे कोई।।

इश्क समंदर नयनों अंदर,
जो भी कूदे खुद रम जाता।
जितनी भी गहरायी जाए ,
सोचे उतना ही कम जाता ।
गहरायी में घुसता जाए ,नहीं
बाहर की सूझे कोई ।
बाहर आना मुश्किल होता,
निकले वही अजूबे कोई।।

नफे सिंह योगी मालड़ा
महेंद्रगढ़, हरियाणा।
www.womenexpress.in

एक नजर

वैश्विक बाजारों के सुस्त रुख के बीच सेंसेक्स निफ्टी में मामूली बढ़त

मुंबई। वैश्विक बाजारों में सुस्ती के रुख तथा देश में कोविड19 के मामलों में लगातार बढ़ोतरी के बीच शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स दिन में कारोबार के दौरान 37,787.38 अंक के निचले स्तर पर जाने के बाद अंत में 15.12 अंक या 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 38,040.57 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 13.90 अंक या 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 11,214.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट्स का शेयर सबसे अधिक करीब चार प्रतिशत चढ़ गया। बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक तथा मारुति के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर टाइटन, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, सनफार्मा और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर में गिरावट आई। कारोबारियों ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन अमेरिका में सूचीबद्ध चीन की कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। इन खबरों से वैश्विक बाजारों का रुख कमजोर हुआ। इससे स्थानीय बाजारों में भी उतारचढ़ाव रहा। इसके अलावा कोविड19 के बढ़ते मामलों की वजह से भी निवेशकों में बेचैनी है। देश में पहली बार 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 60,000 से अधिक मामले आए हैं। देश में कोरोना वायरस संक्रमण का आंकड़ा 20 लाख को पार कर गया है। दुनियाभर में कोविड19 संक्रमण का आंकड़ा 1.9 करोड़ से अधिक हो गया है।

कोरोना के बीच जरुरी स्वास्थ्य सेवाओं पर भी दे जोरः डब्ल्यूएचओ

कोलकाता। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दक्षिणपूर्व एशियाई क्षेत्र के देशों से वैश्विक महामारी कोरोना वायरस 'कोविड19' के दौरान अन्य स्वास्थ्य सेवाओं पर भी जोर देने की अपील की है ताकि अन्य सेवाएं भी सुचारु रूप से चलती रहें। डब्ल्यूएचओ दक्षिणपूर्व एशिया क्षेत्र की निदेशक डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह ने आज इस क्षेत्र के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ एक वर्चुअल बैठक में अन्य स्वास्थ्य सेवाओं पर जोर देने की अपील करते हुए कहा, ''कोरोना महामारी के कारण दक्षिण पूर्वी एशियाई क्षेत्र के देशों में स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त असर पड़ा है। पिछली महामारी के प्रकोपों? से पता चला है कि एक प्रकोप के कारण आवश्यक सेवाओं में होने वाली दिक्कतें महामारी से भी अधिक घातक हो सकती हैं।'' कोरोना महामारी शुरू होने के बाद से स्वास्थ्य कर्मियों, वैकल्पिक देखभाल को रद्द करना, आउट पेशेंट सेवाओं को बंद करना, अपर्याप्त व्यक्तिगत सुरक्षात्मक उपकरण, उपचार नीति में परिवर्तन और आवश्यक सेवाओं की डिलीवरी महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित हुयी है। डॉ. खेत्रपाल सिंह ने कहा, ''आवश्यक सेवाओं को कैसे बनाए रखा जा सकता है उसे लेकर हमें अपने प्रमाण और ज्ञान के आधार को मजबूत करना चाहिए।

देश की पहली किसान रेल शुरू, किसान चढ़ा सकेंगे अपना पार्सल

रेलमंत्री पीयूष गोयल एवं कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर ने दिखाई हरी झंडी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 7 अगस्त भारतीय रेलवे ने देश की पहली किसान रेल की शुरुआत आज की। ट्रेन महाराष्ट्र के देवलाली से बिहार के दानापुर तक 30 अगस्त तक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चलेगी। रेलमंत्री पीयूष गोयल और केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा शुक्रवार को इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। जबकि महाराष्ट्र में राज्य के खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री छगन भुजबल भी उपस्थित थे। ये ट्रेन मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से हो कर गुजरेगी और करीब 14 स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन की खासियत ये है कि हर स्टेशन पर किसान अपना पार्सल चढ़ा सकेंगे और उतार भी सकेंगे। किसान रेल दूध, फल, सब्जी जैसी जल्दी खराब हो जाने वाली चीजों को बाजार तक पहुंचाने के साथ ही नेशनल कोल्ड सप्लाई चेन को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ये किसान ट्रेन हर शुक्रवार देवलाली से सुबह 11 बजे चलेगी। ये लगभग 1,500 किलोमीटर की यात्रा करीब 32 घंटों में तय करके अगले दिन शाम 6.45 पर दानापुर पहुंचेगी। इस दौरान नासिक रोड, मनमाड, जलगांव, भुसावल, बुरहानपुर, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, सतना, कटनी, मानिकपुर, प्रयागराज, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन और बक्सर में रुकेगी। स ट्रेन से जाने वाले पार्सल की बुकिंग स्टेशन पर ही की जा सकेगी। इसमें शुरुआत में 10 डिब्बे लगाए गए हैं, बाद में पायलट प्रोजेक्ट से मिली सफलता के आधार पर इसके डिब्बों की संख्या में बढ़ोतरी की जाएगी। इस ट्रेन का भविष्य भी पायलट प्रोजेक्ट पर टिका हुआ है। यदि ये सफल हुआ तो दूसरे मार्गों पर भी ऐसी और ट्रेनें चलाई जा सकेंगी। इस परियोजना की घोषणा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फरवरी में अपने बजट भाषण में की थी। इस ट्रेन में आगे चलकर कई तरह की चीजें एक राज्य से दूसरे राज्यों में भेजी जा सकेंगी।

पहली ट्रेन महाराष्ट्र के देवलाली से बिहार के दानापुर के बीच शुरू

इस मौके पर रेल मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की पहली किसान रेल के लिये अपना अमूल्य मार्गदर्शन और सुझाव दिये। उनकी इस प्रेरणा से रेलवे ने देश के किसानों के हित में अपने दायित्वों को निभाकर उन्हें पूर्ण करना सुनिश्चित किया।

वैश्विक महामारी कोविड19 के दौरान रेलवे और किसानों ने देश के कोने कोने में, किसी को भी, किसी भी वस्तु की कमी ना हो, यह सुनिश्चित किया। इस मौके पर केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि किसान रेल से सस्ती दरों पर कृषि उत्पादों, खासतौर से जल्दी खराब होने वाली उपज के परिवहन में मदद मिलेगी, और यह पहल किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य दिलाने में सहायक होगी। तोमर ने कहा कि भारतीय रेलवे ने कोविड19 महामारी के बीच देश भर में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 96 मार्गों पर 4,610 रेलगाड़ियों का संचालन किया।

किसान रेल में रेफ्रिजरेटेड कोच लगे होंगे

बता दें कि किसान रेल में रेफ्रिजरेटेड कोच लगे होंगे। इसे रेलवे ने 17 टन की क्षमता के साथ नए डिजाइन के रूप में निर्मित करवाया है। इसे रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला में बनाया गया है। इस ट्रेन में डिब्बे कंटेनर फ्रीज की तरह होंगे। मतलब यह एक चलता फिरता कोल्ड स्टोरेज होगा, इसमें किसान खराब होने वाले सब्जी, फल, फिश, मीट, मिल्क रख सकेंगे।

भारत आने वाले यात्री आज से 'एयर सुविधा' पोर्टल पर कर सकेंगे स्वघोषणा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 07 अगस्त । विदेशों से भारत आने वाले यात्रियों को स्वघोषित फॉर्म भरने और अनिवार्य क्वारंटीन से छूट प्राप्त करने के लिए 'एयर सुविधा' पोर्टल पर आवेदन करना होगा। 'एयर सुविधा' पोर्टल को दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने तैयार किया है। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि इस ऑनलाइन फॉर्म को नागरिक विमानन मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, हरियाणा, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों के सहयोग से विकसित किया गया है। भारत आनेवाले अंतरराष्ट्रीय यात्री इस पोर्टल पर अनिवार्य स्वघोषित फॉर्म भर सकते हैं और अनिवार्य क्वारंटीन प्रक्रिया से छूट प्राप्त करने के लिए 08 अगस्त से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। भारत आने के बाद क्वारंटीन से छूट के लिए इस पोर्टल पर उड़ान से कम से कम 72 घंटे पहले आवेदन अनिवार्य होगा। सिर्फ कुछ ही श्रेणी के यात्रियों को अनिवार्य संस्थागत क्वारंटीन से छूट दी जायेगी। सिर्फ गर्भवती महिलाओं, गंभीर रूप से बीमार लोगों और 10 साल या उससे कम उम्र के बच्चों के मातापिता तथा जिनके परिवार में किसी की मृत्यु हो गई हो, उन्हें ही इससे छूट मिलेगी।

अन्य यात्रियों को सात दिन तक संस्थागत क्वारंटीन में अनिवार्य रूप से रहना होगा। इसके अलावा यदि कोई यात्री विमान में सवार होने से 96 घंटे पहले कोविड19 की जाँच कराता है और उसकी रिपोर्ट निगेटिव आती है तो उसे भी संस्थागत क्वारंटीन से छूट मिल जायेगी। उसे घर पर ही 14 दिन तक क्वारंटीन रहना होगा।

क्वारंटीन से छूट के लिए ऑनलाइन आवेदन पर सरकार का फैसला अंतिम होगा तथा बाद में उसमें कोई बदलाव नहीं किया जायेगा। फिलहाल जारी व्यवस्था के तहत लोग भारत आने के बाद प्रवेश स्थान पर क्वारंटीन से छूट के लिए आवेदन करते हैं।

इसमें काफी समय लगता है और हवाई अड्डे के निकास पर लंबी कतारें लग जाती है। वहीं, स्वघोषणा पत्र उड़ान के पहले किसी भी समय तक भरा जा सकता है। सभी आवेदकों को आगमन के पहले ही पोर्टल के आधार पर संबंधित राज्य सरकार को स्वतः यात्रियों की जानकारी भेजी जायेगी। उसी तरह सभी स्वघोषणा पत्र आवेदन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत एयरपोर्ट स्वास्थ्य कार्यालय को भेज दिए जाएंगे।

किआ मोटर्स ने एसयूवी सोनेट से उठाया पर्दा, अगले महीने पेश करने की योजना

नई दिल्ली। कार बनाने वाली दक्षिण कोरियाई कंपनी किआ मोटर्स कॉरपोरेशन ने शुक्रवार को अपनी एसयूवी सोनेट को दुनिया के सामने रखा। कंपनी की योजना इसे अगले महीने भारतीय बाजार में पेश करने की है। सोनेट का विनिर्माण कंपनी आंध्र प्रदेश स्थित अपने अनंतपुर संयंत्र में करेगी। बाकी बाजारों के लिए इसका निर्यात यहीं से किया जाएगा। भारतीय बाजार में यह कंपनी की तीसरी पेशकश होगी। इससे पहले वह सेल्टोस और कार्निवाल को बाजार में उतार चुकी है। बाजार में यह हुंदै की वेन्यू, मारुति सुजुकी की ब्रेजा, महिंद्रा की एक्सयूवी300 और टाटा की नेक्सन से प्रतिस्पर्धा करेगी। इस श्रेणी में जल्द ही टोयोटा किर्लोस्कर की अर्बन क्रूजर और निसान की मैग्नाइट भी बाजार में आने की उम्मीद है। किआ मोटर्स कॉरपोरेशन के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हो सुंग सॉग ने कहा, ''इसमें किआ मोटर्स के नवीनतम उच्च प्रौद्योगिकी फीचर के साथसाथ आधुनिक डिजाइन का संगम किया गया है। सोनेट को कंपनी ने लोगों का पसंदीदा ब्रांड बनने के तौर पर विकसित किया है।

कोविड अस्पतालों की अव्यवस्था पर नाराज हुए सीएम योगी, कहा- मरीज वीडियो वायरल कर रहे

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

बरेली । कोरोना संक्रमित मरीजों का आंकड़ा बढ़ा तो सीएम योगी इलाज के इंतजामों को परखने शुक्रवार को बरेली आए। कमिश्नरी सभागार में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में सीएम ने प्रशासन और हेल्थ अफसरों के साथ मंडलीय समीक्षा मीटिंग की। कोविड का इलाज करने वाले अस्पतालों की व्यवस्था को लेकर सीएम ने नाराजगी जाहिर की।

सीएम ने कहा कि मरीज कोविड वार्ड की नेगेटिव वीडियो वायरल कर रहे हैं। ये वीडियो मुझ तक पहुंचती हैं। कोई इलाज में लापरवाही का वीडियो भेजता है। कोई खाने और कोविड वार्ड की सफाई पर सवाल उठाता है। इसको बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शुक्रवार दोपहर करीब 2.45 बजे कमिश्नरी सभागार में सीएम ने मैराथन समीक्षा मीटिंग शुरू की। चारों जिलों के डीएम ने कोविड कंट्रोल करने के लिए उठाए गए कदम के बारे में जानकारी दी। 1010 मिनट का पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन दिया। सैंपलिंग और पॉजिटिव मरीजों की जानकारी दी। मौत का आंकड़ा भी सीएम के सामने पेश किए। मरीजों की मौत के कारण भी मुख्यमंत्री को बताए गए। सीएम योगी का फोकस व्यवस्था को और दुरुस्त करने पर रहा। सीएम ने कहा कि मुझे सबसे अधिक दुखी इन दिनों कोविड वार्ड से वायरल होने वाली नेगेटिव वीडियो कर रहीं हैं। मरीज व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। कहीं से गंदगी का वीडियो आ रहा है। कोई एंबुलेंस और दवा न मिलने का वीडियो वायरल कर रहा है। इससे गलत संदेश जाता है। इस सिस्टम को सुधारना होगा। मरीज का रेस्पांस पीरियड कम करना होगा। सूचना आने के तुरंत बाद एंबुलेंस से मरीज को लाकर भर्ती करा दो। मरीज के हालत के मुताबिक उसको संबंधित अस्पताल में भेजना होगा। मरीजों को खाना मैन्यू के मुताबिक मिलना चाहिए। ऐसे इंतजाम होने चाहिए कि मरीज को निगेटिव वीडियो बनाने के बारे में सोचने की जरूरत ही महसूस न हो।

मीटिंग में एडीजी, कमिश्नर, चारों जिलों के डीएम और सीएमओ के साथ जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि विधायक की सिफारिश पर तुरंत एक्शन होना चाहिए। विधायकों को मरीज को भर्ती कराने और इलाज के बारे में जानकारी भी दी जाए। मुख्यमंत्री ने डोरटूडोर सर्वे पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मरीज के कांटेक्ट ट्रेसिंग बेहतर ढंग से होनी चाहिए। सैंपलिंग और बढ़ानी होंगी ताकि कोरोना संक्रमित मरीज सामने आ सकें। उनको इलाज मिल सके।

नागिन का बदला, आधुनिक युग मे नाग नागिन की पुरानी कहानी, खौफ में ग्रामवासी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

बहराइच । रूपईडीहा थाना क्षेत्र के चिलबिला गांव में इस समय रहस्यमयी घटना घट रही है और इसका जीता जागता उदाहरण एक दो लोग नहीं बल्कि हजारों लोग है। अब तक बागी नागिन ने गांव के राधेश्याम पुत्र भगीरथ उम्र 30, परमा देवी पत्नी राधेश्याम उम्र 28,जगरानी पत्नी भगीरथ उम्र 65,रजनेश पुत्र बीखा उम्र 20, झल्ले पुत्र मोती उम्र 40,मो. शमी पुत्र ताहिर उम्र 12,मनोज पुत्र मदन उम्र 8,देवी पुत्र लालजी उम्र 20,सरस्वती पुत्री सूबेदार उम्र 12,नेहा पुत्री जोगराज उम्र 11, मायावती पत्नी कुरकुट उम्र 50, मीना पुत्री गुल्ले उम्र 20को अपना निशाना बना चुकी है जबकि नागिन के काटने से मुनीश पुत्र शोभा उम्र 25 की मौत हो चुकी है।

ऐसे में गांव वालों का बागी नागिन ने जीना दुश्वार कर रखा है। आज आलम ये है की नागिन बदला लेने के लिए गांव में अगर लोगों को काट रही है। जिससे पूरा गांव खौफजदा है। आए दिन 3/4 लोगों को सांप के काटने से आस पास के पड़ोसी गावों में काफी चर्चा का विषय बना हुआ है।

गांव के भगीरथ व बीखा ने बताया की ये सिलसिला बीते नाग पंचमी से शुरू हुआ है, नाग पंचमी के दिन कुछ युवक गांव के पूरब दिशा में स्थित लहोरे बाबा के स्थल पर एक जोड़ा सांप में से एक सांप को मार देने से उसका जोड़ा आज गांव वालों के लिए मुसीबत का काल बना हुआ है। और देरसवेर किसी ना किसी ग्रामीण को निशाना बना रहा है। दहशत से गांव वालों को कब निजात मिलती है अभी कहना जल्दबाजी होगी। जबकि गांव वाले रात जाग जागकर अपने छोटे बच्चों की हिफाजत करने को विवश है।

एसडीएम कीर्ति प्रकाश ने किया हॉटस्पॉट क्षेत्र का निरीक्षण

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । एसडीएम कीर्ति प्रकाश भारती ने गुरुवार दोपहर स्वास्थ्य विभाग के दल के साथ कस्बे में बनाए गए हॉट स्पाट क्षेत्रों की व्यवस्थाओं को देखा निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने हॉट स्पाट क्षेत्र में आवागमन के साथ साथ लोगों के रहनसहन की व्यवस्था की भी जानकारी ली। विगत दिनों से पयागपुर क्षेत्र में कोरोना संक्रमित मरीजों का सिलसिला जारी है।

जिससे क्षेत्र में भयावाह की स्थिति बनी हुई है, वहीं चिकित्सक विभाग के अधिकारियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई हैं। कोरोना वायरस के डर से खौफजदा पुलिस प्रशासन दिन रात कोरोना की चेन तोड़ने के लिए मेहनत कर रहे हैं। एसडीएम ने क्षेत्र के बस स्टाफ पर बनाए गए हॉटस्पाट क्षेत्र में आवागमन की स्थिति के साथ साथ लोगों के रहनसहन व पुलिस द्वारा की जा रही निगरानी की जानकारी ली। एसडीएम ने बताया कि

कोरोना वायरस को रोकने के लिए लगातार स्वास्थ्य विभाग, पुलिस प्रशासन एकजुट होकर संघर्ष कर रहा है, स्वास्थ्य विभाग की ओर से एंटीजन किट से लगातार जांच करवाई जा रही है ऐसे में सभी क्षेत्रवासी अपने घरों में ही रहे , उन्होंने बिना किसी आवश्यक कार्य के अपने घर से बाहर न निकलने को नसीहत दी वहीं लोगों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की । इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक डॉ एन बी जायसवाल, बीपीएम अनुपम शुक्ल, ग्राम पंचायत अधिकारी अभिषेक सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहें।

पुलिस ने कच्ची जहरीली शराब बनाने वाले गिरोह को पकड़ा

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । जनपद बहराइच के थाना मूर्तिहा की पुलिस को आज बड़ी सफलता हाथ लगी जब उन्होंने नकली शराब बनाने वाले व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से उच्चाधिकारियीयों से प्राप्त दिशानिर्देश के क्रम में प्रभारी निरीक्षक मूर्तिहा सुबोध कुमार ने टीम गठित कर उप निरीक्षक सुरेंद्र प्रताप सिंह कांस्टेबल राहुल मिश्रा कांस्टेबल कमलेश कनौजिया कांस्टेबल दीपक कुमार कांस्टेबल सुग्रीव यादव के सहयोग से ग्राम प्रधान पुरवा दखलिया धरमपुर में दबिश देकर अभय उर्फ रामखेलावन पुत्र स्वर्गीय रंगीलाल रामप्रताप पासवान पुत्र बांके लाल को कच्ची अपमिश्रित जहरीली शराब बनाने व बेंचते गिरफ्तार किया जिनके विरुद्ध थाना स्थानीय पर मुकदमा अपराध संख्या 163/2020 धारा 60(2)**E& act** व 272 आईपीसी दर्ज कर माननीय न्यायालय बहराइच रवाना किया गया।

सिख इतिहास व इतिहास के स्रोतों की जाँच करवाने की माँग

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली (7 अगस्त 2020) तख्त श्री पटना साहिब के पूर्व जत्थेदार ज्ञानी इकबाल सिंह के द्वारा सिख गुरु साहिबानों की वंश के बारे दिए गए विवादित ब्यान पर जागो पार्टी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके ने जत्थेदार श्री अकाल तख्त साहिब को स्थिति स्पष्ट करते हुए कौम में पैदा हुई इस दुविधा को दूर करने की अपील की है। गुरु गोबिंद सिंह की रचना बचित्र नाटक तथा केसर सिंह छिब्बर रचित बंसावलीनामा को लेकर इस संबंधी कुछ विद्वानों के द्वारा दिए जा रहें संदर्भों पर ध्यान देने की ज्ञानी हरप्रीत सिंह को विनती करते हुए जीके ने कहा कि गुरमत मर्यादा उक्त वंश बताने वाली सोच को रद्द करती है तथा अमृत छककर खालसा बनने के बाद पुरानी वंश की सोच खत्म होने की परंपरा के बारे में हम सभी जानते है। इसलिए गुरु साहिबानों के वंश प्रचार के बारे में छपे इतिहासिक स्रोतों को दुबारा से देखना बहुत जरूरी हो जाता है। इसके साथ ही सवाल पैदा होता है कि कहीं किसी ने इतिहास में छेड़छाड़ करके हमें गुरु सिद्धांतों से तोड़ने के लिए कहीं कोई मिलावट तो नहीं की थी ? जीके ने

कहा कि जिस प्रकार इतिहास और इतिहास के स्रोतों में मिलावट की आशंका व्यक्त की जा रहीं है, वो सच भी हो सकती है। क्योंकि गुरु गोबिंद सिंह के द्वारा आनंदपुर साहिब का किला छोड़ने के बाद हमारे कई इतिहास के स्रोत समाप्त हो गए थे। बाबा बंदा सिंह बहादर की शहीदी के बाद सिख मिसलों के अस्तित्व में आने के बीच के लंबे समय दौरान सिख ज्यादातर जंगलों में रहते थे। इस वजह से उस समय गुरुधामों पर गुरमत विरोधी सोच काबिज हो गई थी। जिसकी छाया पूर्ण तौर पर 1920 में शिरोमणी कमेटी के अस्तित्व में आने के बाद हटी थी। इन लोगों ने अपनी सोच को गुरमत की सोच वाले इतिहास के स्रोतों से मिलाकर छेड़छाड़ ना की हो, ऐसा कहना आसान व तर्कसंगत नहीं होगा। इसलिए इतिहास के सभी स्रोतों की जाँच गुरमत की कसौटी पर करने का अब समय आ गया है। किसी दुसरे को दोष देने की बजाए हमें अपने घर को सुरक्षित करना पहले जरूरी है। जीके ने बिना प्रमाणित तथ्यों के गलत इतिहास पढ़ने या सुनाने वाले प्रचारकों और नेताओं के खिलाफ कड़ी कानूनी व धार्मिक सजा लगाने या दिलवाने की वकालत करते हुए इस संबंधी एक ढाँचा विकसित करने की जत्थेदार को सलाह दी है।

एक दिन में कोरोना ने जड़ा 3 शतक, कुल 4 हजार के पार

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में अस्पतालों की दुर्व्यस्था के चलते कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। इसमें बीएचयू की दशा बेहद खराब है। गुरुवार व शुक्रवार को तो पूरे दिन शोशल मीडिया वाट्सप, फेबबुक व ट्विटर पर ट्रेंड करता रहा 'बीएचयू अस्पताल नहीं यमराज हो गया है तो कोई इसे मौत का कुआं बता रहा था। फिरहाल, काशी सहित पूरे पूर्वांचल में कोरोना का संक्रमण कम होने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को सुबह 11 बजे तक ही 171 मरीजों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई, वहीं शाम को भी 141 कोरोना संक्रमित पाए गए। इस तरह कुल 312 मरीजों के बाद प्रतिदिन मिलने वाले मरीजों का रिकॉर्ड फिर से टूट गया। जबकि दो मरीजों की मौत भी हुई है। इसके साथ ही अब कुल संक्रमित मरीजों की संख्या भी चार हजार के पार पहुंच गई है।

सीएमओ डॉक्टर वीबी सिंह ने बताया कि बीएचयू से मिली सैंपल की रिपोर्ट में अलगअलग जगहों से 312 नए मरीज मिले हैं। दो की मौत हुई है। कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 4065 हो गई है। अब तक 77 की मौत, 2205 के डिस्चार्ज के बाद अब 1783 एक्टिव केस हो गए हैं। इसके पहले गुरुवार देर रात यूपी

के स्टांप एवं पंजीयन राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार रवींद्र जायसवाल के परिवार के कुछ सदस्यों की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई।

इस बारे में मंत्री ने खुद ट्वीट करके जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट किया कल परिवार के सदस्यों का सुरक्षा कारणों से कोविड 19 का टेस्ट करवाया, प्रारंभिक रिपोर्ट में परिवार के कुछ सदस्य पॉजिटिव पाए गए हैं और संक्रमित सदस्य होम आइसोलेशन में हैं। जिस कारण घर को कुछ दिन के लिए लॉक किया गया है। आप लोग भी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। नए मरीजों में 10 साल से कम उम्र के 6 बच्चे और डीएलडब्ल्यू रेलवे कॉलोनी में आठ, सिकरौल में चार, सुश्रुत हॉस्पिटल बीएचयू में दो और लेडी डॉक्टर हॉस्टल बीएचयू में भी एक जूनियर डाक्टर भी संक्रमित हुई है। एंबुलेंस सेवा के नाम पर वसूला जा रहा दोगुना किराया

कोविड19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर केंद्र व राज्य सरकारें स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने में जी जान से जुटी हैं। जिला स्तर पर भी इस पर अमल कराने को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मगर कुछ ऐसे भी लोग हैं तो इस संकटकाल को खुद के लिए अवसर मान रहे हैं और लोगों की मजबूरी का फायदा उठाने से नहीं चूक रहे। इसका एक उदाहरण निजी एंबुलेंस संचालक हैं, जो सेवा के बदले औनीपौनी कीमत वसूल रहे हैं। कहींकहीं दोगुने से भी अधिक कीमत वसूली जा रही है। बावजूद इसके परेशानी को देखते हुए लोग अधिक कीमत देने को भी तैयार हैं। अधिकतर निजी एंबुलेंस ड्राइवर आम दिनों की अपेक्षा अधिक पैसे की मांग कर रहे हैं।

निजी वाहन कम चलने के कारण आमजनों की मजबूरी है कि यदि उनके यहां कोई बीमार हो जाय तो उसके लिए हॉस्पिटल जाने के लिए बस एक विकल्प है और वह है एंबुलेंस। कोरोना संक्रमण की वजह से जो सरकारी एंबुलेंस शहर में हैं, वे भी अधिकतर समय बुक ही रह रही हैं। कोरोना संकट की वजह से उन पर भी लोड बढ़ गया है। ऐसे में निजी एंबुलेंस ही सहारा बने हैं। शहर में ही एक स्थान से दूसरे तक जाने के लिए दो हजार से अधिक रुपयों की मांग की जा रही है।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारीः
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुनील पाण्डेय ने आदित्य ग्राफिक्स INC, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व ई–4/168, गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

जम्मू-कश्मीर में 4जी इंटरनेट मामले पर कमेटी गठित नहीं, सुनवाई टली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू कश्मीर में 4जी इंटरनेट के मामले पर अभी तक किसी कमेटी का गठन नहीं होने पर दायर अवमानना याचिका पर आज सुनवाई फिर टाल दिया है। जस्टिस एनवी रमना की अध्यक्षता वाली बेंच ने 11 अगस्त को अगली सुनवाई करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि आगे अब सुनवाई टाली नहीं जाएगी। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जम्मूकश्मीर के नए उपराज्यपाल कल ही नियुक्त हुए हैं। वे इस मामले में जवाब देने के लिए समय की मांग कर रहे हैं। जस्टिस रमना ने मेहता से पूछा कि हम जमीनी हकीकतों से अलग यह जानना चाहते हैं कि क्या कुछ इलाकों में 4 जी इंटरनेट शुरू करना संभव है। मेहता ने कहा कि नए उपराज्यपाल के कार्यभार संभालने के बाद कुछ स्थितियां बदली हैं जिन पर विचार करना जरूरी है। इसका वकील हुफैजा अहमदी ने विरोध करते हुए कहा कि पहले सॉलिसिटर जनरल कह रहे थे कि जवाब देने की जरूरत नहीं है, अब कह रहे हैं कि जवाब देंगे। कोर्ट ने पिछली 16 जुलाई को केंद्र सरकार और जम्मू कश्मीर प्रशासन को नोटिस जारी किया था। याचिका फाउंडेशन ऑफ मीडिया प्रोफेशनल्स ने दायर की है। पिछली 11 मई को सुप्रीम कोर्ट ने जम्मूकश्मीर में 4जी इंटरनेट की मांग करने वाली याचिका खारिज करते हुए 4जी की जरूरत पर विचार करने के लिए केंद्र सरकार को एक हाई पावर्ड कमेटी का गठन करने का निर्देश दिया था।

नेटफ्लिक्स अब हिंदी में भी उपलब्ध

नई दिल्ली। विश्व की अग्रणी स्ट्रीमिंग एंटमनोरंजन कंपनी नेटफ्लिक्स ने शुक्रवार को हिंदी में अपना यूजर इंटरफेस लॉन्च किया। कंपनी ने आज इसे लांच करते हुए कहा कि अपनी पसंदीदा भारतीय एवं अंतराष्ट्रीय फिल्मों और सीरीज देखने के इच्छुक दर्शक अब उसे हिंदी में तलाश कर सकेंगे। साईन इन से लेकर सर्च रो, कलेक्शन एवं भुगतान तक नेटफ्लिक्स का संपूर्ण अनुभव मोबाईल, टीवी एवं वेब सहित सभी उपकरणों पर हिंदी में उपलब्ध होगा। नेटफ्लिक्स के उपयोगकर्ता अपने डेस्कटॉप, टीवी या मोबाईल ब्राउजर में जाकर ‘मैनेज प्रोफाईल्स’ चुनकर भाषा विकल्प से हिंदी यूजर इंटरफेस में जा सकेंगे। नेटफ्लिक्स पर सदस्य हर खाते में अधिकतम पांच प्रोफाईल सेट कर सकते हैं और हर प्रोफाईल की अपनी अलग भाषा सेटिंग होगी। भारत के बाहर रहने वाले नेटफ्लिक्स सदस्यों को भी अपना यूजर इंटरफेस हिंदी में बदलने का विकल्प होगा। इस अवसर नेटफ्लिक्स इंडिया की कंटेंट उपाध्यक्ष मोनिका शेरगिल ने कहा, ‘नेटफ्लिक्स का बेहतरीन अनुभव प्रदान करना हमारे लिए उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना बेहतरीन कंटेंट का निर्माण करना।

ग्वालियर में मास्क न लगाने वालों से वसूला गया 22 लाख रुपये जुर्माना

ग्वालियर/भोपाल । मध्य प्रदेश में कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए अनिवार्य तौर मास्क पहनने का अभियान चलाया जा रहा है। ग्वालियर जिले में मास्क का उपयोग न करने वालों पर जुर्माना लगाने के साथ ही उन्हें निःशुल्क मास्क दिए जा रहे है। यहां मास्क न पहनने वालों से अब तक बतौर जुर्माना 22 लाख रुपये वसूले गए हैं। गुरुवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान द्वारा राज्य में कोरोना की स्थिति और व्यवस्थाओं की समीक्षा के दौरान बताया गया कि ग्वालियर में गत एक सप्ताह में पॉजिटिविटी रेट 10 प्रतिशत आया है। जिले में मास्क न पहनने पर अभी तक 22 लाख रूपए के चालान काटे गए हैं। मास्क न पहनने पर यहां प्रति 100 रूपए का जुर्माना लगाया जा रहा है। हालांकि उन्हें निःशुल्क मास्क दिए जाते हैं।

ग्वालियर के जिलाधिकारी कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने विशेष तौर पर बनाई गई कोरोना स्क्वोयड को रवाना करते हुए कहा है कि ये स्क्वोयड शहर के विभिन्न बाजारों में घूमघूमकर सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क पहनने तथा भीड़भाड़ न होने देने जैसे निर्देशों का कड़ाई से पालन करायेंगी। साथ ही मास्क न पहनने वालों और सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन करने वालों से जुर्माना भी वसूलेंगी।

रेलवे ने खत्म की ब्रिटिश काल का खलासी सिस्टम

अब भारतीय रेलवे में नहीं होगी खलासी की भर्ती, खत्म हुई व्यवस्था

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 7 अगस्त । भारतीय रेलवे ने ब्रिटिश काल से चली आ रही खलासी सिस्टम को खत्म कर दिया है। अब आगे से समूचे रेलवे में खलासी पद पर नई भर्तियां नहीं की जाएगी। साथ ही 1 जुलाई 2020 से इन पदों पर की गई नियुक्तियों की भी समीक्षा की जाएगी। रेलवे बोर्ड ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। यह पद खासकर रेलवे के वरिष्ठ अफसरों की सेवा के लिए उनकी कोठियों पर तैना किया जाता रहा है। दरअसल खलासी का काम अंग्रेजों के शासन के काल में रेलवे के अधिकारियों के आवासों में तैनात चपरासियों की तरह होती थी। देश आजाद हुआ लेकिन यह व्यवस्था जारी रही। चूंकि इस पद पर तैनाती का अधिकार वरिष्ठ अधिकारियों को ही होता है, इसलिए कहीं पैसा लेकर तो कहीं परिचितों को नौकरी पर रख लिया जाता रहा है। इसमें कुछ दिन तक पहले अस्थायी फिर स्क्रीनिंग करके स्थायी रेलवे की नौकरी पर रख लिया जाता था। हालांकि, ज्यादातर कर्मचारियों का शोषण भी होता रहा है। खासकर अधिकारियों की पत्नियां इन कर्मचारियों का बहुत ज्यादा शोषण करती हैं।

रेलवे बोर्ड ने जारी किया आदेश पहले की भर्तियों की होगी समीक्षा

रेलवे बोर्ड ने आदेश में कहा है कि टेलीफोन अटेंडेंट सह डाक खलासी (टीएडीके) संबंधी मामले की समीक्षा की जा रही है। आदेश में कहा गया है कि टीएडीके की नियुक्ति संबंधी मामला रेलवे बोर्ड में समीक्षाधीन है, इसलिए यह फैसला किया गया है कि टीएडीके के स्थानापन्न के तौर पर नए लोगों की नियुक्ति की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई जानी चाहिए और न ही तत्काल नियुक्ति की जानी चाहिए। इसके अलावा, एक जुलाई 2020 से इस प्रकार की नियुक्तियों को दी गई मंजूरी के मामलों की समीक्षा की जा सकती है और इसकी स्थिति बोर्ड को बताई जाएगी। इसका सभी रेल प्रतिष्ठानों में सख्ती से पालन करने का आदेश दिया गया है।

बता दें कि अस्थायी कर्मी के तौर पर रेलवे में भर्ती होने पर टीएडीके कर्मी करीब तीन साल की जांच प्रक्रिया के बाद चतुर्थ श्रेणी के कर्मी बन जाते हैं। इससे पहले, दूरदराज के इलाकों में तैनात या असुविधाजनक समय पर काम करने वाले अधिकारियों के लिए टीएडीके नियुक्त किए जाते थे, ताकि उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। टीएडीके फोन कॉल सुनने या फाइलें लानेले जाने के काम में मदद करते थे। इन टीएडीके कर्मियों को अकसर टिकट जांचकर्ता, कुली, वातानुकूलित डिब्बों के लिए मैकेनिक और रसोइया बना दिया जाता था। एक वरिष्ठ अधिकारी की माने तो समय के साथ टीएडीके की भूमिका घरेलू सहायकों और उसके बाद कार्यालय चपरासी तक सिमट गई। टीएडीके कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतों के बीच रेलवे ने इस पद की समीक्षा के आदेश दिए थे और नीति की समीक्षा के लिए रेलवे मंडल के नौ सदस्यों की एक संयुक्त सचिव स्तर की समिति बनाई थी। टीएडीके कर्मी के लिए शैक्षणिक योग्यता आठवीं कक्षा उत्तीर्ण करना है। इन कर्मियों को प्रति माह 20,000 से 25,000 रुपए वेतन दिया जाता है। साथ ही रेलवे के चतुर्थ श्रेणी के कर्मियों के समान लाभ दिए जाते हैं।

रिजर्व बैंक ने देश का असली मिजाज जाहिर कर दियाः राहुल

नई दिल्ली, 07 अगस्त । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जीडीपी विकास दर के नकारात्मक रहने की आशंका जताने को लेकर शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय बैंक ने देश के असली मिजाज को जाहिर कर दिया है। उन्होंने ट्वीट किया, ‘‘आरबीआई ने देश के असली मिजाज को जाहिर कर दिया है। लोगों का विश्वास अब तक के सबसे निचले स्तर पर है।

भय और असुरक्षा अब तक के सबसे उच्चतम स्तर पर है।’’ कांग्रेस नेता ने दावा किया, ‘‘अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर और अधिक बुरी खबरों का अंदेशा है।’’ गौरतलब है कि रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बृहस्पतिवार को आगाह किया कि कोविड19 महामारी का संक्रमण लम्बे समय तक खिंचा तो उससे घरेलू अर्थव्यवस्था की हालत और खराब हो सकती है।

शिवराज ने सोनिया से की कैप्टन अमरिंदर की शिकायत

बासमती चावल का विवाद गहराया, सोनिया गांधी के यहां पहुंचा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 7 अगस्त । बासमती चावल को लेकर दो राज्यों मध्य प्रदेश और पंजाब के बीच छिड़ा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसको लेकर दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री किसानों को ढाल बनाकर भिड़ और अपनी बात पर अड़ गए हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद शुक्रवार को इसी मसले पर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर हस्तक्षेत की मांग की है। साथ ही पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की सोनिया गांधी से शिकायत की है। शिवराज सिंह ने पत्र में कहा कि अत्यंत दुख हो रहा कि कांग्रेस शासित राज्य पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह अनुचित एवं दुर्भावना पूर्ण बात कर रहे हैं। उनकी बात किसान विरोधी और मध्य प्रदेश विरोधी है तथा कांग्रेस के किसान विरोधी चरित्र को उजागर करता है। शिवराज सिंह ने याद दिलाया कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बन जाने पर राहुल गांधी ने 10 दिन में किसानों के कर्ज माफी की घोषणा की थी। लेकिन यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने

इसे मजाक बना दिया। किसानों को बारबार वादे किए कर्ज माफी के, पर हकीकत में कुछ नहीं हुआ। फसल बीमा का प्रीमियम का भी कमलनाथ सरकार ने नहीं भरा, जिससे किसानों को दावा राशि नहीं मिल पाई। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने सोनिया गांधी को लिखे पत्र में बताया कि उनकी सरकार ने आते ही सबसे पहले 22 सौ करोड़ रुपये की शेष राशि फसल बीमा के प्रीमियम की भरी तब जाकर किसानों को फसल बीमा का दावा राशि प्राप्त हुई। सरकार द्वारा किसानों को जीरो ब्याज पर दिए जाने वाले फसल रिण को भी कांग्रेस की सरकार ने बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि आखिर मध्य प्रदेश के किसानों से कांग्रेस की क्या दुश्मनी है? उन्होंने सोनिया गांधी को बताया कि पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर इ्क्षसह मध्य प्रदेश के बासमती को जीआई टैग दिए जाने के मामले को पाकिस्तान से जोड़कर घटिया राजनीति की कोशिश कर रहे हैं। पाकिस्तान कि साथ कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपेडा) के मामले का मध्य प्रदेश के दावों से कोई संबंध नहीं है। इसके साथ ही अमरिंदर सिंह का यह कहना भी गलत है कि इससे पंजाब और अन्य राज्यों के हित प्रभावित होंगे, जबकि सच्चाई यह है कि पंजाब और हरियाणा के बासमती निर्यातक मध्य प्रदेश से बासमती चावल खरीद रहे हैं। केंद्र सरकार के निर्यात के आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं। लिहाजा, अमरिंदर इ्क्षसह द्वारा झूठे तथ्यों के आधार पर मध्य प्रदेश के किसानों को नुकसान पहुंचाने वाला कार्य कांग्रेस के लिए कितना उचित है? मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से पूछा कि कांग्रेस पार्टी मध्य प्रदेश के किसानों के खिलाफ क्यों खड़ी है? कांग्रेस शासित राज्यों की किसानों के प्रति संवेदनहीनता बहुत पीड़ा दायक है।

महिलाओं, छोटे कारोबारियों के लिए जमाएं लेने वाला सूक्ष्म ऋण संगठन बनाने की योजना

(विशेष संवाददाता)

मुंबई, 07 अगस्त। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि सरकार महिलाओं और छोटे कारोबारियों को जल्द से जल्द से 10 लाख रुपये तक का कर्ज देने के लिए जमाएं स्वीकार करने वाला एक ‘सामाजिक सूक्ष्मवित्त संगठन’ गठित करने की योजना बना रही है।

उन्होंने कहा कि यह विचार नोबेल पुरस्कार से सम्मानित और बांग्लादेश के ग्रामीण बैंक के संस्थापक मोहम्मद यूनुस के साथ एक चर्चा के दौरान आया।

एमएसएमई और सड़क परिवहन तथा राजमार्ग मंत्री ने कहा कि इसकी पुष्टि वित्त मंत्रालय और ‘‘शीर्ष प्राधिकरण’’ के साथ चर्चा के बाद की जाएगी। भारत में पहले ही देश के विभिन्न हिस्सों में सूक्ष्म ऋण देने वाले संगठन हैं, और इनमें से कुछ लघु वित्त बैंक के रूप में काम भी कर रहे हैं, जिससे उन्हें जमाओं तक पहुंच मिलती है। उल्लेखनीय है कि नीतिनिर्माओं द्वारा जमाएं लेने की इजाजत बेहद सावधानी के साथ दी जाती है।

फिक्की एफएलओ के साथ बातचीत में गडकरी ने कहा कि सरकार ऐसी व्यवस्था के बारे में विचार कर रही है, जहां तीन दिनों में महिला उद्यमियों को 10 लाख रुपये तक का ऋण दिया जा सकता है। इस व्यवस्था के बारे में समझाते हुए उन्होंने कहा, ‘‘आप (वित्तपोषण इकाई) पंजीकरण करा सकते हैं। आपको आरबीआई से लाइसेंस मिलेगा, आप जमा राशि स्वीकार कर सकते हैं और छोटे लोगों को ऋण दे सकते हैं। हम इस तरह का तंत्र विकसित कर रहे हैं। हम लाल फीताशाही के बिना बेहद सरल प्रक्रिया के साथ सामाजिक सूक्ष्म और लघु संस्थानों के लिए इस तरह की व्यवस्था विकसित कर रहे हैं।’’ उन्होंने कहा कि इस संबंध में नीति आयोग पहल कर रहा है और इसके आधार एक नीति बनाई जाएगी। गडकरी ने कहा, ‘‘सभी छोटे लोगों को धन मिलेगा। विचार यह है कि हम ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार की संभावना कैसे बना सकते हैं।’’ उन्होंने स्वीकार किया कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और साथ ही देश भर में औद्योगिक क्लस्टर बनाने की जरूरत पर जोर दिया।

मस्जिद शिलान्यास कार्यक्रम पर दिए गए बयान के लिए माफी मांगें योगी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या में मस्जिद निर्माण को लेकर दिए गए बयान पर समाजवादी पार्टी ने माफी की मांग की है। राम मंदिर भूमि पूजन के बाद सीएम योगी ने एक निजी चैनल से बात करते हुए कहा था कि योगी और हिंदू होने के नाते वह अयोध्या में मस्जिद के संगएबुनियाद (आधारशिला) में नहीं जाएंगे। सीएम के इसी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए समाजवादी पार्टी ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें अपने इस बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि वह पूरे राज्य के मुख्यमंत्री हैं। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता पवन पांडेय ने कहा, ऐसा कह कर योगी जी ने अपनी उस शपथ का उल्लंघन किया है जो उन्होंने मुख्यमंत्री पद ग्रहण करने के पहले ली थी। वह पूरे राज्य के मुख्यमंत्री हैं न कि केवल हिन्दुओं के। प्रदेश में हिन्दू और मुसलमानों की जो भी आबादी हो, वह सभी के मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्री की यह भाषा गौरव को कम करती है। पांडेय ने कहा, उन्हें इसके लिए लोगों से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री के इस बयान के बारे में जब कांग्रेस के मीडिया संयोजक लल्लन कुमार से बात की गई तो उन्होंने कहा, हमें उनके मस्जिद पर दिए गए बयान के बारे में कुछ नही कहना है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री को मालूम होना चाहिए कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी अयोध्या गए थे और ताला खुलवाया था। वे गलत हिन्दुत्व की राजनीति कर रहे हैं जबकि कांग्रेस हमेशा लोगों की भलाई के लिए काम करती है। भगवान राम सबके हैं जबकि भाजपा दिखाना चाहती है कि राम केवल उनके हैं, यह उनकी गलतफहमी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को एक निजी टीवी चैनल को दिए गए साक्षात्कार में कहा था, एक योगी और हिन्दू होने के नाते वह अयोध्या में मस्जिद के शिलान्यास समारोह में नही जाएंगे। उन्होंने कहा था, अगर आप एक मुख्यमंत्री की हैसियत से यह सवाल पूछ रहे हैं तो मुझे किसी धर्म, मान्यता या समुदाय से कोई परहेज नहीं है।

पीओके की लेपाघाटी में भारत का मिसाइल अटैक, कई चैकियां तबाह

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 07 अगस्त । तंगधार सेक्टर में शुक्रवार सुबह पाकिस्तान सेना की गोलीबारी में 6 भारतीय नागरिक घायल हुए हैं। इसके जवाब में भारतीय सेना ने पीओके की लेपाघाटी में मिसाइल अटैक किया, जिसमें पाकिस्तानी सेना के 4 सैनिक मारे गए। उनमें एक मेजर भी है। भारत की इस जवाबी कार्रवाई में 12 से अधिक पाकिस्तानी सैनिक घायल भी हुए हैं। भारतीय सेना ने लेपाघाटी में पाक सेना की कई चैकियों को मिसाइल से निशाना बनाकर तबाह कर दिया। इसके अलावा गाइडेड तोपखाने के गोले और मोर्टार के साथ दुश्मन के ठिकानों को निशाना बनाया। पीओके के पांच लांचिंग पैड्स पर करीब 300 आतंकी भारत में घुसपैठ करने की फिराक में हैं। पाकिस्तान ने पीओके के जिस इलाके मुजफ्फराबाद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रैली करने की चुनौती दी है, उसी इलाके में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के करीब इस वक्त करीब 300 आतंकी भारत

में घुसपैठ करने के लिए तैयार बैठे हैं। खुफिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत के तंगधार सेक्टर के ठीक सामने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मुजफ्फराबाद में लीपावैली, दुधनियाल, केल, जोरा और अथमुकाम आतंकियों के लांचिंग पैड्स हैं। भारत ने 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान पीओके के लीपावैली और केल में स्थित आतंकी लांच पैड्स को तबाह किया था लेकिन इसके बाद अब फिर से आतंकियों के ये अड्डे चालू कर दिए गए हैं। ठंड के दिनों में बर्फबारी, धुंध की चादर और कोहरा से एलओसी पर दृश्यता (विजिविलिटी) शून्य हो जाने की वजह से यह मौसम आतंकियों की घुसपैठ के लिए मुफीद माना जाता है। सीमा पर अभी से धुंध और कोहरा छाने लगा है लेकिन आतंकियों को अभी और ठंड बढ़ने का इंतजार है। पीओके के आतंकी लांच पैड्स के ठीक सामने एलओसी पर 11 हजार फीट की ऊंचाई पर खून जमा देने वाली ठंड के बीच मुस्तैद बज्र डिवीजन के भारतीय सैनिकों की कड़ी चैकसी है, जिसकी वजह से अभी लीपावैली, दुधनियाल, अथमुकाम से आतंकी घुसपैठ में कामयाब नहीं हो पा रहे हैं।

यूपी में कोरोना के 4466 नए मामले 24 घंटे में हुई 63 लोगों की मौत

लखनऊ । तमाम कोशिशों के बाद उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले काफी तेजी से बढ़ रहे हैं। शुक्रवार को भी राज्य में कोविड19 के 4466 मामलों की पुष्टि हुई है। अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि बीते 24 घंटे के दौरान कोरोना महामारी की चपेट में आकर 63 लोगों की जान गई है।

उन्होंने कहा कि 4466 नए मामलों के साथ राज्य में संक्रमितों की संख्या अब बढ़कर 1 लाख 13 हजार 378 हो गई है। कुल मामलों में से 66 हजार 834 लोग इलाज के बाद पूरी तरह ठीक हो चुके हैं और उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है।

अवस्थी ने बताया कि गुरुवार को राज्य में 3432 लोग कोरोना को मात देने में कामयाब रहे थे। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि बीते 24 घंटे में 63 मौतों के साथ कुल मृतकों की संख्या अब 1981 हो गई है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग लगातार ज्यादा से ज्यादा टेस्ट कर रहा है। गुरुवार को प्रदेश में 95 हजार 737 सैंपल्स की जांच हुई। इस तरह अब तक उत्तर प्रदेश में कुल 28 लाख 93 हजार 424 नमूनों की जांच हो चुकी है।

हम अभी भी अपनी टेस्ट क्षमता को बढ़ा रहे हैं। कोरोना के खिलाफ लड़ाई में ज्यादा से ज्यादा टेस्टिंग करना एक प्रमुख हथियार की तरह है।

अपर मुख्य सचिव अवस्थी ने कहा कि हम कोविड गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करा रहे हैं। नियमों को नहीं मानने वालों के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। अभी तक धारा 188 के अंतर्गत कुल 1 लाख 74 हजार एफआईआर दर्ज की गई है।

साढ़े तीन लाख से ज्यादा लोगों को नामजद किया गया है। 66 हजार 600 से अधिक वाहनों को सीज किया गया है और 59 करोड़ 13 लाख रुपए चेकिंग दौरान वसूले जा चुके हैं।

आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए लोगों से सीधा संवाद शुरू होगा

मनोज सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल पद की ली शपथ, देगें विकास में गति

(विशेष संवाददाता)

श्रीनगर, 7 अगस्त । जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल के तौर पर शुक्रवार को शपथ लेने के बाद मनोज सिन्हा ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश का प्रशासन अनिश्चितता की स्थिति और आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए जल्द लोगों से सीधा संवाद शुरू करेगा।

जम्मूकश्मीर की मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल ने राज भवन में आयोजित , सादगीपूर्ण कार्यक्रम में 61 वर्षीय सिन्हा को पद की शपथ दिलाई। उन्होंने यह भी कहा कि वह प्रदेश में विकास को गति देना चाहते हैं। सिन्हा ने शपथ लेने के बाद संवाददाताओं से कहा, पांच अगस्त जम्मूकश्मीर के इतिहास में बहुत खास दिन है। कई वर्षों के अलगाव के बाद, जम्मूकश्मीर राष्ट्रीय मुख्यधारा में शामिल हुआ। मुझे बताया गया कि कई काम जो वर्षों में पूरे नहीं हुए थे, उन्हें पिछले एक साल में पूरा कर लिया गया। उन्होंने कहा, मैं उस विकास को गति देना चाहता हूं। पांच अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर को अनुच्छेद 370 के तहत मिले विशेष दर्जे को खत्म कर दिया गया था और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मूकश्मीर तथा लद्दाख में बांट दिया गया था। अपनी प्राथमिकताएं रेखांकित करते हुए, सिन्हा ने शांति और स्थिरता की वकालत की और कहा कि संविधान की शक्ति का इस्तेमाल लोगों की भलाई और जम्मूकश्मीर के विकास के लिए होगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, हमें जम्मू कश्मीर के आम लोगों से संवाद स्थापित करने की आवश्यकता है।’’ उन्होंने कहा, इसमें हमारा कोई एजेंडा नहीं है, किसी के भी खिलाफ कोई भेदभाव नहीं होगा। इसमें संविधान गीता होगी।’’ सिन्हा ने कहा कि लोगों के साथ संवाद की प्रक्रिया कुछ दिनों में शुरू होगी। उपराज्यपाल ने कहा, जम्मू कश्मीर में शांति एवं स्थिरता

कायम होनी चाहिए। अनिश्चितता की स्थिति खत्म होनी चाहिए, आतंकवाद का खात्मा होना चाहिए। तेजी से विकास करने के साथ इन सभी को हासिल करना हमारा उद्देश्य, हमारा मिशन होगा।’’ शपथ ग्रहण समारोह में 150 से भी कम लोगों को आमंत्रित किया गया था। कोरोना वायरस महामारी के कारण सामाजिक दूरी का पूरा ख्याल रखा गया और सभी आमंत्रित अतिथियों को एक दूसरे से दूरदूर बैठाया गया तथा सभी ने मास्क लगाया हुआ था। सिन्हा और मुख्य न्यायाधीश ने शपथ की वजह से कुछ देर के लिए अपने मास्क हटाए। सिन्हा ने पूर्व आईएएस अधिकारी गिरीश चंद्र मुर्मू की जगह ली है जिन्होंने बुधवार रात इस्तीफा दे दिया था। मुर्मू को बृहस्पतिवार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) नियुक्त किया गया। नेशनल कॉन्फ्रेंस इस समारोह से दूर रही जिसमें से फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला दोनों आमंत्रित थे। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कहा कि लोकतंत्र की प्रक्रिया हिरासत में लिए गए नेताओं के साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की रिहाई के साथ शुरू होनी चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक नेता ने कहा कि पांच अगस्त को हमें बैठक की इजाजत नहीं दी गई। च्द्दो दिन बाद, हमसे शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने को कहा जा रहा है।’’ शपथ ग्रहण कार्यक्रम में फारूक खान, बशीर खान समेत पूर्व उपराज्यपाल के सलाहकार रहे अन्य लोग, वरिष्ठ नौकरशाह एवं पुलिसकर्मी मौजूद रहे। राज्यसभा सदस्य नजीर अहमद लवाय, भाजपा से लोकसभा सदस्य जुगल किशोर शर्मा और जम्मूकश्मीर अपनी पार्टी के नेता गुलाम हसन मीर भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। सिन्हा को जिन अहम मुद्दों को देखना होगा उनमें केंद्र शासित प्रदेश में नौकरशाही में गुटबाजी को समाप्त करना शामिल है। हाल में कुछ वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सार्वजनिक तौर पर जुबानी जंग में उलझते हुए दिखे थे। इसके अलावा उनके सामने राज्य के खुफिया विभाग में सुधार लाने की भी चुनौती होगी जो घटनाओं का पूर्व अनुमान लगाने में विफल रहा है। पिछले तीन दिनों में, दक्षिणी कश्मीर के कुलगाम जिले में दो अलगअलग घटनाओं में पंचायत के एक सदस्य और सरपंच पर हमला हुआ।

विकास पुरुष’ के नाम से विख्यात सिन्हा तीन बार लोकसभा सदस्य रहे हैं हैं । वह 2016 में में संचार राज्यमंत्री थे जब संचार उद्योग स्पेक्ट्रम की बिक्री में जुटा था। वह 1996 में पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए और उन्होंने 1999 में दोबारा जीत हासिल की। 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने तीसरी बार जीत दर्ज की। हालांकि, 2019 में वह गाजीपुर से चुनाव हार गए थे। प्रौद्योगिकी संस्थान (जिसे अब आईआईटीबीएचयू के नाम से जाना जाता है) से सिविल इंजीनियिरंग में बीटेक डिग्री धारक, सिन्हा को टेलीकॉम संचालकों के साथ विस्तृत विचारविमर्श कर कॉल ड्रॉप की समस्या से निपटने का श्रेय दिया जाता है। वह पहले राजनीतिक नेता हैं, जिन्हें केन्द्र शासित प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। केंद्र ने इससे पहले, सियासतदां सत्यपाल मलिक को भूतपूर्व राज्य का राज्यपाल बनाया था जिसे पिछले साल पांच अगस्त को दो केंद्रशासित प्रदेशों लद्दाख और जम्मूकश्मीर में विभाजित कर दिया गया था।